सुप्रभात
रांची, सोमवार
05.06.2023

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

विश्व पर्यावरण दिवस

* नगर संस्करण । पेज : 12

khabarmantra.net | आषाढ़, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा संवत 2080 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 10 । अंक : 320

06 पर्यावरण पर सिर्फ खानापूर्ति, गंभीरता की कमी

न्यूज डायरी

गुवाहाटी एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

गुवाहाटी। गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ जा रहा इंडिगो के एक विमान में यांत्रिक गड़बड़ी आने के बाद गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उसकी इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी। इस विमान में भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, विधायक तेरेस ग्वाला और विधायक प्रशांत फूकन समेत कुल 184 यात्री सवार थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सूरीनाम हुईं रवाना

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सूरीनाम और सर्बिया की अपनी राजकीय यात्रा पर आज रवाना हो गयीं। अपनी यात्रा के पहले चरण में राष्ट्रपति सूरीनाम के नेताओं के साथ बातचीत करेंगी और पारामारिबो में भारतीय डायस्पोरा से मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि यह यात्रा गहरे संबंधों को और मजबूत करेगी।

बद्रीनाथ पहुंचे पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

श्री बदरीनाथ धाम। बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देहरादून से श्री बदरीनाथ धाम दर्शन को पहुंचे। दिन सवा चार बजे के करीब श्री बदरीनाथ मंदिर दर्शन को पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री ने मंदिर में दर्शन/ पूजन कर जगत कल्याण की कामना की।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय पहुंचे काशी

वाराणसी। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडेय ने रविवार को श्रीकाशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगायी। थल सेनाध्यक्ष ने अपनी पत्नी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का अभिषेक किया।

चीन के सिचुआन में भूस्खलन, 14 की मौत

नयी दिल्ली। चीन के सिचुआन प्रांत में रविवार को एक पहाड़ ढह जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गयी है। जबकि, पांच लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना सिचुआन प्रांत के लेशान शहर में सुबह करीब छह बजे हुई।

इटारसी-मुंबई डाउन ट्रैक पर बड़ा हादसा टला

इटारसी। इटारसी-मुंबई डाउन ट्रैक पर शनिवार रात एक मालगाड़ी के सामने अचानक एक पेड़ टूटकर गिर गया। इससे रेलवे की ओएचइ लाइन क्षतिग्रस्त हो गयी। मोटे पेड़ की टहनियां ओवर हाईटेंशन लाइन (ओएचइ) में उलझ गयी थीं। बाद में इटारसी से टावर वैगन भेजकर लाइन को सुचारू किया गया।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	56,900 रु./10 ग्राम
चांदी	:	76,000 रु./प्रति किलो

भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा का हुआ महास्नान

फोटो : समीर

बालासोर रेल हादसे में झारखंड के 3 लोगों की मौत, 61 घायल

■ सीएम के निर्देश पर श्रम सचिव के नेतृत्व में टीम पहुंची बालासोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ओडिशा के बालासोर जिले में बाहानगा रेलवे स्टेशन के समीप दो जून की शाम हुई दुर्घटना में पीड़ितों की मदद के लिए झारखंड सरकार के निर्देश पर टीम पहुंची। सूचना के मुताबिक घटना में झारखंड के 3 लोगों की मौत हुई है, जबकि 61 लोग घायल हुए हैं। झारखंड के अधिकारियों की टीम बालासोर जिला अस्पताल पहुंची और वहां ट्रेन हादसे में घायल यात्रियों के इलाज में लगी हुई है। इसके अलावा, टीम ने एनओसीसीआइ बिजनेस पार्क पहुंच मृतकों के शवों की जानकारी ली। दो पार्थिव शरीर उनके घर भेजने की व्यवस्था की, जबकि एक की शिनाख्त करने की प्रक्रिया जारी है। (शेष पेज 11 पर)

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुआ हादसा, बोले रेल मंत्री

रेलवे बोर्ड ने की सीबीआइ जांच की सिफारिश

बालासोर ट्रेन हादसा

■ 288 नहीं, 275 लोगों की हुई है मौत, गिनती में गलती से बढ़ा था आंकड़ा

■ हादसे में घायल हुए लोगों का करवाया जा रहा समुचित इलाज

एजेंसी

नयी दिल्ली/भुवनेश्वर। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना मामले की जांच रेलवे बोर्ड ने सीबीआइ को सुपुर्द करने की सिफारिश की है। इस हादसे में अब तक 275 लोगों की मौत हो चुकी है और 1000 से अधिक घायल हैं। पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हादसे से जुड़ा बचाव कार्य पूरा हो चुका है और घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रेलवे पटरी को बिछाने का काम पूरा हो चुका है। अब ऊपर बिजली के तार लगाने का काम चल रहा है। इसी दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह से घटनाक्रम हुआ, परिस्थितियों को देखते हुए और प्रशासनिक जानकारी के साथ रेलवे बोर्ड ने सीबीआइ जांच की सिफारिश की है।

इधर, अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने ट्वीट कर कहा है कि इस हादसे में जिन बच्चों ने अपने अभिभावकों को खोया है, उनकी स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी अडाणी समूह उठायेगा। वहीं, बालासोर हादसे को लकर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गयी है। इसमें सुप्रीम कोर्ट से मांग की गयी है कि कोर्ट 2 जून 2023 को हुए बालासोर रेल दुर्घटना पर सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक जांच आयोग का गठन करे। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार की सुबह रेल मंत्री से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने बचाव और रेस्टोरेशन कार्य की जानकारी ली। बता दें कि प्रधानमंत्री ने शनिवार को दुर्घटनास्थल का दौरा किया था और अस्पताल में घायलों से भी मिले थे।

इधर, रेलवे बोर्ड की ऑपरेशनल एंड बिजनेस डेवलपमेंट सदस्य जया वर्मा ने रविवार को जानकारी दी कि ओडिशा रेल हादसे में मरने वालों की संख्या 275 है, न कि 288। ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप जेना ने भी इसकी पुष्टि की है। जेना ने कहा कि कुछ शवों की गिनती दो बार कर ली गयी थी। घायलों की संख्या 1175 है और इनमें से 793 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। (शेष पेज 11 पर)

दो दिन से घटनास्थल पर जमे हैं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दुर्घटना स्थल पर 2 दिन से मौजूद हैं। बचाव कार्य के बाद अब दुर्घटना स्थल पर रेस्टोरेशन का काम चल रहा है। इस मामले में अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुई थी। उन्होंने कहा है कि पहले जैसी स्थिति लाने में बुधवार तक का समय लग सकता है। रेल मंत्री ने एक ट्वीट कर बताया कि रविवार की दोपहर 12 बजे के आसपास डाउन लाइन को ठीक कर लिया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि दुर्घटना में जो भी घायल हुए हैं, उन्हें उचित इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिन यात्रियों की मौत हुई है, उनके परिवार वालों से रेलवे संपर्क कर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेन हादसे के कारणों और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को पहचाना जा चुका है। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड के अनुसार यह हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुआ है।

76 सीआरपीएफ जवानों की हत्या के मास्टरमाइंड सुदर्शन की मौत

■ भाकपा माओवादी प्रवक्ता ने की पुष्टि

■ डेढ़ करोड़ का इनामी था कटकम सुदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी की सेंट्रल कमेटी के मेंबर 69 वर्षीय आनंद उर्फ कटकम सुदर्शन की हार्टअटैक से मौत हो गयी है। उस पर डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। वह नक्सली संगठन में 40 सालों से सक्रिय था। कटकम सुदर्शन की मौत की सूचना नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर दी है। माओवादी संगठन के नक्सली प्रवक्ता अभय ने अपने प्रेस नोट में लिखा है कि 31 मई को दोपहर कटकम सुदर्शन की हार्ट अटैक से मौत हो गयी है।

सुदर्शन पर था 1.5 करोड़ का ईनाम : बता दें कि करीब 40 सालों से नक्सली संगठन में शामिल रहे सुदर्शन पर डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। 6 अप्रैल 2010 को सुकमा जिले में हुए ताड़मेटला नक्सली हमले में 76 जवानों की मौत का वह मास्टरमाइंड था। इसके अलावा, झीरम घाटी नक्सली हमले के साथ-साथ कई बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम देने में कटकम सुदर्शन शामिल रहा है। इधर, नक्सलियों ने कटकम की मौत को यादगार बनाने के लिए 5 जून से 3 अगस्त तक पूरे देश में कॉमरेड आनंद संस्मरण सभाओं का आयोजन करने का एलान किया है।

कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहा था ईनामी नक्सली सुदर्शन : नक्सली प्रवक्ता अभय ने जो प्रेस नोट जारी किया है, उसके अनुसार कटकम सुदर्शन पिछले कई महीनों से शुगर, बीपी सहित कई बीमारियों से जूझ रहा था। इलाज के अभाव में उसकी बस्तर में मौत हो गयी। नक्सलियों ने जंगल में ही उसका अंतिम संस्कार किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुदर्शन पर सुकमा जिले में सीआरपीएफ के जवानों पर हमला करने का आरोप था। इस बड़े नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हो गये थे।

पश्चिमी सिंहभूम में दो आइइडी बरामद

रांची। पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र में रविवार को भाकपा माओवादियों द्वारा पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाये गये 10 किलो के 2 अलग-अलग बम और एक आइइडी बम बरामद किया गया है। बरामद विस्फोटकों को को पुलिस ने जंगल में ही नष्ट कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को गोईलकेरा थाना क्षेत्र के मारादिरी से कुईड़ा के बीच जंगली पहाड़ी क्षेत्र में 5-5 किलो के 2 प्रेशर बम और 1 आइइडी बरामद सफलता मिली।

ढाई साल में भी रिम्स निदेशक नहीं बदल पाये अस्पताल की तस्वीर

आये थे एम्स बनाने, रिम्स छोड़कर चल दिये

■ ज्वाइनिंग के पहले दिन कहा था- रिम्स में देंगे एम्स जैसी सुविधाएं

सुधीर

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) को एम्स बनाने आये रिम्स निदेशक पद्मश्री डॉ कामेश्वर प्रसाद रिम्स ही छोड़कर चले गये। जमीनी हकीकत तो यह है कि एम्स बनना तो दूर, रिम्स अब पहले की तरह रिम्स भी नहीं रहा। डॉ कामेश्वर प्रसाद ने अपने कार्यकाल में एक भी ऐसे बड़े काम नहीं किये, जो इनके कार्यकाल में याद रखा जा सके। पिछले निदेशक डॉ डीके सिंह ने एमबीबीएस सीटें बढ़वायी थी। 150 सीट से बढ़ाकर 180 कराया था। डॉ प्रसाद की योजना थी कि एनएमसी सीट बढ़ाकर 250 कर दे, लेकिन ऐसा नहीं करा सके। इसके अलावा, एम्स की तर्ज पर रिम्स में तीन-चार नये विभाग खोलने का भी लक्ष्य था, लेकिन डॉ कामेश्वर प्रसाद एक भी नया विभाग नहीं खोल सके। उनके रिम्स छोड़ने के बाद इनकी कही एक बात याद आ रही है। उन्होंने ज्वाइनिंग के पहले ही दिन मीडिया को बयान देते हुए कहा था कि मैं एम्स से आया हूं। वहां की उपलब्धियां जानता हूं और कमियां भी। रिम्स को भी एम्स बना दूंगा।

रिम्स में अब भी गैस्ट्रो, हीमेटोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी विभाग नहीं है। संबंधित विभाग के एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं हैं, जबकि डॉ डीके सिंह के कार्यकाल में न्यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी विभाग शुरू किया गया था। इन्होंने अपने कार्यकाल में सिर्फ रिसर्च को बढ़ावा दिया। (शेष पेज 11 पर)

एक छात्र से निदेशक तक का तय किया सफर

डॉ प्रसाद ने कहा कि मैं रिम्स से संतुष्ट होकर जा रहा हूं। रिम्स निदेशक के रूप में उन्होंने 2 साल 6 महीना 18 दिन तक अपनी सेवा रिम्स में दी। 13 नवंबर 1972 को एक छात्र के रूप में तत्कालीन आरएमसीएच में अपना नामांकन कराया था। 1979 में एमबीबीएस करने के बाद 1980-83 के बीच एमडी मेडिसिन एम्स से किया। डॉ कामेश्वर के साथ पढ़ने वाली डॉ मिनी रानी अखौरी ने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि वे एक अच्छे गायक भी हैं और कॉलेज कैंपस में सरस्वती पूजा के दौरान उन्होंने क्लासिकल गीत भी गुनगुनाये थे।

अवर प्रादेशिक नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर में चलेगा भर्ती कैंप

श्रम विभाग का मेगा भर्ती कैंप आज, 975 पदों पर होगी बहाली

वेल्पुन इंडिया लिमिटेड गुजरात और पीएनबी मेटलाइफ रांची में विभिन्न पदों पर होगी बहाली

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा 5 जून, सोमवार को मेगा भर्ती कैंप का आयोजन किया गया है। यह कैंप अवर प्रादेशिक नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर रांची में आयोजित होगा। इस कैंप में इंश्यूरेंस मैनेजर सहित विभिन्न 975 पदों के लिए बहाली होगी। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी इसमें अपने प्रमाण पत्रों के साथ में इसमें शामिल हो सकते हैं।

इन कंपनियों में इन पदों पर होगी बहाली

वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद- ट्रैनी वेबरिंग ऑपरेटर, कुल पद- 200। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-ट्रैनी रिंग ट्रैनी ऑपरेटर, कुल पद-200। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-ट्रैनी एसएमओ, कुल पद-100, योग्यता-10 वीं पास। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-चेकर, कुल पद-100। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-ट्रैनी प्रिटिंग, कुल पद-100। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-ऑपरेटर फीटर ट्रैनी,कुल पद-50, योग्यता-आईटीआई पास, उम्र-18 से 30 वर्ष। वेल्सपुन इंडिया लिमिटेड अंजर, कुटेक, गुजरात, पद-इलेक्ट्रसिटियन, कुल पद-50, योग्यता-आईटीआई, उम्र-18 से 30, वेतन-12000, अनुभवन-दो वर्ष। पीएनबी मेटलाइफ सनराइज फोरम, वर्द्धमान कंपाउंड रांची, पद-चीफ इंश्यूरेंस मैनेजर, कुल पद-25, योग्यता- 12 वीं पास/ग्रैजुएट, उम्र-25 प्लस, वेतन-3.60 लाख प्रति वर्ष, अनुभव-5 साल। पीएनबी मेटलाइफ सनराइज फोरम, वर्द्धमान कंपाउंड रांची, पद-लाइफ इंश्यूरेंस मैनेजर, कुल पद-50, योग्यता-12 वीं पास,/ग्रैजुएट, उम्र-25 प्लस, वेतन-2.40 से 3.60 प्रति वर्ष, अनुभव-3 वर्ष। पीएनबी मेटलाइफ सनराइज फोरम, वर्द्धमान कंपाउंड रांची, पद-फाइनांसियल एडवाइजर, कुल पद-100, योग्यता-10 वीं/ 12 वीं पास, उम्र-25 प्लस, वेतन-1.80 प्रति वर्ष, अनुभव-2 साल/ फ्रेशर। अभ्यार्थियों को अपने साथ बॉयोडटा की दो कॉपी एवं दो पासपोर्ट साइज का फोटो लाना अनिवार्य है।

सीएमएम चंदन कुमार के खिलाफ जांच का आदेश

रांची। नगर विकास विभाग के अवर सचिव राज कुमार ने नगर आयुक्त को सिटी मिशन मैनेजर (सीएमएम) के पद पर कार्यरत चंदन कुमार के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्र के आलोक में जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अवर सचिव ने इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग से प्राप्त आवेदन में उल्लिखित बिंदुओं की जांच कर कृत कार्रवाई से अवगत कराने का भी निर्देश दिया है। इस संदर्भ में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को राकेश चौधरी द्वारा प्रेषित आवेदन पत्र को संलग्न कर चंदन कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। विदित हो कि चंदन कुमार के खिलाफ राकेश चौधरी ने 21 अप्रैल 2023 को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को पत्र प्रेषित किया था। जिसमें चंदन कुमार पर नगर निगम की अभियंत्रण शाखा में अनौपचारिक रूप से सहायक अभियंता के रूप में काम करने और संवेदकों को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुये कार्रवाई की मांग की गई थी।

रांची विधायक के ट्वीट पर सिमडेगा में आरोपी धराया

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डाला था आरोपी सदाब सुहैल

विधायक ने ट्वीट कर की थी कार्रवाई की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोशल मीडिया पर धार्मिक भावना भड़काने के आरोपी एक युवक को सिमडेगा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक का नाम सदाब सुहैल है, उसने अन्य धर्म के देवताओं को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। साथ ही महिलाओं को लेकर भी गलत शब्दों का प्रयोग करते हुए धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की थी।

रांची विधायक सीपी सिंह ने किया ट्वीट : रांची विधायक सीपी सिंह ने ट्वीट कर सिमडेगा पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की थी। रांची विधायक के ट्वीट करने के बाद मामला गरमा गया। मामला तूल पकड़ता देख सिमडेगा पुलिस एक्शन मोड में आई और बिना किसी देरी के आरोपी सदाब सुहैल को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे रविवार को जेल भेज दिया गया। आरोपी युवक के विरुद्ध सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले पर एसडीपीओ डेविड ए दोडराय ने कहा कि सोशल मीडिया पर सदाब सुहैल नाम के एक युवक द्वारा आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की गयी थी। जिसके बाद मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

आरोपी युवक कांग्रेस का कार्यकर्ता : बताया जा रहा है कि आरोपी युवक कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता है, जो सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा का करीबी माना जाता है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर धार्मिक भावना को भड़काने के आरोपी युवक और सिमडेगा विधायक का एक फोटो भी काफी वायरल हो रहा है।

खबर एक नजर में

बिजली दर में वृद्धि अनुचित : लंबोदर महतो

रांची। विधायक डॉ लंबोदर महतो ने बिजली दर और फिक्स चार्ज में की गई वृद्धि को जनहित के विरुद्ध करार दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य भर में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। बावजूद इसके बिजली दर में वृद्धि कर लोगों को जोर का झटका दिया गया है। उन्होंने कहा कि शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र दिन हो या रात हर घंटे बिजली कटती है। लोगों को निर्बाध रूप से बिजली नहीं मिल पा रही है। कई स्थानों पर बिजली के नाम पर लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। कहीं-कहीं तो तकनीकी खराबी आने पर मेंटेनेंस के नाम पर अलग से बिजली कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिजली की आंख मिचौली के बीच ट्रांसफार्मर जलने की शिकायत भी आ रही है। बिजली मिले या ना मिले लोगों को बिजली बिल भुगतान के लिए भी परेशान किया जा रहा है। राज्य सरकार का रवैया ठीक नहीं है।

निगम-बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष व सदस्यों को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दी बधाई

रांची। झारखंड राज्य आवास बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय लाल पासवान एवं हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक और सदस्य राकेश सिन्हा को प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बधाई दी है। कहा कि चुने गये सभी लोग अनुभवी हैं इसलिए दी गयी जिम्मेवारी को ईमानदारीपूर्वक निभायें। इससे पूर्व नवनियुक्त अध्यक्ष व सदस्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मिले और उनका आभार प्रकट किया। नवनियुक्त अध्यक्षों ने कहा कि बोर्ड निगम का गठन प्रदेश नेतृत्व की मजबूती और सरकार से बेहतर संबंध का ही परिणाम है। बधाई देने वालों में प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राज राजेंद्र प्रताप देव, प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर एम तौसीफ, गजेन्द्र सिंह, सूर्यकांत शुक्ला, आलोक तिवारी, मोबिन अंसारी शामिल थे।

सेल का साइकिलिंग और पौधारोपण कार्यक्रम

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को सेल में साइकिलिंग और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह छह बजे जगदीश अरोड़ा (ईडी सीईटी) ने सेल सैटेलाइट टाउनशिप स्थित इस्पात एग्जीक्यूटिव हॉस्टल से साइकिलिंग कार्यक्रम को झंडी दिखाकर रवाना किया। सेल के कई कर्मचारी सेल सैटेलाइट टाउनशिप से नये विधान सभा तक गये और फिर वापस लौटे। इस दौरान कुल 14 किमी की दूरी तय की गयी। इस कार्यक्रम में 45 साइकिल चालकों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। बाद में इस्पात एग्जीक्यूटिव हॉस्टल उद्यान में जगदीश अरोड़ा के नेतृत्व में सेल के वरिष्ठ सहयोगियों ने पौधरोपण किया।

अपनी मांगों के समर्थन में सहायक अध्यापकों के दूसरे चरण का आंदोलन शुरू

17 को सीएम आवास का घेराव करेंगे सहायक अध्यापक, मंत्रियों को ज्ञापन देकर मांगी मदद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य कमेटी के निर्णय के अनुसार 17 जून को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाना है। इसी क्रम में मोर्चा के सदस्यों ने रविवार को राज्य के सभी मंत्रियों के आवास पर अपनी मांगों से संबंधित एक मांग पत्र दिया है। इनमें स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, ग्रामीण विकास मंत्री मंत्री आलमगीर आलम के प्रतिनिधि, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, निबंधन मंत्री हफीजुल हसन, महिला एवं बाल विकास मंत्री जोबा मांझी, पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर के प्रतिनिधि और वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के प्रतिनिधि के अलावा परिवहन मंत्री चंपई सोरेन और श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता को ज्ञापन सौंपा।

मौके पर सभी मंत्रियों और उनके प्रतिनिधियों को एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने 17 जून को होने वाले मुख्यमंत्री आवास घेराव में शामिल होने का आग्रह किया। सहायक अध्यापकों ने उन्हें बताया कि राज्य के सहायक अध्यापकों के लिए एक नियमावली बनी है, जिसमें कुछ बिंदुओं पर सरकार अभी तक आगे नहीं बढ़ी है। उन बिंदुओं को लेकर सहायक अध्यापक 17 जून को रांची में जुटेंगे। मांगों में सहायक अध्यापकों का वेतनमान, इपीएफ और अनुकंपा का लाभ दिया जाये और आकलन परीक्षा का आयोजन जल्द किया जाये। साथ ही अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षण करने का एक मौका दिया जाए, 4 प्रतिशत मानदेय बढ़ोतरी जनवरी 2023 से सभी सहायक अध्यापकों को अविलंब दिया जाए। सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली मे संशोधन किया जाए। यह जानकारी एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के संजय कुमार दुबे, ऋषिकेश पाठक, सिंटू सिंह और दशरथ ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

बिरसा मुंडा जेल संग्रहालय मोदी सरकार की देन : दीपक प्रकाश

विकास तीर्थ कार्यक्रम तहत प्रोग्राम आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा जेल संग्रहालय मोदी सरकार की ऐतिहासिक देन है। श्री प्रकाश रविवार को विकास तीर्थ कार्यक्रम के तहत पुराना जेल भवन स्थित भगवान बिरसा मुंडा पार्क एवं संग्रहालय का भ्रमण के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा के डबल इंजन की सरकार ने इसे विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भगवान बिरसा के शहादत स्थल को ही विकसित नहीं किया बल्कि उनकी जन्म तिथि को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाकर पूरी दुनिया में झारखंड का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा का बलिदान केवल अंग्रेजी दासता के खिलाफ नहीं बल्कि झारखंड की संस्कृति और पहचान को नष्ट करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों के मंसूबों को विफल करना ही भगवान बिरसा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, केके गुप्ता, वरुण साहू, बलराम सिंह, जितेन्द्र सिंह पटेल, राकेश भास्कर, शोभा यादव, बसंत दास, चंद्रप्रकाश, अरविंद सिंह पिंटू, अनिता वर्मा, सुजाता सिंह, आनन्द वर्मा, सुवेश पांडेय, सुजीत शर्मा, दीपक साह, निलेश सिंह, सूर्यप्रताप, सुभाष अग्रवाल, कुमार उत्कर्ष आदि उपस्थित थे।

बलदेव भुइयां भाजपा में शामिल

लोगों को झामुमो से हो रहा मोग भंग : दीपक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश ने कहा है कि झामुमो में पार्टी कार्यकर्ताओं की नहीं, परिवार विशेष का ही महत्व है। उन्होंने कहा कि झामुमो, कांग्रेस, राजद ठगबंधन दलों से आदिवासी दलित पिछड़े वर्गों का मोह चलता है। श्री प्रकाश रविवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झामुमो ने झारखंड के सपने को चकनाचूर किया है। उम्मीदों पर पानी फेरा है। झामुमो कार्यकर्ताओं ने खून पसीने से पार्टी को सींचा था ताकि राज्यवासियों के सपने साकार हों, लेकिन सत्ता में आते ही यह पार्टी केवल परिवार की भलाई की चिंता करने लगी है। मुख्यमंत्री खुद अपने नाम से लीज लेने लगे, पत्नी को औद्योगिक भूमि दे दी। भाई को खनन पट्टा दे दिया। अपने प्रतिनिधि को लूटने की छूट दे दी। मौके पर झामुमो दलित मोर्चा पूर्वी सिंहभूम के जिलाध्यक्ष बलदेव भुइयां और उनके समर्थक छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्र में झामुमो के प्रत्याशी रहे रविंद्र राजू, पूर्वी सिंहभूम कांग्रेस कमिटी के पूर्व महासचिव गणेश शंकर विद्यार्थी सहित भुइयां समाज के सैकड़ों कार्यकताओं ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

दलितों, आदिवासी का भाजपा में सम्मान : दीपक प्रकाश ने कहा कि झामुमो कार्यकताओं के त्याग, परिश्रम से सरकार बनी। लेकिन सरकार में कार्यकर्ता बाहर और दलाल बिचौलिए शामिल हो गये। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ताओं की पीड़ा भाजपा ही दूर करेगी। भाजपा ने दलित, आदिवासी समाज को पूरा सम्मान दिया है। मोदी सरकार अंत्योदय के संकल्पों के साथ गांव, गरीब, दलित, वंचित, पिछड़ों के विकास के लिए समर्पित है। कोरोना काल में गरीबों की सेवा में मोदी सरकार ने पूरी ताकत लगा दी। सदस्यता ग्रहण के बाद बलदेव भुइयां सहित अन्य नेताओं ने कहा कि भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों, नीतियों और उनके देश के प्रति समर्पण भाव से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस अवसर पर सुनील सिंह मुंडा, चंचल चटर्जी, प्रधान चंद महतो, शांतनु मुखर्जी समेत अन्य उपस्थित थे।

गुमला में मुठभेड़ में मारा गया नक्सली लाजिम अंसारी बदले की भावना से बना था नक्सली

ज्यादती का बदला लेने के लिए हल छोड़कर बंदूक थाम लिया था इनामी नक्सली लाजिम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पुलिस ने शुक्रवार को जिस इनामी नक्सली लाजिम अंसारी को मुठभेड़ में मार गिराया था वह नक्सली बनने से पूर्व एक किसान था। लाजिम 2015 में नक्सली बना था। बदले की भावना की वजह से वह नक्सली बन बैठा था। लाजिम के परिजनों ने बताया कि वह काफी मेहनती ओर इमानदारी किसान था। नक्सली बनने से पहले उसकी शादी हो चुकी थी। वह खेतीबारी और पशु का व्यापार करता था। उसे तीन बेटी और एक बेटा है। वर्ष 2015 में वह पशु के कारोबार को लेकर अपने एक साथी एजाज अंसारी के साथ सदर थाना क्षेत्र के खरका गांव पहुंचा था। उस समय खरका गांव में एक व्यक्ति की दर्जनों भैंस चोरी हो गई थी। भैंस चोरी करने के आरोप में खरका गांव के ग्रामीणों ने लाजिम व एजाज को पकड़ दोनों की पिटाई कर दी गई थी। पिटाई के वक्त दोनों ने खुद को बेकसूर बताया, मगर ग्रामीणों ने उसकी एक भी नहीं सुनी। ग्रामीणों ने दोनों के ऊपर केस भी कर दिया था। इस दौरान लाजिम और एजाज चोरी गए भैंस को ढूंढ कर ला देने की बात कही थी। दोनों ने कुछ दिनों के अंदर ही भैंस ढूंढकर उसके मालिक के हवाले कर दिया था। इसके बावजूद दोनों के ऊपर शक का दायरा ओर बढ़ गया था।

बदला लेने के लिए संगठन में हुआ था शामिल

लोगों ने खरका गांव के शैलेश तिवारी और जेजेएमपी नामक उग्रवादी संगठन से सांठगांठ रखने वाले एक व्यक्ति के इशारे में दोनों की पिटाई कर दी थी। साथ ही उसे प्रताड़ित भी किया था। इसी घटना के बाद लाजिम खुद के साथ ज्यादती करने वालों से बदला लेने की ठान ली थी। कुछ दिन बाद मौका मिलते ही वह शैलेश तिवारी की उसने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिर हत्याकांड के दूसरे दिन ही घर से फरार हो गया था। साथ ही नक्सली बुधेश्वर से संपर्क कर संगठन में शामिल हो गया। लाजिम के नक्सली बनने के बाद वह खुद के साथ हुए ज्यादती का बदला भीड़ में शामिल रहने वाले लोगों से लेना चाहता था। साथ ही कई बार इसके लिए उसने प्रयास भी किया, मगर इस प्रयास में वह सफल नहीं हो पाया था।

... जब वह नक्सली बनने के लिए घर से भागा तो पत्नी थी गर्भवती

परिजनों ने बताया कि जब वह घर से भागकर नक्सली बन बैठा था, तब उसकी पत्नी गर्भवती थी। उसके नक्सली बनने के आठ दिन बाद पत्नी ने एक बेटी को जन्म दिया था। बेटी के जन्म लेने के डेढ़ माह बाद वह घर आया था, साथ ही पत्नी को बच्चों की परवरिश अच्छे से करने की बात कही थी। मगर इसके बाद से आज तक वह घर नहीं आया। परिजनों ने कहा कि चार भाई बहनों में लाजिम सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई घर में रहकर खेतीबारी करते हैं। पिता ने कहा कि बेटे के गलत रास्ते पर जाने के बाद कई बार मैसेंजर भेज कर उसे समाज की मुख्यधारा में जुड़ने को कहा गया था। मगर वह उसकी बात को नहीं माना. काफी समझाने के बाद भी वह नहीं माना। अब कुदरत को जो मंजूर था वही हुआ उसके साथ।पिता ने कहा कि बेटा था। उसके मारे जाने से दुख तो जरूर हुआ, मगर नक्सली बनने से पूर्व बेटे के साथ जो ज्यादती हुई वह किसी ओर के साथ नही हो, यही दुआ करता हूं। पिता ने कहा कि लाजिम के नक्सली बनने के बाद से परिवार अक्सर तबाह रहा।

गुरिल्ला युद्ध का रणनीतिकार था आनंद उर्फ कटकम सुदर्शन

कटकम सुदर्शन की पत्नी साधना भी थी नक्सली, मुठभेड़ में पुलिस ने मार गिराया था

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आनंद उर्फ कटकम सुदर्शन तेलंगाना के आदिलाबाद में जन्मे सुदर्शन ने वारंगल में पॉलिटेक्निक की पढ़ाई की थी। साम्यवादी विचारधारा की ओर आकर्षित होकर वह सन 1980 के दशक में नक्सली आंदोलन में शामिल हो गया था। उसके बाद से ही वह छुपकर नक्सली गतिविधियों को अंजाम देते रहा।

वह नक्सली संगठन में केंद्रीय समिति का सदस्य था। पार्टी में उसे आनंद मोहन, वीरेंद्र जी, कटकम के नाम से भी जाना जाता है। अक्सर नक्सली इन्हीं नामों से उसे बुलाते थे। मंचीरयाला जिले के कटकम सुदर्शन 1980 में कोंडपल्ली सीतारामय्या के नेतृत्व वाले पीपुल्स वॉर ग्रुप में शामिल हुआ। आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में नक्सली आंदोलन और संगठन के विस्तार में सुदर्शन की अहम भूमिका रही।

चार राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश

केंद्रीय कमेटी सदस्य आनंद उर्फ कटकम सुदर्शन को गुरिल्ला युद्ध का रणनीतिकार भी कहा जाता है। उसकी पत्नी साधना भी नक्सली थी और इस पर भी लाखों रुपए का इनाम घोषित था। कुछ साल पहले पुलिस - नक्सली मुठभेड़ में पुलिस के जवानों ने साधना को मार गिराया था। बस्तर के आईजी सुंदरराज पी बताते हैं कि लंबे समय से चारों राज्यों की पुलिस केंद्रीय कमेटी मेंबर सुदर्शन की तलाश कर रही थी। कई बार उसके सक्रिय होने की जानकारी भी मिली और ऑपरेशन भी लॉन्च किया गया, लेकिन वह हर बार मुठभेड़ से भाग निकलने में कामयाब रहा। नक्सली संगठन ने प्रेस नोट जारी कर हार्ट अटैक से उसकी मौत की पुष्टि की है।

राष्ट्रीय युवा शक्ति ने बालासोर ट्रेन दुर्घटना के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

रांची। रविवार को राष्ट्रीय युवा शक्ति के द्वारा परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक में बालासोर में ट्रेन में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी। दुर्घटना में मारे गये लोगों की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिये दीप जलाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। भगवान से प्रार्थना की गई जितने भी लोग घायल हैं जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाये। घटना के दोषियों को अविलंब गिरफ्तार करने की मांग की गयी।

श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में मिथिलेश सिंह, सावन लिंडा, वीरेंद्र गोप, प्रीति सिन्हा जयसवाल, सुमन विद, किरण कुमारी, राहुल गुप्ता, निखिल गुप्ता, रोहित यादव, विक्की तिर्की, अजय सिन्हा टुन्ना, अशोक पांडे, रवि शर्मा, चंदा तिवारी, प्रीति चौधरी सहित दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

ठंडे जल से स्नान के बाद बीमार पड़े भगवान जगन्नाथ, 15 दिन एकांतवास में रहेंगे

भगवान जगन्नाथ मंदिर के कपाट भी रहेंगे बंद, उसके बाद 15वें दिन मंदिर के कपाट खुलेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इस वर्ष 20 जून को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जायेगी। इससे पहले कल रविवार को रांची के जगन्नाथपुर मंदिर में भगवान जगन्नाथ के साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की सहस्त्रधारा स्नान विधि की गई। मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ को 108 घड़ों के ठंडे पानी से स्नान कराया जाता है, जिसके बाद भगवान को बुखार आ जाता है। 15 दिनों तक भगवान जगन्नाथ को एकांत में एक विशेष कक्ष में रखा जाता है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर के कपाट भी बंद रहेंगे। उसके बाद 15वें दिन मंदिर के कपाट खुलेंगे और भगवान जगन्नाथ भक्तों को दर्शन देंगे। फिर रथ यात्रा का प्रारंभ होगी। रथ यात्रा के आरंभिक चरण में भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया जाता है, उसके बाद रथ यात्रा निकाली जाती है।

लगता है काढ़ा का भोग : बता दें कि हर साल एक बार भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया जाता है, जिसे स्नान यात्रा भी कहते हैं। स्नान यात्रा करने के बाद 15 दिन के लिए भगवान जगन्नाथ बीमार पड़ जाते हैं। 15 दिन के लिए मंदिर को बंद कर दिया जाता है। यहां तक भगवान जगन्नाथ की रसोई भी बंद कर दी जाती है। भगवान को 56 भोग भी नहीं खिलाया जाता। 56 भोग की जगह भगवान को 15 दिनों तक काढ़ा का भोग लगाया जाता है। इस दौरान भगवान को आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का भी भोग लगाया जाता है। वहीं भगवान जगन्नाथ

की बीमारी की जांच करने के लिए रोजाना वैद्य भी आते हैं। भगवान को काढ़े के अलावा फलों का रस भी दिया जाता है। साथ में शीतल लेप भी रोज लगाया जाता है।

शहर में बड़े-बड़े गड्ढे : सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

फोटो : समीर

खुद को बनारस का पंडित कहकर ठग रहे हैं जेवरात

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शहर में आए दिन ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। कोई ऑनलाइन ठगी का शिकार हो रहा है तो किसी को झांसे में लेकर ठग अपना निशाना बना रहे हैं। इसी क्रम में राजधानी में खुद को बनारस का पंडित बताकर ठगी करने का मामला सामने आया है। जिसमें खुद को बनारस का पंडित बताते हुए एक महिला को समस्या का समाधान बताने के क्रम में उसके जेवर ठग लिया और फरार हो गया। इस दौरान उसका साथी भी महिला को झांसे में लेने में सहयोग कर रहा था। इस बाबत डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। वहीं पुलिस तीन दिनों से उनका सुराग ढूंढ रही है, लेकिन उनके खिलाफ कुछ भी हाथ नहीं लगा है।

पार्वती देवी ने पुलिस को बताया कि 30 मई की सुबह 7.10 बजे वह हिनू महावीर मंदिर से दर्शन कर अपने घर लौट रही थी। हिनू चौक स्थित पुलिस सहायता केंद्र के पास जैसे ही वह पहुंची एक नीले रंग की शर्ट पहने व्यक्ति उनके पास आया। उसने कहा कि वह शाला नाम की महिला को जानती है क्या। पार्वती देवी ने नहीं में जवाब दिया। फिर उस व्यक्ति ने कहा कि आप लगता है काफी अस्वस्थ रहती हैं। घर में भी काफी परेशानी है। आगे उसने कहा कि वह बनारस का पंडित है। वह लोगों की समस्याओं को दूर करता है। आप भी अपनी समस्या का निदान करवा सकती हैं। इन बातों से उसने पार्वती देवी को अपने झांसे में ले लिया।

पंडित का सहयोगी भी करने लगा सवाल

पार्वती देवी के अनुसार दोनों शातिर ठगों का गिरोह था। जब ठग पंडित उनसे बात कर रहा था तब उसका साथी वहां आया। उसने कहा कि उसकी मां बीमार रहती है। कृपया मेरे लिए भी कुछ उपाय बताएं। यह देख पार्वती देवी को भरोसा हो गया कि वह ठग पंडित है। वह व्यक्ति पास के पूजा की दुकान से एक कपूर लाया और उसने एक रुपए के सिक्के के साथ उसे दिया। ठग पंडित ने उसे कहा कि वह बिना मुड़े एयरपोर्ट रोड में इक्यावन कदम चले फिर वापस आए लेकिन जाने से पहले अपने सारे जेवर उतार दे। पार्वती देवी उसके झांसे में आ गई और अपने सारे जेवरात जैसे सोने की चेन, अंगूठी, बाला और पैसे उस दूसरे व्यक्ति को रखने के लिए दिया जो पहले पंडित के कहने पर 51 कदम चलने गया था। जब पार्वती देवी 51 कदम चल वापस लौटी तो पाया कि दोनों ठग वहां से उनके जेवरात लेकर फरार हो गए हैं। दस दिन पूर्व बच्चे की बीमारी को ठीक करने के मामले में एक महिला से भी इन्हीं दोनों ने डेढ़ लाख के जेवरात लूट लिया था। इस मामले में डोरंडा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बोकारो में बंधक बनाकर करता था दुष्कर्म, रांची लौटने की बात पर पीटता था

रिश्ता शर्मशार

मुंहबोले भाई ने नाबालिग का किया यौन शोषण, पांच माह की गर्भवती, आरोपी गिरफ्तार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में रिश्ता को कलंकित करनेवाला मामला प्रकाश में आया है। यह शर्मनाक घटना जगन्नाथपुर थाना एरिया में रहनेवाली एक बच्ची के साथ घटी है। जहां एक 13 वर्षीय नाबालिग को बंधक बनाकर उसके मुंहबोले ममेरे भाई ने कई महीनों तक उसका यौन शोषण किया। नाबालिग पांच माह की गर्भवती है।

बोकारो में दिया घटना को अंजाम

सामाजिक कार्यकर्ता मोनिका आर्य ने बताया कि पिछले कई महीनों से पीड़िता के मुंह बोले भाई ने बोकारो में उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता इसका विरोध करती तो आरोपी भाई उसे मारपीट करता था, लेकिन पिछले दिनों पीड़िता पेट में दर्द का बहाना बना भाग कर बोकारो से रांची आ गई। जिसके बाद उसकी मां ने बेटी की शिकायत पर डॉक्टर से जांच करायी तो पता चला कि उसकी बच्ची 5 महीने की गर्भवती है।

मेडिकल बोर्ड का होगा गठन

पीड़िता को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की तरफ से स्वास्थ्य संबंधी मदद दिलाने की तैयारी की जा रही है। जल्द ही बच्ची को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड के गठन के बाद जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसी अनुरूप बच्ची का इलाज किया जाएगा। वहीं चाइल्ड वेलफेयर कमिटी के चेयरमैन अमित शाह ने बताया कि फिलहाल बच्ची का बयान दर्ज करा लिया गया है। बयान दर्ज कराने के बाद बच्ची के इच्छानुसार उसे उसकी मां के पास भेज दिया गया है।

कब-कब हुई है दुष्कर्म की घटना

एनसीआरबी की रिपोर्ट के तहत पिछले तीन वर्षों में झारखंड में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के 3000 से ज्यादा मामले आए हैं। वर्ष 2021 की बात करें तो झारखंड में 1,321 ऐसे मामले दर्ज हुए हैं, जिसमें दुष्कर्म की बात सामने आई है। वर्ष 2020 के रिकॉर्ड के अनुसार 1321 दुष्कर्म मामले में 116 नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के आंकड़े बताए गए हैं, जबकि वर्ष 2021 में दुष्कर्म के कुल मामले 1608 दर्ज किए गए हैं। आंकड़ों को देखें तो झारखंड में महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में 17 .8 फीसदी का इजाफा हुआ है।

बाल संरक्षण आयोग ने लिया संज्ञान

मामला संज्ञान में आते ही चाइल्ड वेलफेयर कमिटी ने प्रशासन को कार्रवाई करने का आदेश दिया, जिसके बाद बच्ची की शिकायत पर एफआईआर दर्ज किया गया है। बाल संरक्षण आयोग के सदस्य उज्जवल कुमार ने बताया कि जैसे ही उन्हें पता चला कि नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया गया है। उसी वक्त उन्होंने रांची के एसएसपी को फोन कर आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही। एसएसपी के आदेश पर रविवार को हटिया डीएसपी और जगन्नाथपुर थाना की पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया।

कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स में मना विश्व पर्यावरण दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स और कलाकृति आर्ट फाउंडेशन के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व दिवस पर रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर कलाकृति स्कूल पाठ के निदेशक ने बच्चों को शपथ दिलाई कि सभी बच्चे अपने और अपने परिवार जन्म दिवस के अवसर पर एक पेड़ जरूर लगाएंगे।

एक्वावर्ल्ड में कार्टून संडे का आयोजन

पेपा पिग, छोटा भीम, डोनाल्ड डक, मिकी माउस के नाम रहा सुपर संडे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एक्वा वर्ल्ड में समर होलीडे सुपर संडे श्रृंखला के तहत रविवार को कार्टून संडे पर स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चे मिकी माउस, पोकीमॉनए छोटा भीम, डोनाल्ड डक, लिटल कृष्णा, लिटिल सिंघम आदि बन कर आये थे। कार्टून कैरेक्टर से जुड़े सवालों पर आधारित क्विज टाइम भी हुआ। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड में एक कार्टून सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था। बच्चों ने भी कार्टून कैरेक्टर के साथ खूब सेल्फी ली। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने जमकर डांस का धमाल मचाया।

इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड के चेयरमैन प्रतुल शाहदेव और को चेयरपर्सन डॉ विद्या झा उपस्थित थी।संचालन श्रेया ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में निदेशक गण सत्यप्रकाश चंदेल, सुमित, संतोष, धीरज, हसन आदि का योगदान रहा।

मेकॉन में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस पर रविवार को मेकॉन लिमिटेड एवं इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, झारखंड राज्य केंद्र, रांची ने संयुक्त रूप से पर्यावरण की रक्षा तथा उसके संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस अवसर पर सुबह में श्यामली कॉलोनी में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इसमें मेकॉन के कर्मचारियों और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, झारखंड राज्य केंद्र, रांची के सदस्यों ने लोगों को पेड़ों और पर्यावरण को बचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में कम्युनिटी हॉल, श्यामली कॉलोनी में चौथी कक्षा तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने 'पर्यावरण बचाओ' के संदेश का प्रचार-प्रसार किया। इसके बाद पर्यावरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न आयु वर्गों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर मेकॉन के निदेशक (वाणिज्यिक) एसके वर्मा, निदेशक (वित्त) मुकेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (पर्यावरण अभियांत्रिकी) राणा चक्रवर्ती तथा मेकॉन और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (आई), झारखंड राज्य केंद्र, रांची के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हुए प्रतिभागियों के बीच पौधे बांटे गए।

खबर एक नजर में

न्यू शास्त्री नगर में पानी को लेकर हहाकार महिलाओं ने सांसद संजय सेठ को सौपा ज्ञापन

रांची। रातू रोड के न्यू शास्त्री नगर मधुकम में पानी की समस्या होने के कारण मोहल्ले वासियों को काफी परेशानी हो रही है। जिसे देखते हुए झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन रांची महिला विंग की अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता अंकिता वर्मा ने सोमवार को रांची के सांसद संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा और उन्हें अपनी परेशानियों से अवगत कराया। अंकिता वर्मा ने बताया कि गर्मी से सब लोग परेशान हैं और इन परिस्थितियों में सबसे ज्यादा परेशानी पीने का पानी को लेकर हो रही है क्योंकि यह पूरा इलाका ड्राई जोन हो गया है। लगभग हर घर में पानी का लेयर नीचे चला गया है। वहीं सप्लाई पानी नहीं मिलने से घर चलाना मुश्किल हो गया है।

ट्रैफिक एसपी और चैंबर प्रतिनिधियों ने अपर बाजार की यातायात सुविधा का लिया जायजा

रांची। शहर के मुख्य व्यवसायिक केंद्र अपर बाजार में जाम की समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक एसपी ने चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के संग रविवार को बाजार क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का भ्रमण किया। बकरी बाजार और अटल वेंडर मार्केट में पार्किंग की व्यवस्था का भी जायजा लिया। देखा गया कि यदि इन दो जगहों पर उपयुक्त व्यवस्था कर दी जाये तब निश्चित ही बाजार क्षेत्र में काफी हद तक जाम की परेशानी कम की जा सकती है। बकरी बाजार में जब तक स्थाई व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक अस्थाई रूप से पेड पार्किंग की सुविधा चालू करने के योजना की भी समीक्षा की गयी। चैंबर के सह सचिव रोहित पोद्दार ने कहा कि शहर को जाममुक्त बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस और चैम्बर द्वारा प्रयासों को गति दी जा रही है। मौके पर ट्रैफिक एसपी के साथ चैम्बर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, अमित शर्मा, सह सचिव रोहित पोद्दार, शैलेश अग्रवाल और शशांक भारद्वाज, सोनू मोदी शामिल रहे।

बैंकों में अब पुलिस का पहरा...

एसएसपी ने बनाई टीम, बैंकों को भी निर्देश

बैंक ग्राहकों को सतर्क रहने की अपील

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बैंको से पैसे निकालने के बाद लूट और छिनतई की घटना से लोगों को बचाने के लिए बैंकों में अब पुलिस पहरा देगी। पुलिस ने इसके लिए बैंक के अधिकारियों से भी मदद मांगी है। एसएसी किशोर कौशल ने ग्राहकों से भी अपील की है कि वे बैंक से निकलने के वक्त सतर्क रहें। संदेह होने पर कंट्रोल रूम या उस एरिया के थाने को जरूर सूचित करें।

दरअसल पुलिस और बैंक वाले जब तक सतर्क रहते हैं, तब तक इन घटनाओं पर ब्रेक लग जाता है लेकिन जैसे ही लापरवाही शुरू होती है एक बार फिर से अपराधी एक्टिव हो जाते हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि राजधानी में एक ऐसा गिरोह सक्रिय हो चुका है जो बैंक से पैसा निकाल कर घर जाने वाले लोगों को टारगेट कर रहा है। गिरोह के सदस्य बैंक से पैसा निकालने वालों की रेकी करते हैं और फिर मौका मिलते ही उनसे पैसे छीनकर फरार हो जाते हैं। राजधानी में ऐसे चार मामले दर्ज हुए हैं।

एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बिना बैंकों के सहयोग के इस तरह की घटनाओं पर ब्रेक लगाना मुश्किल है, पुलिस अपना काम जरूर कर रही है लेकिन जरूरी है कि बैंक अपने यहां आने वाले अनजान चेहरों से पूछताछ करें या फिर पुलिस उसकी जानकारी जरूर दें। अब तक की छानबीन में जो बात सामने आई है, उनमें यह तय माना जा रहा है कि जिन अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है वह बैंक से ही ग्राहकों की रेकी कर रहे थे, उसके बाद मौका मिलते ही उन्होंने लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

हत्या के मामले में आर्मी का जवान उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

ड्यूटी के दौरान जवान को चढ़ी आशिकी, लड़की ने घर चलने की जिद की तो उतार दिया मौत के घाट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लापुंग थाना पुलिस ने हत्या के मामले में आर्मी के जवान अजय होरो को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्टेशन से गिरफ्तार किया है। अजय होरो लापुंग का रहने वाला है। इसके पास से सोना जैसा दिखने वाला पदार्थ, चार एटीएम कार्ड, एक आर्मी कैंटीन कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 10 अक्टूबर, 2022 को लापुंग निवासी जितिया लकड़ा ने थाना को सूचित किया था कि चम्पाडीह सरना स्थल के पास निर्मल मुंडा के कुएं में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। शव को कुएं से बाहर निकाल कर देखा

गया कि महिला के सिर में गहरा जख्म है। अगल-बगल के स्थानीय ग्रामीणों से शव की शिनाख्त कराने पर किसी ने महिला की पहचान नहीं की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बेड़ो डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या में शामिल आरोपित अजय होरो को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान अजय होरो ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह वर्ष 2003 में आर्मी में बहाल हुआ। उसकी तैनाती वर्ष 2015 में 327 एफडी हॉस्पिटल कालीपोंग में हुई। इसी दौरान जलपाईगुडी की सपना योगी से दोस्ती हो गई। इन दोनों में मोबाइल से बातचीत होती रहती थी और कभी कभार छुट्टी में मिलते जुलते थे। वर्ष 2022 में इसकी पोस्टिंग इलाहाबाद में हुई, जहां पर यह एक मकान लेकर सपना के साथ रहता था। 9 अक्टूबर, 2022 में जब ये छुट्टी लेकर घर आ रहा था तो सपना योगी भी साथ में घर चलने की जिद करने लगी। ये दोनों चपाडीह गांव के सरनास्थल के पास पहुंचे। इसी बीच दोनों में विवाद हो गया। आरोपित ने सपना को बगल के कुएं में धकेल कर ऊपर से दो-तीन पत्थर मार दिया और उसका जेवर लेकर घर चला गया। छुट्टी के बाद ड्यूटी पर योगदान दिया तथा पकड़े जाने के डर से 14 अप्रैल से फरार हो गया। एसपी ने बताया कि महिला की गुमशुदगी के संबंध प्रयागराज जिला के कैंट थाना में 17 अप्रैल को मामला दर्ज कराया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नशा मुक्ति अभियान की सफलता अकेले सिर्फ एक संगठन की जिम्मेदारी नहीं : राज्यपाल

समाज के सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास व सहयोग की जरूरत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि नशाखोरी आधुनिक समाज की सबसे ज्वलंत समस्याओं में से एक है। कई मायनों में यह लाईलाज बीमारियों से भी अधिक खतरनाक है। नशीली दवाओं के सेवन से उनका जीवन तो बर्बाद होता ही है। उनके परिवार को भी बहुत पीड़ा का सामना करना पड़ता है। राज्यपाल रविवार को प्रजापिता ब्रश्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा हरमू रोड, रांची स्थित कार्यालय में आयोजित नशा मुक्ति अभियान के अवसर लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मादक द्रव्यों का सेवन एक गंभीर मुद्दा है, जिसने हमारे समाज को बहुत लंबे समय तक त्रस्त रखा है। इससे अनगिनत लोगों की जान गई है। व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

उन्होंने नशा मुक्ति अभियान के आयोजन लिए प्रजापिता ब्रश्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए कहा कि नशीले पदार्थों के सेवन व इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा भी 5 सूत्री कार्यक्रम के तहत, जिसमें नशीले पदार्थों का उन्मूलन शामिल था, 93 दिनों तक लगातार 19000 किलोमीटर की रथ यात्रा निकाली गई थी। राज्यपाल ने कहा कि विडम्बना है कि कुछ लोग जानकारी के अभाव में नशीली दवाओं के दुरुपयोग में संलिप्त हो जाते हैं। स्वार्थी लोगों द्वारा अपने गलत उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मासूमों को नशीली दवा दी जाती है, ऐसे कई उदाहरण भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान की सफलता अकेले सिर्फ एक संगठन की जिम्मेदारी नहीं है, इसके लिए समाज के सभी सदस्यों को सामूहिक प्रयास व सहयोग करने की आवश्यकता है। हम सामूहिक रूप से प्रयास कर एक सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और नशामुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आइआइएम रांची का पीएचडी व एग्जीक्यूटिव पीएचडी का रिजल्ट जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

इन कोर्सों के लिए अभ्यर्थियों का हुआ है चयन

एकाउंटिंग एंड फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग मैनेजमेंट, ऑगेर्नाइजेशन विहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट,ऑपरेशन मैनेजमेंट, इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिटिक्स कोर्स के लिए चयन किया गया है।

रांची। आईआईएम रांची ने सत्र 2023 के लिए पीएचडी व एग्जीक्यूटिव पीएचडी का रिजल्ट का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें नामांकन के लिए कैट, गेट, नेट, जेआरएफ या जीमैट या जीआरइ के टेस्ट स्कोर को आधार बनाया गया था। इसके अलावा 10 वर्षों का किसी भी सरकारी व प्राइवेट सेक्टर में एडमिनिस्ट्रेटिव पद पर कार्य करने का अनुभव भी रखा गया था। इसके बाद रिजल्ट निकाला गया है। कुल 38 अभ्यर्थियों को मार्क किया गया है। लेकिन, इनमें से कुल 14 लोगों का अंतिम रूप से सेलेक्शन किया गया है, जबकि, 24 अभ्यर्थियों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है। इनमें 8 कैंडिडेट्स का सेलेक्शन पीएचडी के लिए हुआ है, जबकि, एग्जीक्यूटिव पीएचडी के लिए 8 अभ्यर्थियों का सेलेक्शन किया गया है। सारे सेलेक्टेड कैंडिडेट्स को मेल के जरिये सूचना दे दी गयी है। वहीं, वेटिंग लिस्ट में शामिल कैंडिडेट्स को एडमिशन का ऑफर उसी शर्त पर दिया जायेगा, जब कोई कैंडिडेट एडमिशन नहीं लेगा।

आदिवासी समाज ने इरबा कोइलरी की जमीन को अवैध कब्जा से कराया मुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ईरबा के कोइलरी स्थित खाता संख्या 83, प्लॉट संख्या 988 तथा 989 में रविवार को गैर आदिवासी द्वारा अवैध कब्जा को आदिवासी समाज द्वारा मुक्त कराया गया जो खतियान में फेंकना उरांव तथा कोका उरांव के नाम से दर्ज है। खतियान रैय्यत अलीशा लिंडा ने कहा कि मेरे पिता कोका उरांव को जानबूझकर 2013-14 में ही गायब कर दिया गया तथा बदरुद्दीन अंसारी उर्फ बुधुवा उरांव द्वारा धर्म परिवर्तन कर जबरन जमीन को, जावेद अंसारी ,कलाम अंसारी, एखलाख अंसारी, एजाज अंसारी द्वारा बेचा जा रहा है। रविवार को आज कोइलरी इरबा के समस्त आदिवासियों द्वारा जमीन को मुक्त कराया गया जबकि अलीशा उरांव लिंडा के माता-पिता दोनों नहीं है अलीशा लिंडा ने बताया कि 83 खाता में कुल रकबा 8.14 डी० एकड़ जमीन है। जिसमें धारा 144 होने के बावजूद भी गैर आदिवासी जमीन दलालों द्वारा जबरन कई बार मेरे मना करने के बावजूद भी इन्होंने घर और शौचालय निर्माण किया कई बार ओरमांझी थाना को भी सूचित किया परंतु ओरमांझी थाना ने बात नहीं मानी उन्होंने कहा कि ओरामांझी थाना भी इन भू- मफियाओं का साथ दे रही है। आदिवासी समाज के लोगों का नेतृत्व कर रहे पवन तिर्की ने यह जानकारी दी। बताया कि इस अवैध कब्जा को हटाने में अलीशा लिंडा, गीता देवी,शीला मनी, अनिता उरांव, सुनिता उरांव, पिंकी देवी,सुको उरांव, संगीता देवी, निरंजन तिर्की ,सजदा खातून ,सारो सांगा,अकाश तिर्की,नीरज तिर्की, मनी उरांव, अनुज हेमरोम, आयुष तिर्की, लक्की सिककु, प्रदीप प्रमाणिक इत्यादि उपस्थित थे।

पौधरोपण करें और उसके संरक्षण-संवर्द्धन का संकल्प लें : संजय

रांची। पवित्रम सेवा परिवार के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पूरे विश्व में मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस के 49 वर्ष पूरे हो गए हैं। संजय सर्राफ ने बताया कि मौजूदा समय में पर्यावरण असंतुलित हो गया है बढ़ती आबादी औद्योगिकीकरण प्राकृति संसाधनों का अंधाधुंध इस्तेमाल से आज विश्व का तापमान चिंतित स्तर पर बढ़ रहा है जिससे ग्लेशियर पिघल के समुद्र में पानी बढ़ रहा है जिससे बाढ़ आ रही है हमें पर्यावरण को बचाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए लोगों में पर्यावरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस के प्रभाव, ग्लोबल वार्मिंग, ब्लैक होल इफेक्ट आदि मुद्दे के बारे में लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

बीएयू में आयोजित कॅरियर काउंसलिंग से छात्र उत्साहित

● पूर्व आइएएस अधिकारियों ने दिये टिप्स

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीएयू में आयोजित दो दिनी रोजगार मेला सह बीएयू उद्योग मीट के दौरान छात्रों के कैरियर काउंसीलिंग पर केंद्रित रहा। दूसरे दिन छात्रों के संवेदीकरण कार्यक्रम में एग्रीकल्चर एलुमनाई आइएएस एवं पूर्व आयुक्त पलामू डॉ जटाशंकर चौधरी एवं एग्रीकल्चर एलुमनाई आइएएस एवं विशेष सचिव (कृषि) प्रदीप हजारे ने छात्रों को सफलता के लिए स्वयं को जानने, स्वयं को पहचानने, स्वयं को प्रेरित करने पर बल दिया। पदाधिकारियों ने कैरियर और जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने, परिस्थिति के अनुरूप बदलने, चुनौतियों का सामना, अति आत्मविश्वास से बचने, एक आदर्श रोल मॉडल तय करने, सोशल मीडिया से दुरी और माता-पिता, गुरुओं व वरीय को आदर और सम्मान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की मध्यस्थता एसोसिएट डीन डॉ एके पांडे ने की। कैरियर काउंसीलिंग के कार्यक्रमों में विवि के दूसरे एवं तीसरे वर्ष के सत्र में अध्ययनरत करीब 400 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने कैरियर काउंसीलिंग के सभी कार्यक्रमों को बेहद लाभदायक एवं कैरियर निर्माण में मददगार होने की बात कही।

नियोजन की संभावनाएं विषयक पैनल चर्चा की गयी

कृषि क्षेत्र के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए नियोजन की संभावनाएं विषयक पैनल चर्चा में इंडियाना पोलिस यूएसए के वाईस प्रेसिडेंट एसके मंगलम, एफडीआरवीसी, नई दिल्ली के को-लीड बिपिन बिहारी, मास के प्रबंध निदेशक विजय भरत एवं फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के आदित्य मल्होत्रा ने छात्रों संग अनुभवों को साझा एवं चर्चा में भाग लिया। मध्यस्थता डीन पीजीएस डॉ एमके गुप्ता ने की।

प्रोफेशन एवं करियर सबंधी पुस्तकों का करें अध्ययन

पहले दिन छात्र-एल्यूमनी मीट में पूर्व डीन एग्रीकल्चर डॉ एके सरकार ने छात्रों को प्रतिदिन लाइब्रेरी में प्रोफेशन एवं कैरियर सबंधी पुस्तकों के अध्ययन, विशेषकर राज्य से सबंधित समस्यायों एवं उसके समाधान की अद्यतन जानकारी रखने की सलाह दी। मौके पर एलुमनाई आईपीएस माणिक लाल मंडल, आईएफएस अंजना एस तिर्की तथा एसोसिएट डीन एवं पूर्व डेयरी निदेशक डॉ एके पांडे ने भी छात्रों को कैरियर सबंधी उपयोगी टिप्स दिये और उनका उत्साहवर्धन किया। मध्यस्थता डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही ने की।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने लगाया फ्री हेल्थ चेकअप कैंप

रांची। मारवाड़ी युवा मंच राँची समर्पण शाखा के तत्वावधान में शनिवार को मोरहाबादी स्थित आक्सीजन पार्क में निःशुल्क हैल्थ चेकअप कैम्प लगाया । शाखा अध्यक्ष स्वेता भाला ने कहा कि जीवन में सबसे जरूरी काम अपने शरीर को स्वस्थ रखना होना है। अगर खुद स्वस्थ रहेंगे तो ही हम दूसरो के लिए कुछ कर सकते है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ परिवार ही हमारी असली जमापूँजी है , ये ध्यान में रखते हुए शाखा ने यह कैम्प आयोजित किया है। स्वस्थ प्रभारी कोमल झुनझुनवाला एवं संयोजिका आशा सर्राफ ने पूरे कार्यक्रम को बहुत ही सुंदर तरीके से लाइन अप किया। कैम्प में सुगर कोलेस्ट्रॉल हेमोग्लोबिन, टीएचएस, एएलसी एवं विटामिन डी का चेकअप किया गया। मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल यह जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित आज के इस कैंप में 70 लोगों ने आवश्यकतानुसार निशुल्क जांच कराए। उपस्थित लोगो में पूर्व अध्यक्ष किरण खेतान स्वस्थ प्रभारी कोमल झुनझुनावाला आशा सराफ, दीपिका मोतिका, निकिता जालन, आशा संतोलिया उपस्थित थी।

ईश्वरीय ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को अच्छे संस्कार दें : बिशप मसकरेन्हस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। माता-पिता बच्चों को अच्छा संस्कार दें और उन्हें अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करे। उनकी गलतियों पर उन्हें प्यार से मित्रवत समझाएं। बच्चों में छुपी प्रतिभाओं को जानें। बच्चों के प्रतिभाओं के आधार पर ही उनके उज्वल भविष्य के लिए सदैव उंचा सपना देखने को प्रेरित करें और लक्ष्य की प्राप्ति तक अथक मेहनत के साथ प्रयासरत रहने को प्रेरित करें। यह प्रवचन आर्चडायसिस रांची के बिशप थियोडोर मसकरेन्हस एसएफएक्स के हैं। रविवार को वे गढ़वा के बड़ी खजूरी गांव स्थित संत पीटर चर्च में मसीही बच्चों के पवित्र दृढ़िकरण संस्कार समारोह के दौरान अपने संदेश में कही। पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण करने के लिए बिल्कुल श्वेत वस्त्रों में सुसिज्जित कुल 305 बालक व बालिकाओं के समूह तथा उन बच्चों के माता-पिता को संबोधित करते हुए बिशप मसकरेन्हस ने कहा कि बच्चों को सदैव प्रभु के सानिध्य में बढ़ने को प्रेरित करें। कहा कि मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के मौजूदा युग में प्रिट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व चैनल्स का उपयोग ज्ञानार्जन के लिए तथा खुद को देश-विदेश व पूरी दुनिया में पल-पल हो रही गतिविधियों से अवगत कराने के लिए करें। उसका एडिक्टेड न हों। माता-पिता व बड़ों का सम्मान करें। मौके पर बिशप मसकेरन्हस के सेक्रेटरी फादर अमरदीप केरकेट्टा, पेरिश प्रिस्ट फादर रेजी, फादर मतियस बोदरा, फादर अमित डुंगडुंग, ब्रदर सुमन, पल्ली के कैथोलिक सभा, महिला संघ, युवा संघ तथा तथा स्थानी मसीही परिवार के लोग शामिल थे।

नौ दिवसीय वीबीएस का हुआ समापन

रांची। रांची यूथ फेलोशिप, जीईएल चर्च हेड क्वार्टर कांग्रिगेशन के तत्वावधान में 27 मई से 04 जून तक बेथेसदा बालिका उच्च विद्याल.य के सभागार में आयोजित नौ दिवसीय अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला का समापन रविवार को हुआ। स्पीरिचुआलिटी के थीम पर आयोजित इस पाठशाला के नौवे व अंतिम दिन के मुख्य अतिथि जीईएल चर्च के बिशप सीमान्त एस तिर्की रहे। जबकि अतिथि के रुप में रेव्ह निरल बागे, रेव्ह निशांत गुड़िया, अनुज मुंडु, सोलोमोन कंडुलना, ओसित लकड़ा तथा जनरल सेक्रेटरी ईश्वरदत्त कंडुलना उपस्थित थे। बिशप सीमान्त एस तिर्की ने इस अवसर पर अपने संबोधन में वीबीएस के तमाम छात्र-छात्राओं के सदैव आध्यात्मिकता में बढ़ने को प्रेरित किया।

खबर एक नजर में

परम पूज्य राजन महाराज आज आयेंगे रांची

रांची। राम कथा वाचक परम पूज्य राजन महाराज आज रांची पधार रहे हैं। आयोजन समिति के प्रमोद सारस्वत ने बताया कि पूज्य राजन महाराज अयोध्या से लखनऊ होते हुए आज दोपहर 12:30 बजे पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एयरपोर्ट पर भी उनका स्वागत सह अभिनंदन किया जाएगा। धर्म प्रेमियों, भागवत प्रेमियों, श्री राम कथा के प्रेमियों के द्वारा उनका भव्य स्वागत, माल्यार्पण, अभिनंदन एयरपोर्ट पर किया जाएगा। यहां से सड़क मार्ग द्वारा राजन महाराज लातेहार प्रस्थान करेंगे। जहां वे निःशुल्क श्री अन्नपूर्णा भोजनालय सहित कई धार्मिक कार्यों का विधिवत उद्घाटन कर उपस्थित श्रद्धालु भक्तों के बीच आशीर्वचन देंगे।

सेवा सदन के गंदे पानी का प्रवेश रांची झील में रोका जाए : मिश्रा

रांची। राँची झील बचाओ अभियान समिति राँची के संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में शनिवार को राँची राँची झील को बचाने के लिए राँची झील के मुख्य घाट के समीप हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष अरुण बुधिया के द्वारा किया गया। जिसके बाद राँची झील को बचाने के लिए सैकड़ो लोगों ने अपने हस्ताक्षर किए। मिश्रा ने कहा कि जल ही जीवन है जल है तो कल है। यह बताते हुए उन्होंने जानकारी दी कि रांची झील में सेवा सदन के समीप गंदे नाले के पानी का राँची झील में प्रवेश करने के कारण पानी प्रदूषित व बदबूदार हो गया है। जिसके कारण जहां उस मार्ग से होकर गुजरने के क्रम में लोग रुमाल से अपना मुंह व नाक ढंकने को विवश हैं। हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में उपस्थित लोगो में अरुण बुढ़िया, अशोक पुरोहित, रमेश केडिया, लकेश सिंह, इंदर सिंह, परवेज आलम, राहुल सिन्हा चंकी, अनिल तिवारी, प्रेम प्रसाद, भोला जी, मो. मजहर, कैलाश केसरी सहित सैकड़ों की संख्या में हिस्सा लिया।

एलआइसी साक्षात्कार तथा बैंकिंग, एसएससी बैच प्रारम्भ

रांची। सर्कुलर रोड श्री साई टावर स्थित एन.आई.बी.एम में स्नातक कर रहे तथा इंटर पास विद्यार्थियों के लिए बैंकिंग, एस.एस.सी. रेलवे, जे.पी.एस.सी. जैसे सरकारी नौकरी की बेहतर तैयारी करना, पिछले 25 वर्षों से युवाओं को नौकरी प्राप्त होने में मदद करते आ रही है। संस्थान में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बेहतर रिजल्ट हुए हैं। चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। निदेशक एम. के. गुप्ता ने पी.एन.बी. में चयनित अंशु को सम्मानित किया। एल0आई0सी0 में चयनित होने के लिए साक्षात्कार की विशेष बैच चलाई जा रही है। वर्ष 2021-22 में बैंकिंग में अनेकों विद्यार्थी चयनित होकर ज्वाईन भी कर चुके हैं तथा रेलवे कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में इनकमटैक्स ऑफिसर, सी०बी०आई० तथा अनेक सेंट्रल तथा स्टेट लेबल की कार्यालय में कार्यरत है। एन०आई०बी०एम० में बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, प० बंगाल से विद्यार्थी आकर पढ़ते हैं। संस्थान काफी बेहतर प्रदर्शन लगातार 25 वर्षो से करते आ रही है।

युता स्नानदान व्रत की पूर्णिमा पर्व पर हुआ अनुष्ठान

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में रविवार को ज्येष्ठ मास शुक्ल की पूर्णिमा तिथि के शुभ उपलक्ष्य पर पौर्णमासानुष्ठान हुआ। अतः इस पुण्य पर्व पर भगवान श्रीमन्नारायण श्रीश्रीनिवास का भक्तिपूर्वक समायोजन हुआ। प्रातः अगणित ब्रह्मांडों के स्वामी श्रीवेंकटेश्वर का विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम, मंगलाशासन और वेंकटेश स्तोत्रम के बाद षोडषोपचार पूर्वक नित्याराधन हुआ। श्रीभगवान के शयन विग्रह को गंगाजल से स्नान कराया गया। सर्वार्थसिद्धियोग में पुण्य को बढ़ाने वाला सारे क्रमानुष्ठान किये गये।

साइंस फॉर सोसायटी झारखंड का राज्य सम्मेलन डीएवी आलोक पुंदाग में संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। साइंस फॉर सोसायटी झारखंड का दो दिवसीय सांगठनिक राज्य सम्मेलन आज पुनदाग, रांची स्थित डीएवी आलोक पब्लिक स्कूल में संपन्न हो गया। उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन 3 एवं 4 जून का आयोजित हुआ जिसमें झारखंड के 11 जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस क्रम में 3 जून को आयोजित उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर ए. ए. खान पूर्व वाइस चांसलर रांची यूनिवर्सिटी ने संबोधित किया। सत्र की अध्यक्षता डॉ अली इमाम खान एवं संचालन राजेंद्र कुमार ने किया। इसी दिन दूसरे सत्र में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता थें रमेश शरण, पूर्व वाइस चांसलर विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, हजारीबाग सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर बी एम कर्ण ने की।

सम्मेलन में अरुण कुमार, एस. के. राम, रोहित कुमार एवं अरुण राज, शिशिर कुमार घोष एवं पुष्प लता कुमारी झा, कंचन गोपाल गडल, विजय कुमार सीमा कुमारी व अन्य मौजूद थें।

करमटोली में घर के अंदर चल रहा था मटका का धंधा, एक गिरफ्तार, दो पर प्राथमिकी

रांची। राजधानी रांची में मटका का धंधा बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। पुलिस की नजर से बचने के लिए अब घरों में भी मटका का खेल चल रहा है। लालपुर थाना क्षेत्र के करमटोली रोड में अशोक टोप्पो के घर में मटका का धंधा चल रहा था। लालपुर थाना पुलिस की छापेमारी में इसका खुलासा हुआ है। वहीं मटका अड्डा से पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जबकि मटका खेल रहे अन्य लोग फरार हो गए। पकड़े गए व्यक्ति का नाम अशोक टोप्पो है। उसने बताया कि उसी के घर में मटका अड्डा चल रहा था। वहां से पुलिस ने पांच डायरी जिसमें मटके का हिसाब लिखा हुआ था। अशोक ने बताया कि मटका का संचालक पिंकू सिंह है। वहीं मटका का मुख्य सरगना है। लालपुर थाना की पुलिस ने अशोक टोप्पो और पिंकू सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।

एक हजार से अधिक लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

रांची। कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबुल ट्रस्ट जैसी सामाजिक संस्था के गुरू महाराज के सेवा के समर्पित 51 वर्ष पूरे होने पर, एवं संत कबीरदास जयंती व देव स्नान पूर्णिमा के उपलक्ष्य में पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में 90 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का वितरण किया गया। आज के भंडारे के संयोजक ओमप्रकाश सरावगी, सह संयोजक पवन पोद्दार पूरणमल सर्राफ, विष्णु सोनी के द्वारा किया गया था। इस अन्नपूर्णा भंडारे मेंश्रद्धालु, राहगीर व आसपास के लोगों को मिलाकर कुल 1400 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित लोगो में ओमप्रकाश सरावगी,विष्णु सोनी, पवन पौदार,ज्ञान प्रकाश शर्मा, धीरेन्द्र अग्रवाल व अन्य मौजूद थें।

पढ़ाई में कमजोर नहीं झारखंड के बच्चे : अनिल महतो

होटल रेडिसन ब्लू में ग्लोबल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा शिक्षा गौरव सम्मान समारोह का आयोजन

● झारखंड के बच्चे स्पोर्ट्स में किसी से भी पीछे नही

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जैक अध्यक्ष अनिल कुमार महतो ने कहा है कि झारखंड के बच्चे पढ़ने में कमजोर नहीं है। महतो रविवार को होटल रेडिसन ब्लू में ग्लोबल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा शिक्षा गौरव सम्मान समारोह 2023 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां से पास आउट बच्चों का बिट्स पिलानी में सीधे एडमिशन होता है। उन्होंने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी शुरू करने के सवाल पर कहा कि क्रिकेट थोड़ा महंगा कोर्स होता है। जैक के बच्चे शायद अफोर्ड नहीं कर पायेंगे। बावजूद इसके बच्चे अन्य स्पोर्ट्स में कहीं से भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे बच्चों में बस कम्युनिकेशन स्किल की थोड़ी प्रॉब्लम होती है। उन्होंने कहा कि पहले मैं सोचता था कि क्यों जैक बोर्ड के बच्चे 50 फीसदी और 60 फीसदी मार्क्स तक सिमट कर रह जाते हैं। सीबीएसई पेटर्न फॉलो करने की जरूरत है। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिये ग्लोबल एजुकेशन फाउंडेशन के संचालक गौरव राजपूत को धन्यवाद दिया। वहीं, डीएवी श्यामली के प्रिंसिपल समरजीत जना ने कहा कि हमें सीखना कभी भी बंद नहीं करना चाहिये। सीखने की क्षमता भविष्य की ओर ले जाती है। डीएवी बरियातू के प्रिंसिपल विनय कुमार पांडे ने सभी बच्चों की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि मुझे यहां आकर बहुत ही अच्छी अनुभूति हुई है। फिरायलाल स्कूल के प्रिन्सिपल नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि यह बेहद ही बेहतरीन पल है। जब, हम मंच पर इतने प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं।

मौके पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी के वीसी, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के प्रिंसिपल, ग्राफिक एरा व अन्य यूनिवर्सिटी के लोग भी शामिल थे। एक-एक कर हर स्कूल के 75 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जैक बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड और आईसीएसई तीनों संकाय के स्टूडेंट्स को सम्मान मिला।

स्पीड न्यूज

ट्रेन हादसे के मृतकों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

अनगड़ा । सांसद संजय सेठ के नेतृत्व में उड़ीसा में हुए रेल हादसा में मरने वाले लोगो के प्रति भाजपा अनगड़ा मंडल के द्वारा मोमबत्ती जला कर तथा दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित किया गया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की मंगल कामना की गयी । मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक रामकुमार पहान सुरेन्द्र महतो प्रमोद सिंह नरेश साहु सिकन्दर अन्सारी नरेश साहू सुनील महतो दुर्गा महतो राजेन्द्र महतो अजय भोक्ता विजय महतो सहित दर्जनो भाजपा कार्यकता शामिल थे।

स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर आरोग्य भारती की बैठक

कांके। स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर आरोग्य भारती रांची ग्रामीण जिला की बैठक जिलाध्यक्ष अनिल महतो टाइगर की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण प्रभाकर उपस्थित हुए बैठक में गांव गांव में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया बैठक को संबोधित करते हुए प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य संरक्षण की भावना अंतर्निहित है। बैठक में प्रांत उपाध्यक्ष सह आई एम ए रांची के पूर्व अध्यक्ष डॉ शंभू प्रसाद सिंह प्रांत मधुमेय प्रबंधन एवं योग प्रमुख स्वामी मुक्तरथ, योग शिक्षिका राफिया नाज प्रभात भूषण महतो दीपक महतो आदि उपस्थित थे।

बेड़ो में जंगली हाथी ने पॉली हाउस को रौंदा

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हुलसी गांव में शनिवार की रात लगभग साढ़े बारह बजे एक विशालकाय जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान जंगली हाथी ने इसी गांव के किसान फगुवा उरांव पिता स्व चुमनु उरांव के खेत में लगे पॉली हाउस को रौंदकर बर्बाद कर दिया। जिससे किसान को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। इधर घटना की सूचना पाने के बाद समाजसेवी संजय उरांव ने गांव पहुंच कर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। किसान फगुवा उरांव ने प्रखंड प्रशासन व वन विभाग से मुआवजे की मांग की है।

पत्रकार के पिता का निधन, शोक की लहर

बेड़ो। बेड़ो में पत्रकार केदार महतो के पिता 89 वर्षीय नागेश्वर महतो उर्फ चरका महतो की लंबी बीमारी के बाद शनिवार रात अपने पैतृक निवास पाकलमेढ़ी में लगभग ग्यारह बजे निधन हो गया। इनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। दिवंगत अपने पीछे दो पुत्र केदार महतो व देवेन्द्र महतो सहित पूरा भरा पूरा परिवार पीछे छोड़ गए। इनका अंतिम संस्कार रविवार को पाकलमेढ़ी स्थित मुक्तिधाम में किया गया। जहां उनके छोटे बेटे ने मुखाग्नी दी। इनके अंतिम संस्कार में पूर्व निदेशक प्रमुख डॉ प्रवीण चंद्र, हिंदू जागरण मंच के प्रदेश महामंत्री वाणी कुमार राय, भीखा उरांव, आजसू नेता नवदीप महतो, विश्वनाथ गोप, भाजपा मंडल महामंत्री बलराम सिंह, राजेश साहू, अशोक बैठा, जोहर पार्टी के विजय महतो, रमेश महतो सहित कई लोग शामिल हुए।

रेल हादसे में विभागीय मंत्री से इस्तीफे की मांग

रातू। झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने उड़ीसा के बालासोर में हुई रेल हादसे में विभागीय मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने यात्रियों की मौत पर दुख प्रकट किया और घायलों के प्रति सहानुभूति जतायी है। श्री सिंह ने कहा है कि सुरक्षित रेल सेवा देने के नाम पर रेल का किराया बढ़ाना गलत है।

इटकी : कार-बाइक की सीधी भिड़ंत में दो की मौत, एक घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

फन कैशल पार्क के समीप दो वाहन भिड़े, 6 घायल

रातू। थाना क्षेत्र के फन कैशल पार्क स्थित एतवार बाजार मोड़ के समीप रविवार को तीन बजे पिकअप वैन और कार के बीच सीधी टक्कर में दो महिला और एक बच्ची समेत नौ लोग घायल हो गये। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बालूमाथ से तेज रफ़्तार में आ रहे पिकअप विपरीत दिशा से आ रही कार से टकरा गयी। इससे अंदर बैठे लोग न केवल जख्मी हुए बल्कि वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गये। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। इसमें विजय प्रजापति की हालत नाजुक बतायी जा रही है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया। घायलों में कार चालक रोहित साहू, उनकी पत्नी दीपिका व दो बच्चे तथा पिकअप में बैठे महेंद्र पासवान शामिल हैं। पुलिस दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाने ले आयी है।

इटकी। रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर इटकी थाना क्षेत्र के चचगुरा महरा पतरा के निकट शनिवार की देर शाम हुई कार और बाइक की सीधी टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। ग्रामीणों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पाताल भेजा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है। गंभीर रूप से घायल रोपना मुंडा अस्पताल ले जाने के क्रम में दम तोड़ दिया। जबकि प्रमीला उरांव की मौत रविवार को इलाज के दौरान हो गई। वहीं घायल परणी उरांव अस्पताल में इलाजरत है। घटना के संबंध में बताया गया है कि एक बाइक पर सवार होकर एक युवक और दो युवती बेड़ो में आयोजित पड़हा जतरा मेला देख कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चचगुरा महरा पतरा के समीप रांची से बेड़ो की ओर जा रही एक कार से बाइक की सीधी टक्कर हो गई, जिससे बाइक सवार तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये थे। घटना के बाद चालक कार को छोड़ कर भाग निकला। मृतकों में रोपना मुंडा गुमला के दरसीला व प्रमीला करौंदा गांव के निवासी है, जबकि इलाजरत घायल परणी उरांव लापुंग की रहने वाली बताई गई है।

जानें परिजनों की जुबानी

मधु उरांव पेशे से ओझा गुनी था। इसे लेकर कई लोगों से उसकी दुश्मनी थी। शनिवार की शाम चितरकोटा के किसी अंधविश्वास पीड़ित ने उसे घर बुलाया। वह उसकी इलाज कर रात में ब्राम्बे जाने के लिये स्प्लेंडर मोटर साइकिल से निकला। जैसे ही पुल पहुंचा, घात लगाकर बैठे अज्ञात अपराधियों ने उसकी हत्या कर दी और इसे दुर्घटना का रूप दे दिया। शव के समीप उसकी बाइक पड़ी थी। उसे जब्त कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने कहा जांच के बाद पूरे मामले पर से पर्दा उठ जायेगा और सच्चाई सामने आ जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, मामला दर्ज

रातू। थाना क्षेत्र के चितरकोटा छोटकाटोली स्थित पुल के समीप बीती रात किसी वाहन की चपेट में आने से मधु उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वह लापुंग के स्व सोमरा उरांव का पुत्र था। मृतक मधु उरांवए मांडर के ब्राम्बे नीचेटोला निवासी खद्दी उरांव का बहनोई बताया जा रहा है। वह फिलहाल परिवार के साथ ससुराल में रहता था। पुलिस ने शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। मामले को लेकर उसका भतीजा रामेश्वर उरांव के बयान पर रातू थाने में मामला दर्ज किया गया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जतायी है। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

जुआ खेल रहे 15 जुआरी गिरफ्तार, चार लाख जब्त

रांची पुलिस ने जुआ के अड्डे पर मारा छापा, 10 बाइक व 16 कार भी जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। जुआ के अड्डे पर छापेमारी कर रांची पुलिस ने 15 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला जिला के इटकी क्षेत्र का है। जहां एसएसपी किशोर कौशल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। जुआ खेल रहे 15 लोगों को पकड़ा गया है। इनके पास से पुलिस ने चार लाख नकद और 10 वाहन को बरामद किया है। गिरफ्तार हुए सभी लोगों को पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद से जुआ खेलने और खेलाने वालों में हड़कंप है।

गुप्त सूचना पर हुई गिरफ्तारी

एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि इटकी इलाके में बारीडी बस्ती के इटकी मोड के समीप जंगल के अंदर जुआ अड्डा का संचालन हो रहा है। जिसके बाद पुलिस टीम गठित की गयी। पुलिस की टीम ने शनिवार की देर रात कार्रवाई करते हुए जुआ अड्डा पर छापा मारा। पुलिस को देखते ही जुआ खेल रहे लोग भागने लगे। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि कई लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस उनकी भी खोजबीन कर रही है। जुआ को लेकर पुलिस सख्त है।

मिस आइकॉन ऑफ इंडिया सुषमा सम्मानित

ओरमांझी में प्रजापति समाज ने किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

सुषमा को सम्मानित करते समाज के लोग।

ओरमांझी। मिस आइकॉन ऑफ इंडिया व राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार नेषनल यूथ आइकान-2023 विजेता सुषमा कुमारी को प्रजापति समाज द्वारा सम्मानित किया गया। रविवार को युवा शक्ति समिति कुम्हार समाज के दर्जनों लोग प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव रोला में रहने वाली मिस आइकॉन ऑफ इंडिया सुषमा कुमारी के घर पहुंचे। शॉल ओढा कर सुषमा को सम्मानित किया और मिले उपलब्धि के लिए बधाई दी गई। मौके पर गोविंद प्रजापति ने कहा सुषमा देष व राज्य के साथ कुम्हार समाज का भी गर्वान्वित की है। उसने सुषमा को भविष्य में समाज की ओर से पुरी सहयोग करने का आष्वासन भी दिया गया। वहीं सुषमा ने कहा अभी तक काफी लोगों द्वारा सम्मानित किया जा चूका है। यह सम्मान भविष्य में अन्य उपलब्धियां प्राप्त करने में उर्जा प्रदान करेगी।

मौके पर ये लोग थे मौजूद

मौके पर बालगोविंद प्रजापति के साथ विनोद प्रजापति संजय प्रजापति, महेश प्रजापति, शंकर प्रजापति, मुकेश प्रजापति, धर्मनाथ प्रजापति, सिकंदर प्रजापति, मनोज प्रजापति, राजू प्रजापति, अमन प्रजापति, उमेश प्रजापति, बलराम प्रजापति, केशव प्रजापति, दीपक प्रजापति, मनोहर प्रजापति सहित समाज के कई लोग शामिल थें। वहीं मौके पर उपस्थित सुषमा की मां उमीर्ला देवी, बहन डॉली कुमारी व भाई मनोहर प्रजापित द्वारा सम्मानित करने वालों के प्रति अभार व्यक्त किया गया।

बेड़ो : तलवार से हमला के दो आरोपी गिरफ्तार, जेल

आरोपियों को हवाले करने की मांग पर ग्रामीणों ने घेरा थाना

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के छापर स्थित अपने खेत में जुताई करने गए समाजसेवी बजरंग गोप के ऊपर जान से मारने के नियत से धारदार तलवार समेत अन्य हथियारों से हमला कर बजरंग गोप को गंभीर रूप से घायल कर दिए थे। जिसके बाद घायल बजरंग गोप के पिता गोयंदा गोप ने बेड़ो थाना में हमला करने वालों में क्रमशः फुलेश्वर महतो, भीम महतो, बनेश्वर महतो, भगत महतो, बासुदेव महतो, रामे महतो, कोले महतो, अनिल महतो व सुनील महतो के खिलाफ लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग किए। इधर घटना के बाद घटना का सत्यापन व अग्रसर कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक बेड़ो रजत मणिक बाखला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुरियो कठर टोली निवासी कांड में शामिल क्रमशः कोले महतो उर्फ कलेश्वर महतो पिता झलकु महतो व भीम महतो पिता कलेश्वर महतो को बेड़ो थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रोम समेत अन्य पुलिस के जवानों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जहां पुलिस के पूछताछ में कोले महतो और भीम महतो ने अपना अपराध स्वीकार किया। इसके बाद बेड़ो पुलिस ने अग्रतर कुरवाई करते हुए रांची जेल भेज दिया।

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

रविवार की सुबह में बेड़ो की महिला और पुरुषों ने दर्जनों की संख्या में बेड़ो थाना पहुंचकर समाजसेवी बजरंग गोप के समर्थन जोरदार प्रदर्शन किया, जहां महिलाओं ने पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों को ग्रामीणों के हवाले करने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इसके अलावा कुछ देर के लिए महिलाओं ने समाजसेवी घायल बजरंग गोप के समर्थन में सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया।

शहादत दिवस पर याद किये गये लांस नायक राजकुमार महतो

अनगड़ा। मिलन चौक हेसल में शहीद लांस नायक राजकुमार महतो का 19वां शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नेताओं, जनप्रतिनिधियों सहित शहीद के परिवारजनों ने शहीद की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। माल्यार्पण करने वालों में माता देवमंती देवी, पत्नी जयप्रभा महतो, बड़े भाई अमर नाथ महतो, दोनों पुत्र गौरव और अंकित सहित पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, आजसू नेता पारसनाथ उराव, जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, जिप सदस्य राजेन्द्र शाही मुंडा, पंस मदरा मुंडा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो, रणधीर चौधरी, मुखिया कविता देवी, उमेश बड़ाइक इत्यादि शामिल थे।

क्रॉस कंट्री दौड़

शहादत दिवस के मौके पर बालक बालिकाओं का क्रॉस कंट्री दौड़ का भी आयोजन किया गया। सुबह छह बजे से आयोजित इस दौड़ का उद्घाटन मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के पूर्व प्रत्यासी पारस नाथ उरांव ने फीता काटकर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, अजीत महतो, उमेश बड़ाईक इत्यादि उपस्थित थे ।

सहकारी संस्थानों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल हो

भारतीय लोक सहकारी महासंघ झारखंड की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। भारतीय लोक सहकार महासंघ झारखंड प्रदेश की एक महत्वपूर्ण बैठक जैनेंद्र नर्सिंग कॉलेज ओरमांझी के सभागार में हुई। प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार दास के अध्यक्षता में हुई प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में सहकारी प्रतिनिधि के स्थान पर ब्यूरोक्रेट को बैठाए जाने पर राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जताई गई। वहीं बैठक में सर्वसम्मति से पांच एजेंडा पास किया गया। जिसमें मुख्य रूप से केंद्र और राज्य के सभी योजनाओं के क्रियान्वयन एजेंसी सरकारी संस्थानों के द्वारा की जाए। राज्य के सभी सहकारी संस्थानों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल व सरकारी नीति स्पष्ट होना चाहिए। राज्य के बजट का 20 प्रतिषत हिस्सा सहकारी माध्यम से विकास के लिए सुनिश्चित किया। साथ ही लैंप्स व फैक्स का आधुनिकरण करने की भी माग की गई है। बैठक के मुख्य अतिथि भारत लोक सहकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंते जैनेंद्र तथागत ने कहा राज्य सरकार सहकारिता नीति लागू नही करना राज्य हित में नही है। देश का पहला राज्य झारखंड है जहां सहकारिता प्रतिनिधि के जगह पर ब्यूरोक्रेट को बैठाकर भ्रष्टाचार को प्रसय दी जा रही है। वर्तमान सरकार नीति लागू करने में पूरी तरह विफल रही है। झारखंड राज्य अनुसूचित जनजाति सहकारिता विभाग निगम, झारखंड राज्य अनुसूचित जनजाति सहकारिता विकास निगम, वेज फेड, झामुको फेड, झासको लैंप, किस्को फैड जैसे महत्वपूर्ण सहकारी संस्थानों में अभी तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल नहीं हुई है। इन सभी स्थान पर ब्यूरोक्रेट को अध्यक्ष के रूप में बैठा ब्यूरोक्रेट की मदद से राज्य के मंत्री पिछले दरवाजे से मलाई मारने में लगे हैं।

एक नजर में

मंडा पूजा में दहकते अंगारों पर चले शिवभक्त

कांके। संग्रामपुर में रविवार को हर्षोल्लास के साथ मंडा पूजा मनाई गई। 140 भोक्ताओं ने फूलखुंदी में भाग लेकर भगवान के प्रति अपनी आस्था जताई। इसके बाद बंगाल से आये कलाकारों ने छऊ नृत्य प्रस्तुत कियाए जिसका आनंद लोगों ने रातभर उठाया। वहीं झूलन कार्यक्रम में दर्जनों भोक्तओं ने भाग लेकर पुष्प वर्षा की। इसके बाद रात 8 बजे से रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। इसमें स्थानीय कलाकार पवन, इग्नेश कुमार, नितेश कच्छप, चिंता देवी, अंजली, पूनम आदि ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक मुटरु लोहरा, अध्यक्ष दिनु उरांव, उपाध्यक्ष कमलेश साहू, सचिव जोहन मुंडा, कोषाध्यक्ष बिनोद मुंडा, संरक्षक मुन्ना उरांव, रोहित मुंडा, संदीप उरांव, प्रवेश उरांव, सुमित उरांव, संदीप कुजूर, फागु टोप्पो, अशोक मुंडा, महादेव लोहरा, सुकरा उरांव, फुलेश्वर साहू, रंजन टोप्पो, विजय कच्छप, सुधिर मुंडा सहित अन्य की सक्रिय भूमिका रही।

वाईबीएन विश्वविद्यालय में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहा युवक धराया

नामकुम। रविवार को वाईबीएन यूर्निवसीटी में फामेर्सी की परीक्षा में दुसरे स्थान पर परीक्षा दे रहे युवक को परीक्षक ने पकडा लिया। पुलिस के अनुसार परीक्षक ने जांच के दौरान पाया कि परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी का फोटो एडमिट कार्ड के फोटो से नंही मिल रहा है। जिसके बाद जांच करने पर पता चला कि परीक्षार्थी मो षहाबुद्दीन की जगह पर दुसरा युवक परीक्षा दे रहा है। जिसे पुलिस ने गिरफतार कर लिया। मामले में पुलिस ने वाईबीएन यूर्निवसीटी के केन्द्राधीक्षक चन्द्रजीत कुमार के ब्यान पर मामला दर्ज कर लिया है। पकड़े गए युवक का नाम शिवपूजन सहाय है उसे सोमवार को जेल भेजा जाएगा।

बेड़ो लैंपस में धान बीज का वितरण शुरू

बेड़ो। बेड़ो गुमला रोड स्थित लैम्पस में शनिवार को 50 प्रतिशत सब्सिडाइज्ड धान के बीज का वितरण शुरूआत किया गया। अनुदान वाले धान के बीज वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद समीर उरांव व पूर्व विधायक सह भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजुर जिप सदस्य पार्वती कुमारी ने विधिवत नारियल फोड़ कर व फीता काट कर किया। मौके पर समीर उरांव ने कहा कि देश एवं राज्य के विकास में किसानों की अहम भूमिका होती है। इसलिए किसानों के बीच आइआर-64 व डीआरआरएच. 2 व 3 बीज का वितरण पचास प्रतिशत अनुदान पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को खरीफ मौसम से पूर्व ही हाइब्रिड धान बीज मिलने से खेती करने में फायदा मिलेगा। वही गंगोत्री कुजुर ने किसानों से आह्वान किया की वे कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं।मौके पर जगरनाथ भगत मुखिया जतरु उरांव पंसस राखी भगत विजय उरांव बलराम सिंहएराजेश कुमार शंकर बड़ाईक सहित कई लोग मौजूद थे।

सोनाहातू में मनायी गयी कबीर जयंती

सोनाहातू। सुखद सत्संग कार्यक्रम समिति बाजारटांड़ सोनाहातू के तत्वावधान में बारुहातू पंचायत सचिवालय में कबीर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ललित प्रसाद महतो तथा संचालन भैरवनाथ महतो के किया। लोगों ने कबीर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किये। मौके पर पंचायत के उपमुखिया वीणापाणी देवी, संतोष जायसवाल, मधुसूदन दास, खगेश्वर महतो आदि मौजूद थे।

इरबा को हरा एलबीएस ओरमांझी चैंपियन

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। एसएस हाई स्कूल स्टेडियम की दुधिया रोशनी में शनिवार रात लाल बहादुर शास्त्री क्लब ओरमांझी द्वारा आयोतिज रात्रि क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच इरबा और एलबीएस ओरमांझी के बीच खेला गया। स्टेडियम के दर्शक दीर्घा में चारों ओर दोनो टीम के समर्थक के साथ आसपास क्षेत्र के हजारों खेल प्रेमियों की भीड़ उमड़ी थी। टॉस जीत कर पहले बल्लबाजी करते हुए इरबा एकादस की टीम एलबीएस ओरमांझी की टीम के खिलाड़ी राहुल कुमार की शानदार गेंदबाजी (दो ओवर में मात्र एक रन देकर तीन विकेट) के सामने निर्धारित ओवर में सात विकेट के नुकासन पर मात्र 28 रन ही बना सकी। वहीं एलबीएस की टीम मात्र 21 गेंद में चार विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। एलबीएस ओरमांझी के चैंपियन बनते ही स्टेडियम के चारों ओर आतिशबाजी होने लगी। वहीं टीम के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को बधाई दे कर हर्ष जता रहे थे। विशिष्ट अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत व जिला अध्यक्ष सह कांके जिप सदस्य संजय कुमार द्वारा विजेता व उपविजेता टीम को 31 व 21 हजार के चेक के साथ टॉफी प्रदान किया।

गणेश स्पोर्टिंग क्लब, राय ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पिपरवार। बचरा 4 नंबर मैदान मे गणेश स्पोरटिंग क्लब राय के द्वारा आयोजित एथलेटिक्स एवं फुटबॉल समर कैम्प का समापन समारोह सह पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम रखा गया। इस समर कैम्प के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पिपरवार सीआईएसएफ के एसिससेंट कामनडेड संजय कुमार मीना एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे पिपरवार सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर अताहर इमाम उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा समर कैम्प मे शामिल होने वाले खिलाड़ियो को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समर कैम्प का कार्यक्रम 28 मई से 4 जून तक प्रतिदिन सुबह 5 बजे से 7 बजे तक प्रतिदिन बचरा 4 नम्बर मैदान मे प्रशिक्षण दिया गया। गणेश स्पोरटिंग क्लब राय के संस्थापक सह सचिव गणेश कुमार महतो ने बताया है कि इस समर कैम्प मे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रायल चयन प्रतियोगिता मे शामिल होने का अवसर मिलेगा। मौके पर राय पंचायत के मुखिया श्रीमति शिला देवी, झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा के प्रधानाध्यापक महोदय अभिषेक मौजूद थे।

देव स्नान के बाद अज्ञातवास में गये भगवान जगन्नाथ

ऐतिहासिक राजकिले में हुआ अनुष्ठान, 20 जून को होगी रथयात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। ऐतिहासिक राजकिले की जगन्नाथ मंदिर में ज्येष्ठ पूर्णिमा पर देवस्नान अनुष्ठान संपन्न हो गया। इसके साथ ही भगवान जगन्नाथ एकांतवास में चले गये। जगन्नाथ स्वामी, भाई बलराम व बहन सुभद्रा समेत अन्य विग्रहों को सुगंधित जल और चंदन से नहलाया गया। राजपुरोहित भोला शंकर मिश्र की अगुआई में पुजारी करुणा नाथ मिश्र आदि पुजारियों ने पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत मंदिर का पट्ट 15 दिनों के लिये बंद कर दिया गया। मंदिर का कपाट 19 जून को नेत्रदान पूजा के बाद श्रद्धालुओं के लिये खोल दिया जायेगा। अगले दिन 4 बजे रथयात्रा होगी। 28 की शाम गंजभोग होगा। वहीं 29 को जगन्नाथ स्वामी भाई-बहन संग मुख्य मंदिर लौट आयेंगे। इधर रथ को सजाने-सवांरने का काम शुरू हो गया है। मौके पर किला प्रबंधक दामोदर मिश्र, भोला देवघरिया, अर्जुन बीसी, अभिरित देव सिंह, शिल्पकार अशोक सूत्रधार, संतोष सुत्रधर, बैजनाथ प्रसाद व देवा आदि मौजूद थे।

दस को होगी बैठक

किले में चहल-पहल शुरू हो गयी है। परंपरागत रथ मेले को लेकर दुकानदार जगह चिन्हित करने में जुट गये हैं। विद्युत चालित झूले इस बार भी आकर्षण के केंद्र होंगे। क्षेत्र के लोग बेहद उत्साहित हैं। विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस अभी से ही मुस्तैद दिख रही है। 10 जून की शाम किला सभागार में बैठक होगी। इसमें रथयात्रा और मेले के सफल आयोजन पर चर्चा की जायेगी।

खबर मन्त्र

रांची. सोमवार. 05 जून 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

हादसे का कारण

ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम को 3 ट्रेनों के टकराने से हुए भीषण हादसे को सबसे भीषण रेल हादसों में से एक माना जा रहा है। इस हादसे की जांच में कई ऐसी जानकारियां सामने आ रही हैं जो चौंकाने वाली हैं। रेल ट्रैफिक चार्ट भी सामने आ गया है। ओडिशा रेल हादसे के बाद रेल मंत्रालय ने इसकी जांच शुरू करा दी है। इस ट्रेन दुर्घटना की मैकेनिकल, ह्यूमन और अन्य सभी एंगल से जांच की जा रही है। तीनों ट्रेनों के पोजिशन और उनके वहां होने के समय से लेकर कई पहलुओं पर विस्तार से पड़ताल की जा रही है। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, तीन ट्रेन की टक्कर हुई थी. हादसे की संयुक्त जांच रिपोर्ट में रेलवे ट्रैफिक अधिकारियों ने यार्ड लेआउट या डायाग्राम से ये समझाने की कोशिश की है कि शुक्रवार की शाम तीन ट्रेनों की स्थिति क्या थी और उनके बीच टक्कर कैसे और क्यों हुई थी? रेल मंत्री ने इलेक्ट्रानिक्स इंटरलॉकिंग में गड़बड़ी को प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण बताया है। इस हादसे को लेकर सिग्नल सिस्टम फेल होने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अफसर अभी हादसे की पुख्ता वजह को तलाशने में जुटे हैं। रेलवे की 98 हादसे मानवीय भूल के कारण होती है। साथ ही तकनीकी कारण को भी नकारा नहीं जा सकता है। रेल की पटरियों के रख रखाव में कर्मचारियों की कमी की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। चूंकि यह हादसा एक छोटे स्टेशन पर हुआ है इस कारण यह मामला और अधिक गंभीर हो जाता है। रेलवे स्टेशन से सामान्य तौर ट्रेन कम गति से गुजरती है। जांच आवश्यक है साथ ही रेलवे सुरक्षा और रेलवे ट्रेक के तकनीकी विभाग में कर्मचारियों की कमी पर भी विमर्श आवश्यक है। रेल की सुरक्षा का हर नियम बहुत कारगर है। आवश्यक है कि रेल की सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए मानव संसाधन की कमी न हो इसका ख्याल रखा जाए।

भारत-नेपाल संबंध

पिछले साल के अंत में जब नेपाल की राजनीति में हुए नाटकीय घटनाक्रम के बाद कम्युनिस्ट नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो कयास लगाये जा रहे थे कि अब नेपाल पूरी तरह चीन के प्रभाव में जा सकता है। इसकी वजह लंबे समय से भारत के खिलाफ नेपाल से चलाया जा रहा अभियान भी था। अब जब प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत को चुना तो कई आशंकाओं पर विराम लगा। फिर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जिस गर्मजोशी से उनकी मुलाकात हुई और महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया गया, उससे दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आते दिखे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मुलाकात में सीमा विवाद और अग्निवीर जैसे विवादास्पद विषयों से परहेज किया गया। दोनों देशों के रिश्ते इस यात्रा से हिट-सुपरहिट हो गये, लेकिन रिश्तों पर जमी अविश्वास की बर्फ किसी हद तक पिघली जरूर है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच ऊर्जा, व्यापार व परिवहन को लेकर हुए समझौते नई उम्मीद जगाते हैं। निस्संदेह, भारत व नेपाल के बीच सदियों से सामाजिक, आर्थिक व समृद्ध सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। कहा जा सकता है कि दोनों देशों में रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। प्रचंड की हालिया भारत यात्रा के दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौतों ने उन्हीं संबंधों को नये सिरे से ऊर्जा प्रदान की है। जो निश्चित रूप से द्विपक्षीय रिश्तों को नये आयाम देगी। निश्चय ही कुछ समय से रिश्तों में चली आ रही तल्खी पर अब विराम लग सकेगा। नेपाल के साथ भारत की लंबी सीमा लगती है और देश के पांच राज्य उससे प्रभावित होते हैं।

बहरहाल, दक्षिण एशिया में शांति के दृष्टिगत दोनों देशों के मधुर संबंध वक्त की जरूरत भी हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में आई खटास को दूर करना भी बेहद जरूरी था।

ओंकार सतनाम

धर्म-प्रवाह

साध्वी मनीषा

सच्चे गुरु नानक देव जी कहते हैं कि हकिम रजाई चलणा नानक लिखिआ नाल। जो लिखा है वह होगा। जो उसने लिख रखा है वही होगा। अपनी तरफ से कुछ भी करने का उपाय नहीं है। कोई परिवर्तन नहीं हो सकता। फिर चिंता किसको? फिर बोझ किसको? जब तुम बदलना ही नहीं चाहते कुछ, जब तुम उससे राजी हो, उसकी मर्जी में राजी हो, जब तुम्हारी अपनी कोई मजबूरी नहीं, तब कैसी बेचैनी और कैसा विचार।

तब सब हलका हो जाता है। पंख लग जाते हैं। तुम उड़ सकते हो उस आकाश में जिस आकाश का नाम है इक ओंकार सतनाम। इसे एक घटना से इस प्रकार समझें। ऐसा हुआ कि बल्ख का एक नवाब था इब्राहिम। उसने बाजार में से एक गुलाम खरीदा। गुलाम बड़ा स्वस्थ, तेजस्वी था। इब्राहिम उसे घर लाया। इब्राहिम उसके प्रेम में पड़ गया। आदमी बड़ा प्रभावशाली था। इब्राहिम ने पूछा कि तू कैसे रहना पसंद करेगा?

तो उस गुलाम ने मुस्कुरा कर कहा, मालिक की जो मर्जी। मेरी कैसी मर्जी, वो जैसा रखेंगे वैसा रहूंगा। इब्राहिम ने पूछा : तू क्या पहनना, क्या खाना पसंद करता है? उसने कहा, मेरी क्या पसंद? मालिक जैसा पहनाए, पहनूंगा। मालिक जो खिलाए, खाऊंगा। इब्राहिम ने पूछा कि तेरा नाम क्या है? हम क्या नाम लेकर तुझे पुकारें? उसने कहा, मालिक की जो मर्जी। मेरा क्या नाम? दास का कोई नाम होता है? वो जो नाम दे वही अच्छा। आखिर यही ओंकार सतनाम आत्मा का भी साथ देता है।

कार्टून वर्ल्ड

गर्म होती पृथ्वी...

लेटर टू एडिटर

प्रकृति से लड़ाई

केदारनाथ तक रेल पहुंचाने की योजना को एक विदेशी कंपनी ने सही नहीं माना है।मगर आरवीएनएल ने देखा कि सैकोट तक तो रेल लाइन आ सकती है मगर उससे आगे मक्कूमठ से सोनप्रयाग तक रेल मार्ग तैयार करना असंभव होगा। विभिन्न भूगर्भीय चुनौतियों और निर्माण से जुड़ी कठिनाइयों के कारण रेल लाइन बिछाना चुनौतीपूर्ण होता।

– रविकांत सिंह, रांची

एमएसपी जरूरी

साल 1964 में पहली बार तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नेतृत्व में खाद्य-अनाज मूल्य समिति का गठन हुआ। 1964 में ही दिसंबर माह में इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। इसके बाद 1966-67 में पहली बार गेहूं और धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया। किसानों के हित में न्यूनतम मूल्य जारी रहना चाहिए यह जरूरी है।

– सुनील झा, हजारीबाग

पर्यावरण पर सिर्फ खानापूर्ति, गंभीरता की कमी

बचपन में रामधारी सिंह दिनकर की एक कविता पढ़ी थी--लोहे के। पेड़ हरे होंगे----लेकिन लगता नहीं कि अब कभी लोहे के पेड़ हरे होंगे और कंक्रीट के जंगल से कभी सुगंध फैलेगा। क्योंकि मानवीय गतिविधियों और क्रियाकलापों से हमारे पर्यावरण को पहुंचे नुकसान के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के लिए खतरा बन चुका है।

अगर इसे अपने ही हाल में छोड़ दिया गया तो आने वाले समय में तापमान इस कदर बढ़ जाएगा कि मानव जीवन पर संकट आ सकता है। भयावह सूखा पड़ सकता है। समुद्री जलस्तर बढ़ सकता है और इन सब प्राकृतिक आपदाओं के फलस्वरूप कई प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। हमारे आंगन से गौरैया गायब हो चुके हैं, गंगा तट पर मरे हुए डाल्फिंस दिखाई देते हैं और बल झील के ऊपर मरी हुई मछलियां उपलती हुई नजर आती हैं। पिघलते बर्फ के कारण जहां ध्रुवीय भालू का संकट खतरे में है वहीं आस्ट्रेलियाई समुद्र तट पर स्थित ग्रेट बैरियर रीफ का आकार छोटा होता जा रहा है।

जैसा कि हम जानते हैं जलवायु परिवर्तन एक लंबे समय में या कुछ सालों में किसी स्थान का औसत मौसम है और जलवायु परिवर्तन उन्हीं औसत परिस्थितियों में बदलाव है।

जितनी तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है उसके लिए मानव क्रियाएं सबसे ज्यादा दोषी हैं। घरेलू कामों, कारखानों और परिवहन के लिए मानव तेल,गैस और कोयले का इस्तेमाल करते हैं जिसकी वजह से जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

जीवाश्म ईंधन के जलने से ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। सबसे अधिक मात्रा कार्बन डाइऑक्साइड की होती है। ग्रीनहाउस गैसों की सघन मौजूदगी के कारण सूरज की गरमी धरती से बाहर नहीं जा पाता है , जिससे धरती का तापमान बढ़ता जाता है।

आज 19 वीं सदी की तुलना में तापमान 1.2 सेल्सियस अधिक बढ़ चुका है और सीओ 2 की मात्रा में 50% तक वृद्धि हुई है।

-सत्यनारायण गुप्ता

आज 19 वीं सदी की तुलना में तापमान 1.2 सेल्सियस अधिक बढ़ चुका है और सीओ 2 की मात्रा में 50प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। पर्यावरणविदों के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से बचने के लिए हमें पृथ्वी के क तापमान वृद्धि के कारकों को नियंत्रित के संबंध में ठोस कदम उठाने होंगे। वर्ष 2100 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान को नियंत्रित रखने की जरूरत है।

पर्यावरणविदों के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से बचने के लिए हमें पृथ्वी के क तापमान वृद्धि के कारकों को नियंत्रित के संबंध में ठोस कदम उठाने होंगे। वर्ष 2100 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान को नियंत्रित रखने की जरूरत है। यदि तमाम देशों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है।यह आगे चलकर 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। फलस्वरूप पृथ्वी को भयानक हीट वेव का सामना करना पड़ेगा । समुद्र के जलस्तर पर वृद्धि होने से लाखों लोग बेघर हो जाएंगे। पौधों और जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी।

जलवायु परिवर्तन के कारण ही तूफानों की संख्या में वृद्धि,बार बार आने वाले भूकंप, नदियों में बाढ़ का विकराल रूप देखने को मिल रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग इसी गति से बढती रही तो पृथ्वी का बड़ा भूभाग जनविहीन हो जाएगा , कृषि भूमि रेगिस्तान में बदल जाएंगे। इसके उलट वैसे क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है जहां पहले सूखा पड़ता था। जाहिर है गरीब देशों पर इसका कुप्रभाव अधिक व्यापक होगा।

खेती और फसल को व्यापक नुकसान, पेयजल संकट, जंगलों में आग, ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ का पिघलना विशेष जलवायु के अभ्यस्त जीवों के विलुप्त होने का खतरा बढ़ सकता है। यदि कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो इस सदी के अंत तक 550 प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।

2015 में पेरिस समझौते द्वारा दुनिया के तमाम देशों ने कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने तथा ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।1992 में रियो सम्मेलन से लेकर 2022 में शर्म अल शेख में आयोजित कॉप - 27 सम्मेलन तक एक साथ बैठकर दुनिया भर के राजनेता पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के उपायों पर चर्चा कर चुके हैं।

1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में नामित किया ।1973 में केवल एक पृथ्वी के नारे के तहत पहला पर्यावरण दिवस उत्सव मनाया गया। 2023 के पर्यावरण दिवस का थीम है -- ₹बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन ₹ दुनिया भर में हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से आधा मात्र एक बार उपयोग होता है। इनमें से 10 फीसदी से भी कम को रिसाइकिल किया जाता है । प्रत्येक वर्ष 1930 मिलियन टन प्लास्टिक झीलों नदियों और समुद्रों में समा जाते हैं । 5 मिलीमीटर व्यास वाले प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक्स) भोजन' पानी और हवा में घुल जाते हैं अनुमानतः प्रति वर्ष प्रत्येक व्यक्ति 50,000 से अधिक प्लास्टिक कणों को सांस के रूप ग्रहण करता है।

फेंके गए या जलाए गए एकल उपयोग वाले प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता को नुकसान पहुंचाते हैं और पहाड़ की चोटियों से लेकर समुद्र तट तक पूरी तरह से परिस्थिति तंत्र को प्रदूषित करते हैं।

समय आ गया है कि मनुष्य पृथ्वी के पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हो, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब यह हमारे रहने लायक नहीं रह जाएगी और हमें अपने जीवन को बचाए रखने के लिए ब्रह्मांड के किसी अन्य ग्रह में शरण लेना होगा। लेकिन दुर्भाग्यवश अब तक वैसे किसी ग्रह की खोज नहीं हुई है जहां जीवन संभव हो।

खास बात

योग का नियम

स्वामी मुक्तरथ

योग के नियम - अगर आप यह कुछ सरल नियमों का पालन करेंगे, तो अवश्य योग अभ्यास का पूरा लाभ पाएँगेः

किसी गुरु के निर्देशन में योग अभ्यास शुरू करें।

सूर्योदय या सूर्यास्त के वक़्त योग का सही समय है।

योग करने से पहले स्नान जरूर करें।

योग खाली पेट करें। योग करने से 2 घंटे पहले कुछ ना खायें।

आरामदायक सूती कपड़े पहनें।

तन की तरह मन भी स्वच्छ होना चाहिए - योग करने से पहले सब बुरे खयाल दिमाग से निकाल दें।

किसी शांत वातावरण और सॉफ जगह में योग अभ्यास करें।

अपना पूरा ध्यान अपने योग अभ्यास पर ही केंद्रित रखें।

योग अभ्यास धैर्य और दृढ़ता से करें।

अपने शरीर के साथ जबरदस्ती बिल्कुल ना करें।

धीरज रखें। योग के लाभ महसूस होने मे वक़्त लगता है।

निरंतर योग अभ्यास जारी रखें।योग करने के 30 मिनिट बाद तक कुछ ना खायें। 1 घंटे तक न नहायें। प्राणायाम हमेशा आसन अभ्यास करने के बाद करें।

अगर तकलीफ बढ़ने लगे या कोई नई तकलीफ हो जाए तो तुरंत योग अभ्यास रोक दें।

योगाभ्यास के अंत में हमेशा शवासन करें।

राज योगःराज का अर्थ शाही है और योग की इस शाखा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण अंग है ध्यान। इस योग के आठ अंग है, जिस कारण से पतंजलि ने इसका नाम रखा था अष्टांग योग। इसे योग सूत्र में पतंजलि ने उल्लिखित किया है। यह 8 अंग इस प्रकार हैः यम (शपथ लेना), नियम (आचरण का नियम या आत्म-अनुशासन), आसन, प्राणायाम (श्वास नियंत्रण), प्रत्याहार (इंद्रियों का नियंत्रण), धारण (एकाग्रता), ध्यान (मेडिटेशन), और समाधि (परमानंद या अंतिम मुक्ति)। राज योग आत्मविवेक और ध्यान करने के लिए तैयार व्यक्तियों को आकर्षित करता है।

उड़ीसा रेल हादसे से पूरा देश दुखी है

इस विपदा के समय भारी संख्या में बालासोर के निवासी रक्तदान करने हस्पताल पहुँच रहे हैं

कोई सरकारी आदेश नहीं है - ये लोग इंसानियत का धर्म निभा रहे हैं

इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है

– निशा उंराव आईआरएस

रोचक ट्वीट

भारतीय जनता पार्टी 'क्लब' पार्टी नहीं है, 'परिवारवादी' पार्टी नहीं है, 'जातिवादी' पार्टी नहीं है, किसी एक 'व्यक्ति' द्वारा संचालित पार्टी नहीं है...भाजपा आम जनमानस और कार्यकताओं की पार्टी है...

– आदित्यनाथ योगी

झारखण्ड सरकार के अधिकारियों और डॉक्टर की एक टीम हेलीकॉप्टर से ओडिशा के लिए रवाना । झारखण्ड के यात्रियों से मुलाकात कर टीम द्वारा उन्हें हरसंभव मदद प्रदान किया जाएगा।

– हेमंत सोरेन

एक करोड़ पौधरोपण कर लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2023) पर विशेष

■ प्रदूषण से आजादी का जंग जीतने के लिए एक करोड़ पौधरोपण कर लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य: पर्यावरण धर्मगुरु कौशल किशोर जायसवाल

पलामू के डाली गांव के रहने वाले कौशल किशोर जायसवाल पिछले 56 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण अभियान चला रहे है। इस अभियान के तहत पर्यावरणविद शिविर आयोजित कर निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण करते आ रहे है। इतना ही नहीं इस अभियान के तहत वनों की रक्षा के लिए वन वृक्षों पर राखी भी बांधने की परंपरा चलती आ रही है। जिसे वन राखी मूवमेंट का नाम दिया गया है।कौशल किशोर बताते है इस अभियान के तहत अब तक 50 लाख से अधिक पौधों का निशुल्क वितरण के साथ पौधा रोपण भी किया जा चुका है। इसके अलावे 15 लाख से अधिक वन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण धर्म पर गोष्टी आयोजित कर लोगों को जागरूक भी किया जाता है। पर्यावरणविद कौशल नेपाल, भूटान सहित देश के 22 राज्यों के लोगों को पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ लोगों को दिलाई गई है। साथ ही पर्यावरण धर्म की पाठ भी पढ़ाया गया है। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल अपने निजी खर्चों पर विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण अपने पैतृक गांव

सामयिक

डाली बाजार के कौशल नगर स्थित जैविक पार्क में करा रहे हैं। श्री कौशल किशोर डाली गांव में करोड़ों की लागत से जैविक उद्यान व पार्क विकसित किए हैं। जिसमें 22 देशों के 200 से अधिक विभिन्न प्रजाति के पौधे लगे हैं। इस अभियान के तहत पर्यावरण व प्रकृति को बचाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ काम चल रहे है। 70 वर्षीय कौशल आज भी पूरे उत्साह के साथ इस कार्य में तन्मयता से लगे हुए है । श्री कौशल कहते है कि वे अपना पूरा जीवन पर्यावरण व जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ साथ वैवाहिक समारोह में भी शामिल लोगों को उपहार स्वरूप उन्हें पौधा देकर जागरूक किया जाता है । इतना ही नहीं श्री कौशल जन्मोत्सव और श्राद्ध कर्म में भी पौधा लगाकर लोगों को प्रेरित करते हैं। कौशल को अब तक इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के एवज में देश व विदेश में 54 अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें इसी वर्ष प्राइड ऑफ झारखंड का अवार्ड केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा एवं झारखंड का गौरव नामक अवार्ड केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के हाथों मिला है। इसके अलावे पलामू प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, पलामू उपायुक्त अंजलायुलु दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा एवं राजभवन में राज्यपाल के द्वारा सम्मान मिला है। पर्यावरण धर्मगुरु अपने जीवन में प्रदूषण से आजादी का जंग जीतने के लिए 10 देशों में पर्यावरण धर्म और वन राखी मूवमेंट का प्रचार जारी रखते हुए एक करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य रखा है।

केदारनाथ धाम तक रेल पहुंचाने की डगर आसान नहीं

रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) केदारनाथ धाम तक बड़ी रेल लाइन बिछाने के पक्ष में नहीं है। आरवीएनएल 73,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली 'चार धाम रेल परियोजना' की क्रियान्वयन एजेंसी है। आठ साल तक इस क्षेत्र का सर्वेक्षण और अध्ययन करने के बाद आरवीएनएल ने एक आंतरिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि केदारनाथ तक रेल पटरी बिछाने में कुछ तकनीकी कठिनाइयां हैं और खर्च भी बहुत आएगा। इससे कोई सामरिक मकसद भी पूरा नहीं हो पाएगा।' इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और भारतीय सेना की सामरिक जरूरतों को देखते हुए यह बड़ी रेल लाइन चार धाम रेल परियोजना के लिए काफी महत्त्वपूर्ण है।

अप्रैल में सौंपी गई इस आंतरिक रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह रेल पटरी सुदूर क्षेत्र में बिछाई जाएगी, जहां आबादी काफी कम है। इससे स्थानीय लोगों को भी लाभ नहीं होगा। इन बातों को ध्यान में रखते हुए केदारनाथ धाम के लिए यह रेल लाइन फायदेमंद नहीं दिख रही है और इससे मकसद भी पूरा नहीं हो पाएगा।'

चार धाम रेल परियोजना दुनिया की सबसे महत्त्वाकांक्षी एवं चुनौतीपूर्ण रेलवे परियोजना है। यह परियोजना शुरू करने का विचार 2014 में आया था। परियोजना के तहत 300 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने की योजना है। यह

विकास

लाइन सुरंगों, पुलों और पहाड़ी क्षेत्रों में तीव्र ढाल से होते हुए यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ को जोड़ेगी। ये सभी स्थान उत्तराखंड में हैं।यमुनोत्री और गंगोत्री को देहरादून के निकट डोईवाला से जोड? की योजना थी। इसी तरह ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का विस्तार कर इसे भारतीय सेना के लिए सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण केदारनाथ और बदरीनाथ से जोड? की योजना थी।

वर्ष 2014 में आरवीएनएल ने एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें चारों स्थानों को जोड? के लिए 30 मार्गों का अध्ययन किया था। इसके बाद ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन को चमोली जिले में सैकोट से जोड? की योजना पर अमल होता। सैकोट से दो रेल लाइन निकलतीं, जिनमें से एक केदारनाथ और दूसरी बदरीनाथ तक पहुंचती।

केदारनाथ मार्ग पर सोनप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने की योजना था। यह स्टेशन समुद्र तल से 1,654 मीटर ऊंचाई पर बनना था। सोनप्रयाग से केदारनाथ महज 13 किलोमीटर है मगर 3,553 मीटर ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ तक पहुंचने के लिए चढ़ाई काफी दुर्गम है।

अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी तुर्की की एक कंपनी को 2018 में सौंपी गई थी। कंपनी ने इस पूरे क्षेत्र का विस्तृत अध्ययन करने के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट हाल में सौंप दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैकोट के बाद एक लाइन केदारनाथ की तरफ मुड़ जाएगी और सोनप्रयाग तक जाकर रुक जाएगी। सोनप्रयाग रेलवे स्टेशन से केदारनाथ जाने के लिए 18 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करनी होती। आरवीएनएल ने अपनी आंतरिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि केदारनाथ रेल लाइन से कोई रणनीतिक लाभ नहीं मिलता और 214 किलोमीटर लंबाई के कारण ऋषिकेश से सोनप्रयाग तक यह रेल लाइन सड़क मार्ग से भी लंबी होगी। कंपनी ने कहा कि दोनों स्थानों के बीच हवाई सेवा (45 किलोमीटर) शुरू करना वित्तीय लिहाज से भी अधिक फायदेमंद रहेगा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*

फोन : 94313-55233

पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

आठवीं में बालिका उच्च विद्यालय कुजू की छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

कुजू। आठवीं बोर्ड की परीक्षा में कुजू बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओ ने शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की छात्रा नरगिस परवीन, प्रभा कुमारी, सबा परवीन ने ए-प्लस श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनी तीनों छात्राएं। छात्राओं ने आठवीं बोर्ड परीक्षा में ए-प्लस श्रेणी से पास कर अपने गांव, माता-पिता, शिक्षकगण व विद्यालय प्रबंधन का नाम रौशन किया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुलदीप प्रसाद ने बताया कि इस बार आठवीं बोर्ड परीक्षा में कुल 65 छात्राओं ने परीक्षा लिखी थी। इसमें 64 छात्राएं परीक्षा में सफल रही है। साथ ही उन्होंने सभी उत्तीर्ण छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इधर बालिका उच्च विद्यालय के सचिव अनीष कुमार गुप्ता ने छात्राओं की सफलता पर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि सफलता यहां के शिक्षकों और छात्राओं द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों, छात्राओं एवं अभिभावकों को भी इसके लिए बधाई दी।

रजरप्पा : एसबीआइ ने लगाया शिविर

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के बड़कीपोना में भारतीय स्टेट बैंक ने लगाया शिविर। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक रणधीर मिश्रा ने किया। शिविर में स्वयं सहायता समूह, ऋण वितरण, केसीसी, लाभुक किसानों का रिनुअल से संबंधित समस्याओं का निपटारा किया गया। प्रबंधक ने कहा कि बैंक आपकी सेवा में हमेशा तत्पर है। बैंक के साथ अपना रिएक्शन बनाए रखें। सुविधा देने के लिए बैंक कटिबद्ध है। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा लागू विभिन्न योजना तथा महिला सशक्तिकरण हेतु एसएचजी ऋण एवं अन्य बचत योजनाओं के बारें में विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया. सभा की अध्यक्षता शाखा प्रबंधक जयप्रकाश नारायण के द्वारा किया गया. मौके पर संजना कुमारी कोड़िनेटर, गीता देवी एमबीके, अभिषेक कुमार कश्यप सीएसपी, संतनु राम दांगी, कृष्णा कुमार पासवान समेत दर्जनों महिला और किसान मौजूद थे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। वैन्कटेश आयरन फैक्ट्री लपंगा के सहयोग से समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुल-पत्तल बेचने आये गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के संस्थापक जगतार सिंह, अध्यक्ष डब्लू सिंह, प्रो. रामानुज सिंह, उमाशंकर जयसवाल व शिक्षक भूपेन्द्र वर्णवाल उर्फ रिंकु ने दर्जनों गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुड़ी-सब्जी, लड्डू व ठंडे शरबत का वितरण किया। मौके पर डब्लू सिंह ने बताया कि वैन्कटेश आयरन फैक्ट्री लपंगा के सहयोग से पिछले 7 सप्ताह से भोजन वितरण कार्यक्रम संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वैन्कटेश आयरन फैक्ट्री ने मंच के माध्यम से दो माह तक गरीबों को भोजन कराने का बीड़ा उठाया है जो कि काफी सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य ही गरीब-जरूरतमंदों की सेवा है। सबों के सहयोग से पिछले सात वर्षों से मंच द्वारा गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। श्री सिंह ने ऐसे नेक व सामाजिक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करने की भी अपील की। साथ ही मंच के लोगों ने वैन्कटेश आयरन फैक्ट्री के कमल केडिया एवं अंकित केडिया के इस नेक कार्य के लिए आभार भी प्रकट किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुकरा करमाली, ललन राम, रेणुका देवी, लालू उरांव, राजेश वर्णवाल, विकास श्रीवास्तव, राकेश शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा।

सेवटा में ओवरब्रिज बनाने की मांग

कुजू। सेवटा के ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमडल भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता के नेतृत्व में सेवटा स्थित रेलवे गेट नंबर 32/ बी1/ टी पर ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांग को लेकर सांसद श्री सिन्हा को पत्र सौंपा। सौपे गए पत्र में ग्रामीणों ने कहा है कि वे सेवटा के खतियानी रैयत हैं और रांची रोड रेलवे स्टेशन बनने के पूर्व करीब 20-25 गांव के ग्रामीणों के आवागमन के लिए एनएच 33 हजारीबाग से रांची रोड के संपर्क के लिए सर्वे सेटेलमेंट में प्रावधान दिया गया था। इसके बाद 1957- 58 में रैयतों की जमीन को तत्कालीन आसाम सिलिमिनाईट लिमिटेड ने अधिग्रहण किया। साथ ही ग्रामीणों के आवागमन के लिए एक वैकल्पिक सड़क बनाई। जिस सड़क पर निरंतर लोगों आवागमन हो रहा है, पर वर्तमान समय में फाटक को रेलवे विभाग बंद करने का आदेश दे रखा है। अगर फाटक को बंद कर दिया गया तो ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आवागमन अवरूध ना हो इसके लिए ओवरब्रिज का निर्माण होना बेहद आवश्यक है। मांग करने वालों में राजू चतुर्वेदी, रंजन फौजी, नारायण चंद्र भौमिक, परमेश्वर साव, नरेश प्रसाद साहू, संजय शाह, सुबोध प्रसाद, अशोक प्रसाद, लखन प्रसाद, सुनील प्रसाद, रंजीत प्रसाद समेत अन्य लोग शामिल है।

खबर मन्त्र एक्सक्लूसिव पार्ट-2 : धनंजय मामले में नया खुलासा

शिक्षक निलंबन के दौरान प्रबंधन समिति के पुर्नगठन में हुए थे शामिल

खबर मंत्र संवाददाता

हजारीबाग। उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसरातू कटकमदाग के विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सदस्यों को शपथ दिलाते शिक्षक धनंजय कुमार का एक वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो बीते माह की 18 तारीख का बताया जा रहा है। ऐसे में डीएसई कार्यालय व प्रखंड बीईईओ कार्यालय एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बता दें कि पुनर्गठन के दिन शिक्षक धनंजय कुमार निलंबित थे।

निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय बीईईओ कार्यालय बरकट्ठा था। बीते माह की 23 तारीख को स्थापना समिति की बैठक में उन्हें निलंबन मुक्त करने की अनुशंसा की गई थी। ऐसे में आरोपी शिक्षक धनंजय कुमार निलंबन अवधि में किस हैसियत और किसकी अनुमति से प्रबंधन समिति के पुनर्गठन के दौरान हुए आम सभा में हिस्सा लिया। यह जांच का विषय है। मिली जानकारी के अनुसार पुनर्गठन के दिन पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित बीआरपी व सीआरपी ने

नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सदस्यों को शपथ दिलाते वीडियो वायरल

निलंबित शिक्षक की उपस्थिति पर आपत्ति जताई थी। लेकिन शिक्षक द्वारा यह कहे जाने पर कि बीईईओ को इस बात की जानकारी है, कोई विरोध नहीं हुआ। वहीं इस संबंध में बीईईओ डोमन मोची ने पूछे जाने पर बताया कि इस बात की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कहा कि निलंबन अवधि में आम सभा के दौरान उक्त शिक्षक के उपस्थित होने का कोई औचित्य नहीं है।

सवाल यह है कि यदि बीईईओ को इसकी जानकारी नहीं है तो इस पर जांच किए जाने की जरूरत है। वहीं शिक्षा विभाग के जानकार बतातें हैं कि दरअसल निलंबन मुक्त करने की बिसात पहले ही बिछ चुकी होगी। ऑल ईज वेल दिखाने के इस खेल में नॉट वेल के संदेह की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

जहां गए बन गए गुरूघंटाल

आरोप मुक्त किए गए शिक्षक धनंजय कुमार का सब जगह एक ही हाल रहा, जहां गए गुरूघंटाल बन गए। इनका यह कोई पहला कारनामा नहीं है इससे पूर्व इचाक प्रखंड में भी इनपर आरोप लगे थे। वहीं वर्ष 2016 में जब ये उत्क्रमित मध्य विद्यालय उरीदिरी कटकमसांडी में पदस्थापित थे, तब एक आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर अपनी हरकत के लिए इन्हें लिखित माफीनामा देना पड़ा था। 24 अगस्त 2016 को इन्होंने छह गवाहों की उपस्थिति में बीईईओ कटकमसांडी को पत्र लिखकर एक महिला के साथ किए गए अमर्यादित व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उस माफीनामे में शिक्षक ने लिखा कि अब दुबारा ऐसी गलती नहीं करेंगे। हालांकि ये अलग बात है कि वह गलती उनके द्वारा दूसरी बार की गई थी। वहीं अबकी बार कटकमदाग में इनकी गलतियों की संख्या में एक और इजाफा हो गया। बहरहाल शिक्षा विभाग की मेहरबानी के बोझ तले दबे शिक्षक धनंजय कुमार को आरोपमुक्त किए जाने व पुनः उसी विद्यालय में भेजे जाने को लेकर ग्रामीणों में रोषदेखी जा रही है।

मोदी सरकार के नौ वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल : मनोज

बरही में भाजपा ने निकाली विकास तीर्थ यात्रा, सांसद जयंत सिन्हा, पूर्व विधायक व जिलाध्यक्ष हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में भाजपा द्वारा विकास तीर्थ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।जिसमे जून महीने में यह यात्रा देश के प्रत्येक जिले में चलाई जानी है।भाजपा जिला कमिटी के साथ हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा, पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने गौरियाकरमा कृषि अनुसंधान केंद्र के समीप इस यात्रा की शुरूआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक यादव व संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश सहाय ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को बुके देकर व माला पहनाकर किया गया।सांसद जयंत सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की सबसे बड़ी सफलता धारा 370 समाप्त करना है।इसके अलावा पूरे देशभर में सड़कों का जाल बिछा दिया गया जिसका फायदा हजारीबाग को भी मिला। बाईपास बनने से ट्रैफिक लोड शहर में कम हो गया। कोविड के समय 80 करोड़ लोगों को भोजन कराया गया। कहा कि हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 20 हजार करोड़ का निवेश

पतरातू में किया जा रहा है। पूरे झारखण्ड में सबसे बड़ा कारखाना बनाया जा रहा है। इसका पूरा श्रेय हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र की जनता को जाती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली, सड़क, मोबाइल फोन समेत कई तरह की सुविधा निचले और गरीब तबके के लोगों को दिया गया। 9 वर्ष तक सरकार के ऊपर किसी भी तरह का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। यह सरकार की बड़ी उपलब्धियों में एक है। पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने विगत नौ वर्षों में कृषि को लेकर शिक्षित करने की दिशा में कई पहल की है और ये विश्वविद्यालय इसका उदाहरण है। उन्होने कहा कि केंद्र सरकार ने विगत नौ वर्षों में अंत्योदय तक पहुंचकर उनका उत्थान किया। चाहे घर घर बिजली पहुंचाने की बात हो या फिर प्रधानमंत्री आवास योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, या जन धन योजना, सभी क्षेत्रों मे केंद्र सरकार ने कार्य करते हुए विकास किया है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि मोदी जी के नौ वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल रहा है। भाजपा का यह विकास तीर्थ यात्रा पूरे देश में जगह जगह आयोजित की जा रही है। बताया कि 10 जून को हजारीबाग जिला में महारैली का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तमाम कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है।

मौके पर जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि राजेश सहाय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, भाजपा वरिष्ठ नेता अम्बिका सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव कतरियार, मंडल सांसद प्रतिनिधि गणेश यादव, सांसद प्रतिनिधि अर्जुन साहू, जिला महामंत्री सुनील साहू, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, बिनोद साहू सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

महाजनसंपर्क अभियान को ले भाजपा की बैठक

रामगढ़। जिले में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के निमित्त रविवार संध्या होटल ट्रीट के सभागार में सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर मीट हुआ।। भाजपा के मीडिया प्रभारी सह कार्यक्रम प्रभारी सत्यजीत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल शामिल हुए। श्री पटेल ने कहा कि आज सोशल मीडिया को हटा कर राजनीति संभव नहीं। क्योंकि आज के डिजिटल भारत में देश के हर युवाओं के हाथ में उच्च तकनीक वाली मोबाइल उपलब्ध है जिससे वो पार्टी के हर कार्यक्रमों पर नजर रखते है और यही भाजपा की ताकत भी है जिसकी मदद से हमने कई चुनाव भी जीते है । उन्होंने कहा के जिस नरेंद्र मोदी को पहले अमेरिका में आने पर प्रतिबंध लगाया गया था आज उसके राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ते है और उनका ऑटोग्राफ लेकर खुद को गौरवान्वित महसूस करते है। भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने। युवाओं का धन्यवाद करते हुए कहा किसभी ने भाजपा के द्वारा किए जा रहे सभी विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश में फैलते है,जिसके कारण आपको भी भ्रष्टाचार मुक्त सरकार मिलती है जो आपके अपेक्षाओं पर खरी उतरती है।

जय शंकर पाठक को अध्यक्ष बनाने पर निसार खान ने दी हार्दिक बधाई

हजारीबाग। विधि विभाग के द्वारा हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 8 में प्रदत्त शक्तियों के अधीन झारखंड सरकार के द्वारा तृतीय झारखंड हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड का हजारीबाग के जय शंकर पाठक को प्रदेश अध्यक्ष तथा प्हृदयानंद मिश्रा, राकेश सिन्हा, अजय नारायण मिश्रा पलामू के संजीव तिवारी को प्रदेश सदस्य बनाए जाने पर 15 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य निसार खान हार्दिक शुभकामनाएं दी है । खान ने कहा कि श्री पाठक कुशल नेतृत्व में हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड समस्त धार्मिक संस्थाओं का होगा विकास।

ब्लड बैंक के लापरवाही से व्यवसायी की मौत!

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शहर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाष मार्ग रोड निवासी व्यवसायी गोपाल प्रसाद की तबीयत बिगड़ने के बाद परिजनों के द्वारा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। इलाज के दौरान नर्सों के द्वारा ब्लड मांगे जाने के बाद जब परिजन ब्लड बैंक पहुंचे तो उन्हें ब्लड बैंक के अधिकारियों के द्वारा ब्लड डोनर देने को कहा गया जबकि ब्लड बैंक में मरीज के

ब्लड ग्रुप का खून मौजूद था। परिजनों का आरोप है की ब्लड डोनर खोज के लाने के बाद भी ब्लड बैंक के लोगो ने खून नहीं दिया जिसके कारण मरीज की जान चली गयी। परिजनों ने यह भी बताया की हॉस्पिटल की नर्सों के द्वारा भी कहा गया कि रविवार को डॉक्टर नहीं आते हैं हम लोगों को जो लीगल एडवाइस दी जाएगी उसी हिसाब से इलाज करेंगे। कहा कि सिविल सर्जन के द्वारा हर दिन डॉक्टरों का एक बार राउंड होता तो शायद मृतक की जान बच सकती थी।

अज्ञातवास में गए भगवान जगन्नाथ

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 26 में प्रतिवर्ष की भांति कैथा रथयात्रा आयोजन को लेकर आयोजन समिति द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। विधि अनुसार आयोजन समिति सदस्यों व श्रद्धालुओं ने ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ बहन शुभद्रा व भाई बलभद्र के अस्वस्थ होने पर उन्हें गद्दी से उतार कर उनका पवित्र स्नान कराया। विधि अनुसार अगले 15 दिनों तक भगवान अज्ञातवास में रहेंगे। आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया के दिन भगवान को रथारुढ कर श्रद्धालुओं वापिस सिंहासन पर विराजमान कराया जाएगा। रथयात्रा को लेकर आयोजन समिति गठित की गई। आयोजन समिति के अध्यक्ष वार्ड नंबर 26 पार्षद देवधारी महतो, सचिव राजेश कुमार महतो

,कोषाध्यक्ष आशुतोष चटर्जी, मुख्य संरक्षक भागवत नारायण चटर्जी, सुदर्शन महतो,हरिहर पाठक,रूपेंद्र महतो, सुकर महतो, चुनीलाल महतो,संजय महतो, माधव

20 जून को रथ यात्रा

करमाली,देवलाल महतो कार्यकारिणी सदस्य राजू कुमार महतो,संदीप महतो,कुलदीप महतो,अमित कुमार,अजय आस्था, पंकज कुमार, प्रह्लालाद कुमार,रवि नायक, दीपाली चटर्जी,राजुवाला चटर्जी,नवनीत कुमार,बालिस राम महतो को बनाया गया। मुख्य पुजारी भागवत नारायण चटर्जी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ,बहन शुभद्रा व भाई बलभद्र के पूजन का विशेष महत्व है। रथयात्रा में तीनों विग्रहों के पूजन से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। भगवान जगन्नाथ जगत के पालनकर्ता हैं,उनके पूजन से हम सभी श्रद्धालु पुण्य के भागी होने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। वहीं आयोजन समिति अध्यक्ष देवधारी महतो ने बताया कि कैथा रथयात्रा रामगढ़ जिले का गौरव है। कैथा रथयात्रा में रामगढ़ जिले के अतिरिक्त दूसरे जिलों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और भगवान का पूजन करते हैं। वहीं सचिव राजेश महतो ने कहा कि बीते 75 वर्षो से कैथा में पावन रथयात्रा का आयोजन होता रहा है। श्रद्धालु रथयात्रा में भाग लेकर पुण्य के पात्र होने को उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि रथयात्रा की तैयारी को लेकर आयोजन समिति के सदस्य व ग्रामीण तत्परता से जुटे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुकनू देवी, रेनू देवी,किरण देवी, जोशना देवी, सिद्धार्थ चटर्जी, सुशांत चटर्जी आदि उपस्थित थे।

एक नजर में

कांग्रेस ने रेल हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

बरही। बरही कांग्रेस के कार्यकताओं ने ओडिशा के बालासोर में हुए भीषण रेल दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति बरही चौक पर कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर कांग्रेसियों ने कहा कि इस दुखद दुर्घटना में जिन्होंने अपने प्रिय जनों को खोया है उनके प्रति हमारी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की हम सब कामना करते हैं। ईश्वर मृत आत्मा की शांति हेतु उन्हें अपने चरणों में जगह दे। उक्त जानकारी कांग्रेसी नरेश सिंह ने देते हुए बताया कि पहले ऐसे रेल हादसों पर रेल मंत्री स्वयं की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए स्वयं इस्तीफा दे दिया करते थे।परन्तु कुर्सी के लालची नेताओं ने अभी तनिक भी बोलने को तैयार नही है। श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता रघुनंदन गोप, नरेश सिंह, कुणाल कतरियार, यमुना यादव, प्रमोद सिंह, सुशील केसरी उर्फ नुनु, राजेंद्र मद्धेशिया, द्वारका रविदास, सुनील साहू, गुज्जू चौरसिया, सुधीर रजक, प्रिंस सिन्हा, राजू केसरी, राजू राणा समेत अन्य कांग्रेसी शामिल रहे।

कॉलेज के छात्रों ने किया नेतरहाट का भ्रमण

बरही। शैक्षणिक भ्रमण के तहत बरही में संचालित एकमात्र डिग्री कॉलेज राम नारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय भूगोल विभाग के स्नातक सेमस्टर-6 के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण यात्रा के लिए नेतरहाट के लिए रवाना हुए। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अरुण कुमार रामानुज ने बताया कि भूगोल विभाग के स्नातक सेमेस्टर-6 के पाठ्यक्रम में एक विषय भौगोलिक रिपोर्ट का है जिसको पूर्ति के लिए यह यात्रा आयोजित किया गया है।यात्रा से छात्र छात्राओं को किताबी पढ़ाई एवं ज्ञान के साथ प्रायोगिक कार्य करने का भी अभ्यास होता है। यात्रा भ्रमण में मुकेश कुमार, विक्रम कुमार, चंदन कुमार, आनंद कुमार सोनी, प्रकाश राणा, अमित कुमार, राहुल कुमार समेत 70 छात्र-छात्राएं शामिल रहे। ४ है पी ४: शैक्षणिक भ्रमण में शामिल विद्यार्थीगण

करसो पंचायत में भीम आर्मी का हुआ गठन

बरही। करसो पंचायत में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के कार्यकताओं की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष विनोद दास, उपाध्यक्ष सोनू कुमार, सचिव सुभाष कुमार भुईयां, महासचिव रितेश भुईयां, कोषाध्यक्ष नागेश्वर दास, मिडिया प्रभारी रामस्वरूप भुईयां, उपसचिव द्वारिका रविदास, संरक्षक पप्पू दास, कपीलदेव भुईयां, धर्मेंद्र दास, दामोदर प्रभु भुईयां, प्रदीप कुमार को चुना गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने कहा कि भीम आर्मी एक ऐसा संगठन है बिना किसी को भेद भाव किए निष्पक्षता के साथ सबको मदद करने का काम करता है। पूरे भारत में जहां भी अन्याय अत्याचार होता है उसके लिए भीम आर्मी संस्थापक चंद्रशेखर आजाद सड़क पर उतर कर लड़ाई लड़ने का काम करते हैं। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद को समर्थन देने की बात कहते हुए भीम आर्मी के संगठन को मजबूती देने की बात कही।सुनील कुमार ने कहा कि भीम आर्मी संविधान को मानने वाला संगठन है और सविधान का सुरक्षा करने की काम करता है जिसको संवैधानिक अधिकार नहीं मिलता है उसे दिलाने का काम करती है। बैठक में भीम आर्मी बरही प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण राव, जिला सचिव राहुल अंबेडकर, सुनील कुमार, जितेंद्र कुमार, सुनील आनंद, दिलीप कुमार आदि उपस्थित रहें।

विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

चरही। रविवार को विकास तीर्थ निमित कार्यक्रम के तहत बासाडीह के तरवाटांड स्थित बोकारो नदी पर बने पुल का निरीक्षण किया।इसके उपरांत डीएमएफटी मद से ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बोकारो नदी से लेकर नंदलाल महतो के घर तक बनने वाली पीसीसी पथ का शिलान्यास भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह माण्डू के विधायक जय प्रकाश भाई पटेल के द्वारा किया गया।मुख्य रूप से चुरचू प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक,मुखिया संघ के अध्यक्ष देवकी महतो,चुरचू मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह,इंदिरा पंचायत के मुखिया राधिका देवी,चुरचू पूर्व उप प्रमुख चौलेश्वर महतो,इंदिरा पंचायत के पूर्व मुखिया दशरथ महतो, भाजपा विधायक प्रतिनिधि वीणा मिश्रा,फुलेश्वर महतो,बहेरा पंचायत के उप मुखिया शिवचंद्र मुर्मू,शंकर सिंह भोक्ता,घनश्याम महतो,कमलाल महतो,राजू महतो,यदि लोग मौजूद थे।

भाजपा के तीनों मंडल की बैठक संपन्न

बड़कागांव।भाजपा बड़कागांव विधानसभा स्तरीय जिला एवं प्रदेश के निदेर्शानुसार महा जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने को लेकर बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन में बैठक आयोजित किया गया । बैठक का अध्यक्षता जिला किसान मोर्चा महामंत्री सह विधानसभा कार्यक्रम प्रभारी बैजनाथ कुमार साव, संचालन सांसद प्रतिनिधि मनीष पांडे ,महामंत्री इंद्र भूषण के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश किसान मोर्चा उपाध्यक्ष कार्यक्रम प्रभारी श्री अमरनाथ चौधरी, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा रामगढ़ सनी कुशवाहा उपस्थित हुए जिन्हें माला पहनाकर स्वागत किया गया बैठक में सभी कार्यकताओं के द्वारा हर हर मोदी घर घर मोदी गरीब कल्याण कारी योजनाओं डोर टू डोर विकास के बारे में महाजन संपर्क अभियान कर लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया एवं राज्य के निदेर्शानुसार आगामी पुर्व नियोजित कार्यक्रम की रुपरेखा तय किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उरीमारी मंडल अध्यक्ष श्री खेमलाल महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य श्री टुकेश्वर प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि बेचन साव, श्रीकांत निराला, राजेश कुमार सिंह, उर्फ जुगनू सिंह, केरेडारी सांसद प्रतिनिधि बद्री नारायण सिंह, प्रखंड पालक सह जिला ओबीसी मोर्चा महामंत्री डॉ बालेश्वर महतो, जिला कार्यसमिति सदस्य अवध किशोर यादव, मंडल उपाध्यक्ष किशोर राणा, किसान मोर्चा अध्यक्ष रामचंद्र महतो, त्रिवेणी महतो, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार रंजन, समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 10 जून से

भुरकुंडा (रामगढ़)। राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भुरकुंडा के दो खिलाड़ी अनिल दास व आशीष कुमार का चयन हुआ है। इससे भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रो में हर्ष का माहौल है। मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डो फेडरेशन ऑफ भुरकुंडा शाखा के कोच सह चयनित खिलाड़ियों के प्रशिक्षक कंचन दास ने बताया कि दोनो खिलाड़ी आगामी 10 व 11 जून को रजरप्पा के डीएवी मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखायेंगी। दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर रविवार को पतरातू एसडीपीओ डॉ.बीरेंद्र कुमार चौधरी ने अपने पतरातू स्थित आवास में मेडल देकर सम्मानित करते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ाई की तरह खेलों में भी बेहतर प्रदर्शन कर करियर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि खेल व खिलाड़ियों के बढ़ावा देने के लिए हर सार्थक कदम उठाया जायेगा। एसडीपीओ श्री चौधरी ने कहा कि खेल-कूद जीवन का अभिन्न अंग होता है। इससे शारीरिक व मानसिक विकास तो होता ही है यह हमें अनुशासन की भी सीख देता है।

स्पीड न्यूज

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रभातफेरी आज

गुमला। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पांच जून को खेल विभाग गुमला के द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया है। प्रभात फेरी गुमला स्टेडियम के सामने से आरंभ होगी जो शहर के मुख्य मार्गों में घूमेगी। प्रभात फेरी के बाद एसएस बालिक उच्च विद्यालय गुमला में पौधारोपण किया जायेगा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपायुक्त सुशांत गौरव, उप विकास आयुक्त हेमंत सती, अपर समाहर्ता सुधीर गुप्ता शामिल होंगे।

राहगीरों में प्रेरणा शाखा ने बांटा मट्ठा

गुमला। मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा द्वारा रविवार को पड़ रहे भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के बड़ा दुर्गा मंदिर, सब्जी मार्केट के समीप 300 राहगीरों के बीच मठ्ठा का वितरण किया गया। प्रेरणा शाखा के द्वारा सेवा भाव से आये दिन कई कार्य किये जा रहे हैं। विषेषकर गर्मी के मौसम में लोगों को राहत देने की दिशा में शाखा सार्थक कार्य कर रही है। इस आयोजन में अध्यक्ष शिल्पा अग्रवाल, सचिव कांता साबू, सदस्य अंचल अग्रवाल, शकुंतला मंत्री, मंजू शर्मा एवं अन्य सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

बहन ने भाई पर लगाया माता-पिता और खुद के साथ मारपीट का आरोप

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के सोसो गांव निवासी जितनी मिंज ने गुमला थाना में आवेदन देकर अपने बड़े भाई पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। जितनी मिंज ने कहा कि उसका भाई पैसे की मांग को लेकर माता-पिता और मेरे साथ मारपीट की है। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी है। जितनी ने कहा कि वे पांच साल से अपने वृद्ध माता-पिता को साथ रख रही है। मेरा भाई पैसे को लेकर मारपीट करता है और धमकी दिया है कि पैसे नहीं मिलने पर एक-एक को खत्म कर देगा। जितनी ने गुमला पुलिस ने सुरक्षा की गुहार लगायी है।

कार के कट मारने से अनियंत्रित स्कूटी सवार तीन युवतियां ऑटो से टकरायी

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के देवाकी रोड में सामने से आ रहे कार सवार के कट मारने से स्कूटी में सवार तीन युवती अनियंत्रित होकर सड़क पर खडे ऑटो से जा टकरायी। जिसमें सरंगो निवासी बेबी कुमारी (18), प्रतिमा कुमारी (20) व संध्या कुमारी (18) घायल हो गयी है। वहीं मौके से कार सवार फरार हो गया। घटना में संध्या कुमारी का बाय जांग की हड्डी टूट गई है और बेबी कुमारी के चेहरे पर गंभीर चोट लगी है। वही प्रतिमा कुमारी को हल्की चोट आई है। घटना की जानकारी देते हुए प्रतिमा ने बताया कि हम लोग तीनों बेड़ो दीदी के घर गए थे। जहां आज वापसी के क्रम में देवाकी रोड में यह घटना घटी।

वाहन के धक्के से दो बाइक सवार घायल

घाघरा। ब्लॉक चौक के समीप अज्ञात मालवाहक पिकअप की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों में घाघरा बस्ती निवासी प्रीतम उरांव, जयवंत जेम्स टोप्पो शामिल है। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु दोनों घायलों को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा पहुंच घायलों का हालचाल जाना और घटना की जानकारी ली। वहीं मालवाहक पिकअप वाहन लेकर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक मोटरसाइकिल से नवडीहा की ओर से घाघरा बस्ती की ओर लौट रहे थे। वहीं विपरीत दिशा से आ रही मालवाहक पिकअप सड़क किनारे बह रहे गंदे पानी के कारण दूसरी साइड से वाहन को निकाल रहा था। इस क्रम में मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को कांग्रेस के जिला महासचिव कृष्णा कुमार लोहरा, विधानसभा उपाध्यक्ष दिलबहार अंसारी, शहजाद खान, बिजली विभाग के लाइनमैन सुनरदेव यादव के सहयोग से टेंपू से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा पहुंचाया गया।

किस्को में गैंग रेप, तीन गिरफ्तार

लोहरदगा। जिले के किस्को थाना क्षेत्र में विवाह समारोह से लौटने के क्रम में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर युवती के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में घटना को अंजाम देने वाले चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना में संलिप्त अभियुक्त में एक आरोपी नाबालिग और तीन बालिग है। पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई कर रही है। जानकारी अनुसार सामूहिक दुष्कर्म की घटना उस समय हुई है, जब युवती अपने मंगेतर के साथ मसुरियाखाड़ में एक विवाह समारोह से लौट रही थी, तभी सलैया के समीप चारो आरोपियों ने पीछा कर जंगल के पास युवती के दोस्त को मारपीट कर बंधक बना लिया जिसके बाद युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना को लेकर किस्को थाना में कांड संख्या 17/ 23 धारा 367f, 325, 504, 506, 34 आईपीसी दर्ज किया गया है। मामले में किस्को थाना प्रभारी पोलीकार्प टोप्पो ने बताया कि पुलिस ने मामले में त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए सभी चार आरोपियों को पकड़ लिया है। युवती के साथ लोहरदगा जिले के किस्को थाना क्षेत्र के सलैया निवासी सतन मुंडा के पुत्र अनिल मुंडा, डहरबाटी निवासी डुका मुंडा के पुत्र गरीबा मुंडा, तिसिया चट्टी टांड निवासी बिरसा मुंडा के पुत्र विश्वनाथ सुरीन और एक नाबालिग ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच के बाद मेडिकल करा कर जेल भेज दिया है घटना को चार लोगो ने मिलकर अंजाम दिया है जिसमे एक नाबालिग भी है है। तीनों बालिग आरोपियो को को जेल भेजा गया और नाबालिग को गुमला बाल सुधार गृह भेजा जायेगा।

डीएसपीएमयू रांची में 1 से 7 जून तक पर्यावरण सप्ताह का आयोजन

● सारगर्भित नाटक कथन सालवान के अंतिम साल की, पर केंद्रित रहा डीएसपीएमयू के पर्यावरण दिवस का चौथा दिन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डॉ राम दयाल मुंडा द्वारा लिखित कहानी कथन सालवन के अंतिम साल की, जिसका नाट्य रूपांतरण रंगदर्पण रांची ने किया था। उसे डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर की शिक्षक टीम ने निर्देशित एवं अभिनीत करते हुए उसका प्रदर्शन डीएसपीएमयू के सभागार में रविवार को किया गया। संक्षिप्त होते हुए भी इस नाटक में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण संकेत निहित थे, जिसे कलाकारों ने बखूबी प्रस्तुत किया। इस नाट्य प्रस्तुति की एक अति महत्वपूर्ण विशेषता थी, एक वृक्ष की अपनी वेदना जिसे कलाकारों ने सभागार में सफलता से प्रेषित करने का प्रयास किया है और जीवंत प्रदर्शन किया। वनों की समाप्ति और साथ में खत्म हो रहे, इन वनों में रहने वाले मासूम पशु पक्षी। यह नाटक उनके प्रति भी एक गहरी संवेदना व्यक्त करती है। पूर्ण रूप से यह नाटक झारखण्ड की प्रकृति प्रेमी समाज की ओर से असंतुलित विकास और मैटेरियलिस्टिक एप्रोच के खिलाफ एक छोटी सी मैनिफेस्टो बन कर उभरती है।

इस नाटक के उदघाटन सत्र में बतौर मुख्य अथिति विश्वविद्यालय के कुलपति और अर्थशास्त्री प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि डेवलपमेंट जरूरी है, पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट। हमें विकास के ऐसे मॉडल खड़े करने हैं ,जो वन आधारित अर्थव्यवस्था को अवरुद्ध न करे। झारखण्ड के झाड़, जंगल और झरने ही इसे और प्रांतों से बिलकुल अलग करते हैं। हमें चाहिए कि नार्थ ईस्ट की तर्ज पर झारखण्ड में टूरिज्म इंडस्ट्री बढ़े ,जिससे इनके वनों, पहाड़ और झरनों को संरक्षित करने से जहां एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, दूसरी ओर टूरिज्म से वर्ष भर रोजगार भी मिलेगा। इसके अलावा कुलपति ि तपन कुमार शांडिल्य ने विश्विद्यालय में नाट्यकला के विकास के लिए ड्रामाटिक सोसायटी को और समृद्ध करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पूरे सप्ताह विविध तरीकों से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों को व्यक्त कर रहा है, और आज यह नाटक उसी श्रृंखला की एक कड़ी है।

डॉ विनय भरत और सौरभ मुखर्जी सह- निर्देशित इस नाटक के सभी कलाकार डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर , डीएसपीएमयू के थे, जिनमें प्रमुख थे ई एल एल विभाग के शिक्षक कर्मा कुमार (पुजारी), छात्र आयुषी भद्रा (साल पेड़), अनामिका सोरेन (ग्रामीण), अंजलि राधारानी (नेता की बेटी) , कोमल कुमारी (अफसर 2), सुमंत कुमार (नेता) , मन्त्रेश कुमार (प्रमुख अफसर), आकाश प्रमोद शर्मा (ग्रामीण युवक) ने अपने पात्रों को जीवंत किया। पर्दे के पीछे ई एल एल विभाग की शिक्षिका श्वेता गौरव और शुभांगी रोहतगी ने रूप सज्जा और स्टेज सेट- अप में अपनी भूमिका निभाई। साथ ही नेपथ्य में रैंसम सिंह (संगीत), प्राची सिंह, ओंकार मेहता, मोहन कुमार महतो, निशांत रंजन , मानसी विश्वास, पीयूष कुमार, सुमित कुमार, अनीष, शुभम , अमन कुमार साहू अमन ठाकुर, ऋषिता कुमारी, प्रिया कुमारी, अर्चना कुमारी, अभिलाषा कश्यप, स्टाफ जितेंद्र ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

कोयल नदी में छलांग लगाकर स्नान करने के दौरान हादसा

बीस सूत्री उपाध्यक्ष को छाती में लगी चोट,इलाज के क्रम में मौत

■ अंतिम संस्कार में विधायक चमरा लिंडा समेत कई पंचायत प्रतिनिधि शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

अंतिम दर्शन में शामिल विधायक व मृतक (इनसेट में)।

घाघरा। घाघरा प्रखंड बीससूत्री उपाध्यक्ष सह पूर्व मुखिया हरि उरांव की मौत रविवार को कोयल नदी में स्नान करने के दौरान हो गयी। हरि उरांव नदी में छलांग लगाकर नहाने के लिए कूदे इसी दौरान उनकी छाती पर चोट लग गयी। जिसे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। उनके साथ तत्काल उन्हें इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल लेकर आये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हरि उरांव की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने रिम्स रेफर कर दिया। जहां इलाज के क्रम में उनका निधन हो गया। हरि उरांव शनिवार को खंभिया गांव मेहमानी के लिए गये थे। जहां से वे स्नान करने नदी गये थे और यह घटनी घटी। रविवार को देर शाम उनके अंतिम संस्कार पैतृक गांव आरंगी हुआ। जहां अंतिम संस्कार में सैकड़ों ग्रामीण महिला पुरुष शामिल हुए।

खास बातें : हरि उरांव अपने पीछे पत्नी, तीन लड़की व एक लड़का छोड़ गये। लोगों ने कहा कि वे बहुत ही सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। अपने कार्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ थे। उनके निधन पर विधायक चमरा लिंडा, बिशुनपुर विधानसभा विधायक प्रतिनिधि संजय उरांव, विधायक प्रतिनिधि संजीव उरांव, जिप सदस्य जंगा उरांव, मानती उरांव, चंद्रदेव उरांव, कृष्णा कुमार लोहरा, रवि पहान, राजिंद्र उरांव, चंद्रदेव उरांव, भिनेश्वर भगत, बालकिशुन उरांव, समीर उरांव, झरी उरांव, सुखराम उरांव, शीला कुजूर, बॉबी भगत ने शोक जताया।

रांची के चार केंद्रों पर हुई जेईई एडवांस की परीक्षा

एडवांस को 2768 अभ्यर्थियों ने कराया था रजिस्ट्रेशन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेईई एडवांस की परीक्षा रविवार को राजधानी रांची के चार केंद्रों पर हुई। यह परीक्षा आईआईटी गुवाहाटी की तरफ से आयोजित की गयी थी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए देश भर से लगभग 1.95 लाख विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। रांची में जिन चार परीक्षा केंद्रों में परीक्षा हुई, उसमें आइऑन डिजिटल जोन तुपुदाना, आरटीसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ओरमांझी, अरुनुमा टेक्निकल सेंटर सामलौंग और एसआरएस पार्क आइऑन डिजिटल जोन टाटीसिल्वे शामिल है। जेईई एडवांस की परीक्षा आज दो पालियों में हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 से दिन के 12 बजे तक चली। वहीं, दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे तक चली।

कंप्यूटर बेस्ड संचालित हुई परीक्षा

चारों केंद्रों में आयोजित इस जेईई एडवांस परीक्षा में 2768 परीक्षार्थी शामिल होने वाले थे। परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड यानी ऑनलाइन संचालित हुई। जेइइ एडवांस में सफल होने के लिए परीक्षार्थियों को दोनों पेपर की परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा। परीक्षा केंद्र के अंदर विद्यार्थी अपने साथ किसी भी प्रकार का मेटल का सामान नहीं ले जाना था।

जांच के बाद अभ्यर्थियों को इंट्री की मिल रही थी अनुमति

परीक्षा शुरू होने पर पूर्व परीक्षा केंद्र में प्रवेश करते समय सभी अभ्यर्थियों की जांच की गयी। अभ्यर्थियों के पास मेटल, स्मार्ट वाच या डिजिटल डिवाईस आदि थे। सभी चीजों को जांच स्थल पर ही रख दिया जा रहा था। परीक्षार्थी को अपने साथ केवल एडमिट कार्ड और एक पहचान पत्र अवश्य रखना था।

प्रतिबंधित कफ शिरप के साथ दो युवकों को पुलिस ने लिया हिरासत में, स्कॉर्पियो जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला थाना परिसर में लगा जब्त स्कॉर्पियो वाहन।

गुमला। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर प्रतिबंधित कप शिरप ऑनरेक्स की एक पेटी के साथ दो युवकों को रविवार को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिये गये युवकों में गुमला के आजाद बस्ती अहमद लेन निवासी स्व. मुद्दीन अंसारी का 34 वर्षीय पुत्र अमजद अंसारी व अहमद नगर निवासी स्व. फिरजन अंसारी का 26 वर्षीय पुत्र सरवर उर्फ सोनू के नाम शामिल है।

गुमला पुलिस को मिली थी गुप्त सूचना : गुमला पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिसई की ओर से एक स्कारपियो वाहन से प्रतिबंधित कफ शिरप गुमला लाया जा रहा है। जिसके बाद गुमला पुलिस स्कार्पियो वाहन का नागफेनी से पीछा किया।

पुलिस को देख भागने की कोशिश : पुलिस को आते देख वाहन चालक ने बाईपास सड़क से स्कारपियो को डुमरडीह की ओर ले गया। जहां से वे सिलम निकल गये। इस दौरान लगातार पुलिस टीम उनके पीछे रही। सिलम से वापस बाईपास सड़क में आने के बाद दोनों युवक वाहन छोड़कर भागने लगे तो पुलिस ने उन्हें खदेड़कर पकड़ा। वहीं स्कारपियो वाहन जेएच 07 जे 02227 को जब्त किया।

बालासोर रेल दुर्घटना भाजपानीत मोदी सरकार की विफलताओं में से एक है : विजय सिंह

गुमला। झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने उड़ीसा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना को मोदी सरकार की लापरवाही का परिणाम बताते हुए रेल दुर्घटना में मारे गए सैकड़ों यात्रियों की मौत पर दल की ओर से गहरा दुख प्रकट किया और घायलों के प्रति भी सहानुभूति जताया है। कहा है कि अच्छे दिन व सुलभ और सुरक्षित रेल सेवा यात्रा देने के नाम पर रेल का किराया बेहिसाब बढ़ाने वाली मोदी सरकार आज तक रेल दुर्घटना रोकने के लिए रेल में कवच जैसा यंत्र तक लगा नहीं पाई है। वहीं सस्ती लोकप्रियता के लिए बड़ी-बड़ी बात करने वाली सरकार को बालासोर रेल दुर्घटना के लिए जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बालासोर रेल दुर्घटना महज एक हादसा नहीं है बल्कि मोदी सरकार की विफलता को बालासोर रेल दुर्घटना दर्शाती है।

गुमला : बाईक से गिरकर शिक्षक घायल, बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती

गुमला। थाना क्षेत्र के दुंदुरिया के समीप सड़क पर पशु के दौड़ जाने से बाईक सवार लातेहार जिला के गारू थाना क्षेत्र के डाबरी गांव निवासी शिक्षक 47 वर्षीय सिद्धेश्वर उरांव घायल हो गये। सड़क पर गिरने के बाद सिद्धेश्वर उरांव बेहोश हो गये। जिसे बेहोशी का हालत में सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया गया है। सिद्धेश्वर उरांव विशुनपुर प्रखंड में रहकर स्कूल में पढाते हैं। घटना के बाद उनके जेब से मिले कागजात से उनकी पहचान हुई। फिलहाल उनकी हालत गंभीर है।

सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र में दो अलग अलग जगहों पर सड़क दुर्घटना में बच्ची सहित चार लोग घायल हो गए ,जिनका सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेन्हा में कराया गया इलाज। जानकारी के अनुसार सेन्हा नवटोली निवासी उमेश उराव की पत्नी पिंकी उरांव टेम्पू से स्वास्थ्य केन्द्र भंडरा जा रही थी उसी दौरान टेम्पू जेएच 24 एफ 9784 अनियंत्रित हो पलट गया। जिससे पिंकी उरांव और उसकी डेढ़ वर्षीय पुत्री रितिका उरांव को हल्की चोटें लगी। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा लाया गया। तथा पुसो थाना क्षेत्र के लरंगो बाजार से आने के क्रम में बदला महादेवटोली निवासी स्व एतवा उरांव का पुत्र जीतराम उरांव और बगडू थाना क्षेत्र के पतरातू निवासी बुधुवा उरांव का पुत्र सुखराम उरांव सेन्हा थाना अन्तर्गत भड़गांव के समीप मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से गिर गया, जिसमे दोनों का चेहरा में हल्की चोटें आयी है। वहीं सभी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा में कराया गया। साथ ही इलाज के उपरान्त सभी घायलों को घर भेज दिया गया।

औचक छापामारी में करीब एक ट्रैक्टर प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। नगर परिषद प्रशासक संजय कुमार के निर्देश पर परिषद के उड़नदस्ता दल ने नगर प्रबंधक हेलाल अहमद की अगुवाई में प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर छापेमारी की गयी। इस दौरान लगभग एक ट्रैक्टर के आसपास प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त कर लिया गया। कुछ बड़े गोदामों पर भी छापेमारी की गई किंतु वहां सामान बरामद नहीं हुआ। आशंका है कि छापेमारी की पूर्व सूचना पर प्रतिबंधित सामान हटा लिया गया हो। संजय कुमार ने बताया कि छोटे दुकानदारों की बजाये बड़े और थोक विक्रेताओं पर कार्रवाई की जा रही है।

पेड़ से गिरकर महिला घायल

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के तेलया गांव निवासी 40 वर्षीय महिला देवंती देवी पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जहां उसके चेहरे व कमर पर गंभीर चोट लगी है। घटना के उपरांत परिजनों ने तत्काल नजदीकी उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए घायल महिला को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए परिजन ने बताया कि महिला पेड़ पर चढ़कर पत्ते तोड़ रही थी। तभी अचानक डाली टूट गयी और महिला नीचे जमीन पर गिर गयी।

सड़क दुर्घटना में तीन बाइक सवार घायल, दो रिम्स रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। बीते रात भंडरा से सेमरा की तरफ जाने वाले सड़क में नवडीहा मोड़ के पास अज्ञात वाहन स्कूटी (जेएच 08 एच 4527) को ठोकर मारकर फरार हो गया। अज्ञात वाहन के शक्कर से स्कूटी सवार तीन लोग घायल हो गये। स्कूटी सवार लोग सेमरा से भंडरा की तरफ आ रहे थे। दुर्घटना में भरनो थाना क्षेत्र के पहरकेशा निवासी गंदूर मुंडा के पुत्र रंथू मुंडा (15), राजेंद्र उरांव के पुत्र राहुल उरांव (18) एवं पंचू उरांव (18) पिता कार्तिक उरांव ग्राम सरनाटोली का निवासी है। पंचू और रंथू को रांची रिम्स रेफर किया गया। सूत्रों के अनुसार तीनों युवक नशे में धुत थे। भंडरा थाना प्रभारी गौतम कुमार को सूचना मिलने पर तीनों को सामुदायिक केंद्र भंडरा पंहुचाया गया। जहा गंभीर रूप से घायल पंचू व रंथू को रिम्स रेफर किया गया।

इधर, एक अन्य सड़क दुर्घटना में सेगराटोली बाजार के पास सड़क दुर्घटना में टोटो जामुनडीपा गांव का युवक एवम युवती घायल हो गये।

मां शारदे मंच के वार्षिक काव्यांजलि उत्सव का आयोजन

काव्यांजलि जैसे आयोजनों से साहित्य के क्षेत्र में लोगों को जोड़ने में सहायता मिलती है : अनिता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मां शारदे मंच की ओर से रविवार को वार्षिक काव्यांजलि उत्सव का आयोजन होटल शिवानी इन्टरनेशनल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरीय साहित्यकार अनिता रश्मि उपस्थित थीं। कार्यक्रम में समाजसेवी अरूण शर्मा, मुकेश कुमार, साहित्यकार सरोज कान्त झा एवं रेणु मिश्रा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा अनिता रश्मि ने कहा कि मंच के द्वारा ऐसे आयोजनों से साहित्य के क्षेत्र में लोगों को जोड़ने में सहायता मिलती है। साथ ही लेखकों का उत्साहवर्द्धन भी होता है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर होने चाहिए, ताकि लेखकों को अधिक से अधिक मंच प्राप्त हो सके। अरूण शर्मा ने मंच के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मंच साहित्यिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से शामिल है, जिससे समाज के अनेक वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। मंच के ऐसे प्रयास काफी सराहनीय हैं। सरोज कान्त झा ने कहा कि विगत पांच वर्षों से मंच कार्य कर रहा है और मंच की ओर से कई नव-प्रयोग भी किये गये हैं, जिनमें नये कलमकारों को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर नवांकुरों सम्मेलन का आयोजन एक सराहनीय प्रयास है।

मुकेश कुमार ने कहा कि मंच के सभी साहित्यिक एवं सामाजिक प्रयास सराहनीय हैं और भविष्य में मंच ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करे इसके लिए मंच को आगे बढ़ाने में सभी को सहयोग करना होगा। रेणु मिश्रा ने कहा कि मंच का यह प्रयास रहता है कि राज्य के कवि एवं कवयित्रियों को हमेशाएक मंच पर लाया जाए जो सराहनीय है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत मंच की अध्यक्ष नीतू सिन्हा तरंग के अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर किया गया। स्वागत भाषण मंच की ओर से समीर सिन्हा ने दिया।

कबाड़ महोत्सव का समापन कल उत्कृष्ट सहभागी होंगे पुरस्कृत

■ शहरी विकास अभिकरण के निदेशक ने कबाड़ महोत्सव की सराहना की

■ खाली प्लास्टिक बोतलों से कबाड़ व्यवसायी बना रहा है नाव

खबर मन्त्र संवाददाता

बेकार पड़े प्लास्टिक की बोतल से नाव तैयार करते व्यवसायी।

गुमला। गुमला नगर परिषद द्वारा एक सप्ताह से आयोजित कबाड़ महोत्सव का समापन कल किया जाएगा। इस दौरान आयोजित कार्यशालाओं तथा प्रशिक्षणों से न केवल शहर के युवाओं और गृहणी महिलाओं ने कबाड़ से निर्माण की दिशा में रचनात्मक प्रयास शुरू किये हैं। बल्कि नगर परिषद के अभियंताओं ने भी इस दिशा में धरातल पर कई कार्य आरंभ कर दिए हैं और तो और शहर के कबाड़ व्यवसायियों ने भी अपने यहां मौजूद कबाड़ वस्तुओं से कुछ रचनात्मक चीजें बनाने का काम शुरू किया है। कुछ ऐसा ही आजाद बस्ती हुसैन नगर के एक कबाड़ व्यवसायी ने कबाड़ महोत्सव से प्रभावित होकर सैकड़ों खाली प्लास्टिक बोतलों की मदद से एक नाव का आकार दिया है। वे इसे नगर परिषद को सौंपेंगे। इस नाव का उपयोग किसी बड़े तालाब में फ्लोटिंग गार्डन बनाने में उपयोग किया जा सकेगा।

क्या कहते हैं नप के प्रशासक

नगर परिषद के प्रशासक संजय कुमार ने कहा कि यदि शहर के लोग इसी तरह कबाड़ चीजों का सदुपयोग करेंगे तो शहर में कबाड़ की मात्रा को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। झारखंड राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) निदेशक श्री अमित कुमार ने गुमला में आयोजित हुए इस कबाड़ महोत्सव की सराहना की है। श्री अमित कुमार ने कहा दुनिया भर के शहरों में बढ़ रही कबाड़ की मात्रा भविष्य में कचरा निस्तारण के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसको लेकर हमें यथाशीघ्र रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल के सिद्धांतों को अपनाना होगा।

बिहार के 40 यात्री सुरक्षित पहुंचे भागलपुर

ओडिशा ट्रेन हादसा

खबर मन्त्र संवाददाता

भागलपुर। ओडिशा के बालासोर में बाहानगा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को हुए भीषण ट्रेन हादसे में 275 लोगों की जान चली गई वहीं सैकड़ों लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। इस भीषण रेल हादसे में देखते ही देखते पल भर में वहां का मंजर तबाही में बदल गया। चारो तरफ चीख-पुकार मच गई और हालात इतने गंभीर हो गए कि लोग अपने ही परिजनों की

लाशें बोगी से खींचकर निकालते नजर आए। ओडिशा के बालासोर में इस भीषण ट्रेन हादसे में सुरक्षित बिहार के 40 यात्रियों को बालासोर से बस से पटना लाया गया। उसके बाद सभी को भागलपुर होते हुए अररिया की ओर रवाना किया गया. इसके पहले सभी 40 यात्रियों को भागलपुर में स्थानीय प्रशासन द्वारा जलपान कराकर अररिया भेजा गया, जब यात्रियों से इस बारे में बात की गई तो वे काफी डरे और सहमे हुए थे। किसी ने कहा मैं पढ़ाई करने जा रहा था तो किसी ने कहा मैं तीर्थ यात्रा के लिए निकला था। सभी के चेहरों पर भय का माहौल बना हुआ था। सभी अपने घर जाने को बेचैन दिख रहे थे। शालीमार से चेन्नई जा रहे 26 लोगों के दल के एक व्यक्ति ने कहा कि वे ट्रेन में शालीमार से चढ़े थे उन्हें चेन्नई पढ़ाई के लिए जाना था, लेकिन अचानक ये हादसा हो गया। इस दौरान वे तीन अलग-अलग बोगी में थे। हादसा होते ही सबसे पहले वे अपने लोगों को एक जगह लाने के लिए जुट गए. उन्होंने बताया कि उनके टीम के सभी लोग सुरक्षित हैं। इसमें कई लड़कियां भी हैं, लेकिन जो सामान लेकर वो निकले थे। उनके सामान का पूरा नुकसान हो गया। हादसे के वक्त मौजूद मो. इम्तियाज ने बताया कि अचानक गाड़ी ने ब्रेक लगाई इसके बाद हड़कंप मच गया और ट्रेन पटरी से उतर गई। उन्होंने कहा कि लाशों के ढेर का वह मंजर बहुत ही भयावह था। वहीं एसडीएम धनंजय कुमार ने बताया जिला प्रशासन के आदेश अनुसार इन लोगों को भागलपुर में रुकना था और जलपान करना था।

एक नजर में

एसपी ने काजल को जीवन रक्षा पदक पुरस्कार की अनुशंसा की

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। अपनी जान की परवाह ना करते हुए मासूम बच्चे की जान बचाने वाली काजल को जीवन रक्षा पदक पुरस्कार के लिए पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने अनुशंसा की है। एसपी राकेश रंजन ने पुरस्कृत करने हेतु अनुशंसा पुलिस मुख्यालय को भेजी है। मालूम हो कि जिले के मयूरहण्ड प्रखंड के हुसियां गांव में 07 म?ई की देर शाम को कुएं के पास तीन साल का शिवम अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान वह कुएं में गिर गया और गहरे पानी में डूबने लगा, इस पर नजदीक खड़ी उसकी 13 वर्षीय मौसी काजल अपनी जान की परवाह किये बगैर कुएं में कूद गयी। उस कुआँ में एक मोटर लगा हुआ था उस मोटर में लगे रस्सी को एक हाथ से पकड़ कर और दूसरे हाथ से अपने बहन बेटा शिवम कुमार को पकड़ कर जोर-जोर से चिल्लाने लगी एवं वह खुद भी घायल थी। उसकी ठुड़ी एवं शरीर में अंदरूनी चोट लगी हुई थी। अपने चोट की परवाह न करते हुए भी वह लगातार जोर-जोर से चिल्लाते रही। तभी उसकी आवाज सुनकर उसकी माँ एवं ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को कुआँ से निकाल लिया गया। उक्त मामले में पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के द्वारा संज्ञान लेते हुए काजल कुमारी के द्वारा दिखाए गए बहादुरी एवं अदम्य साहस के लिए जीवन रक्षा पदक से पुरस्कृत की अनुशंसा पुलिस मुख्यालय को भेजी गई है।

तेजस्वी यादव ने किया बड़ा एलान

पटना। ग्रामीण पथ विकास अभिकरण की 22वीं आम सभा और विभागीय समीक्षात्मक में बैठक में रविवार को डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शामिल हुए. ग्रामीण इलाकों में बनाए जा रहे सड़कों को लेकर समीक्षा बैठक की गई. वहीं, इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की तरक्की के लिए हमलोग लगातार कार्यरत हैं. ग्राम सड़कों, पुल निर्माण के क्वालिटी से कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं करना है. सबसे ज्यादा खराब सड़कों का पहले निर्माण होगा. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल सड़कों के बेहतर रख रखाव के लिए होगा. वहीं, आगे उन्होंने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग में 16 हजार नई नियुक्तियां होंगी। इस घटना को लेकर जिम्मेवारी तय होनी चाहिए- तेजस्वी यादव ओडिशा रेल हादसे को लेकर मीडिया के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि इस घटना में बिहार के भी लोग घायल हुए हैं. यह अब तक का सबसे यह बड़ा हादसा है. बड़ी संख्या में लोगों की मौतें हुई हैं. इस घटना में लापरवाही तो हुई है. बार-बार रेलवे द्वारा दावा किया जा रहा था कि सुरक्षा सबसे पहले है लेकिन इतने बड़े हादसे होने के बाद भी अभी तक इसकी जिम्मेवारी किसी ने नहीं ली है. इस घटना को लेकर जिम्मेवारी तय होनी चाहिए,जो लोग लापरवाही बरते हैं उन पर कार्रवाई होनी चाहिए. डिप्टी सीएम ने कहा कि ओडिशा रेल मामले में जल्द से जल्द जांच होनी चाहिए. जांच के लिए टीम का गठन होना चाहिए. इस मामले में बिहार के लोगों को लेकर हम लोगों की भी नजर है. इस विषय पर सीएम से कल ही बातचीत हुई थी. इस घटना को लेकर सारी जानकारी ली जा रही है. जानकारी लेने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। आगे तेजस्वी यादव ने कहा कि रेलवे से जुड़ाव बिहार का हमेशा से रहा है लेकिन, अभी जिस तरह से रेवले को निजीकरण किया जा रहा है तो इस मामले में भी क्या कार्रवाई होगी?

पीएम पद को लेकर नीतीश कुमार पर बरसे सम्राट चौधरी

बेतिया। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बिहार में राजनीतिक हलचल तेज है. विभिन्न पार्टियों के नेता एक- दूसरे पर हमलावर हैं. इस बीच 12 जून को पटना में विपक्षी पार्टियों की बैठक होने जा रही है. इसमें कई पार्टियों के प्रमुख नेता या उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे. देश की विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में अपनी भूमिका को लेकर नीतीश कुमार बीजेपी के निशाने पर हैं. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला है. बेतिया में रविवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार पर निशाना साधा. बेतिया के नगर भवन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिना याददाश्त वाले मुख्यमंत्री आज कल सपने में खुद को देश का प्रधानमंत्री बना हुआ देख रहे हैं. वहीं कार्यक्रम में मौजूद पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि 2025 में बिहार में बीजेपी की सरकार बनेगी और हम दीवाली मनाएंगे.

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज पहुंचे श्री बंशीधर नगर, भव्य स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। भारत के महान मनीषी ब्रह्मलीन संत पूज्य श्री श्री 1008 श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य पाद श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज का शुभागमन रविवार की दोपहर पाल्हे-जतपुरा स्थित यज्ञ स्थल पर हुआ। श्री जीयर स्वामी जी महाराज यहां 5 माह तक रहेंगे। इस दौरान श्री जीयर स्वामी जी महाराज का संकल्पित चातुर्मास्य व्रत एवं पूज्य पाद स्वामी जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाले श्री रामानुजाचार्य सहस्त्राब्दी जयंती स्मृति महा महोत्सव व श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ संपन्न होगा। सभी कार्यक्रम स्वामी जी के दिशा-निर्देशन में संपन्न होगा। श्री जीयर स्वामी जी महाराज के दर्शन व स्वागत के लिये श्री बंशीधर नगर अनुमंडल सहित गढ़वा जिला ही नहीं बल्कि अन्य जिलों के दो हजार से अधिक श्रद्धालु भक्तगण यज्ञ समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र चौबे की अगुवाई में रमना प्रखंड के कविसा गांव में सुबह 10 बजे से ही चिलचिलाती धूप में जमे हुये थे। जैसे ही स्वामी जी महाराज एनएच 75 से कविसा गांव पहुंचे वैसे ही श्रद्धालु भक्तजनों के जयकारा से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। स्वागत व दर्शन के पश्चात जयकारा के बीच श्रद्धालु भक्तों के काफिले के साथ स्वामी जी महाराज पाल्हे-जतपुरा स्थित यज्ञ स्थल पर पहुंचे।

आनंद मोहन ने पूछा- एक पूर्व सांसद से क्यों डर रही बीजेपी

खबर मन्त्र संवाददाता

जहानाबाद। बिहार के बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन ने रविवार को जहानाबाद में बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा "मैं 16 वर्षों तक जेल में बंद था तो मैंने कभी किसी का कुछ भी नहीं बिगाड़ा लेकिन बाहर आने के बाद बीजेपी के लोग हम पर ताबड़तोड़ बयानबाजी कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं बीजेपी नेताओं से कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। सैकड़ों सांसद एवं हजारों विधायक हैं. बावजूद इसके बीजेपी के लोग 16 वर्षों से जेल में बंद एक मामूली पूर्व सांसद से क्यों डर गयी है? " आनंद मोहन ने कहा कि ऐसी स्थिति में बिहार के हर जिले में लोगों का नब्ज टटोलने के लिए निकला हूं और लोगों के बीच मैं जाकर उनसे हाल समाचार लेकर उनका आभार व्यक्त कर रहा हूं. किसी प्रकार की राजनीति नहीं कर रहा हूं।

दरसअल पूर्व सांसद आनंद मोहन जेल से बाहर निकलते ही अपने कार्यकताओं को गोलबंद करने में जुटे हैं। वे रविवार को पटना से गया जाने के दौरान जहानाबाद पहुंचे जहां ऊंटा में प्रेसवार्ता कर ये बातें कहीं।

स्पीड न्यूज

शिक्षा व्यवस्था पर विजय सिन्हा का सीएम पर तंज

पटना। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा सीएम नीतीश कुमार पर लगातार हमलावर हैं। बिहार में बदहाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर तंज कसते हुए उन्होंने कि बिहार के शिक्षा में मिशन 60 का कब शुभारंभ होगा? पिछले 33 वर्षों से बड़े भाई-छोटे भाई मिलकर बिहार की गद्दी संभाले हुए हैं लेकिन बिहार की शिक्षा व्यवस्था में लगातार गिरावट आती जा रही है। बिहार का शिक्षा दर मात्र 61.8 प्रतिशत है जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम है और निरक्षरता की बात करें तो अभी भी बिहार में 38.2 प्रतिशत लोग निरक्षर हैं।

संदिग्ध अवस्था में विवाहिता की मौत के बाद जमकर हंगामा

नालंदा। नूरसराय थाना इलाके के बालचंद बीघा गांव में रविवार को एक विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव उसके घर से पुलिस ने बरामद किया है। शव बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में महिला के परिवार वालों को पुलिस द्वारा सूचना दी गई। मृतका की पहचान बालचंद बीघा गांव निवासी रवींद्र यादव की पत्नी अंशु देवी के रूप में की गई है। मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस जब महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लेकर आई तब वहां दोनों पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए और मारपीट होने लगी और लात-घूंसे के साथ-साथ ईंट-पत्थर की बरसात होने लगी। देखते ही देखते से अस्पताल परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

क्या 2024 में बीजेपी के साथ आयेंगे जीतन राम मांझी?

पटना। 2024 में होने वाला लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे ही राजनीतिक उठापटक बढ़ती जा रही है। विपक्षी एकता का ब्लूप्रिंट अभी तैयार भी नहीं हो सका है कि इसमें सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान देखने को मिलने लगी है। सीएम नीतीश कुमार के साथी जीतन राम मांझी ही आंखे दिखाने में लगे हैं। मांझी ने साफ कर दिया है कि यदि उन्हें सम्मानजनक सीटें नहीं मिली तो वो महागठबंधन को महाझटका दे सकते हैं। मांझी ने साफ कहा है यदि 2024 लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को यदि 5 सीट नहीं मिली तो वह अपना रास्ता देख लेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि हम जिधर रहेंगे, उधर जीतेंगे। उनके इस तरह के बयान से महागठबंधन में खलबली मच गई है। मांझी के बयान को जेडीयू ने प्रेशर पॉलिटिक्स बताया है।

विपक्ष की बैठक से पहले पुराने रंग में दिखे लालू यादव

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इस वक्त राजधानी पटना में ही हैं। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद से अब उनकी तबियत में काफी सुधार देखने को मिल रहा है। अब वो पहले वाले अंदाज में ही लौट रहे है। पटना में आगामी 12 जून को मोदी विरोधी नेताओं का जमावड़ा लगना है। उससे पहले लालू यादव एक्टिव हो चुके हैं।

सो रहे थे मां-बाप, युवती ने की हत्या

भागलपुर। जिस मां-बाप ने बेटी को नाजों से पाला, वही बेटी एक दिन उनका कत्ल कर देगी, कुशाहापुर के ग्रामीणों को यह विश्वास नहीं हो पा रहा। लेकिन, ये सच है। कुशाहापुर गांव बिहार के भागलपुर में स्थित है। गांव में डबल मर्डर के बाद सन्नाटा पसरा है। हालांकि, पुलिस ने आरोपी सनकी युवती को अरेस्ट कर लिया है। घर में जब सभी लोग खाना खाकर सो रहे थे, तब मोहम्मद शेख सुदी की बेटी जग रही थी। उसका शैतानी दिमाग कुछ अलग ही सोच रहा था। रात एक बजे वह अपने बिस्तर से उठी और सीधे वहां पहुंची, जहां उसके मां-बाप सोए हुए थे। वहीं, पर खटिया का पौवा (खाट का पैर) पड़ा हुआ था। उसी को उठाकर उसने मां-बाप पर ताबड़तोड़ हमले करने शुरू कर दिए।

जिला टॉपर को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत ग्राम सिंघानी निवासी अनिल कुमार राणा की पुत्री छवि कुमारी जनता प्लस टू उच्च विद्यालय पत्थलगड़ा से जैक 12 वीं इंटर कला संकाय की परीक्षा में 452 अंक लाकर चतरा जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया इंटर कला संकाय परीक्षा में शानदार अंक प्राप्त कर जिला के साथ- पत्थलगड़ा प्रखंड का नाम भी रोशन किया इसी को लेकर चतरा जिला में प्रथम स्थान प्राप्त करने को उपलब्ध में, घर पर सम्मानित करने पहुंचे राणा विश्वकर्मा सेवा समिति झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बिनोद शर्मा, प्रदेश कोशाध्यक्ष अशोक राणा, केंद्रीय मीडिया प्रभारी प्रमोद कुमार राणा, कोर कमेटी सदस्य प्रेम राणा, एवम पंकज राणा, शम्भू नाथ राणा, रविंद्र राणा, सुखसागर राणा, इंद्रदेव राणा तथा अन्य राणा समाज के लोग शामिल थे।

जैक 12 वीं इंटर कला संकाय की परीक्षा में चतरा जिला में प्रथम स्थान पर सफल रहे छवि कुमारी की हौसला बढ़ाने और माता पिता को पढ़ाई में प्रेरित करने के लिए उसके घर पहुंचे छवि कुमारी को गुलदस्ता एवं मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

झूलन के साथ मंडा पूजा का हुआ समापन

नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में रात भर झूमे दर्शक

खबर मन्त्र संवाददाता

टंडवा (चतरा)। नईपराम में श्री श्री शिव मंडा पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के दौरान शनिवार रात्रि बुजुर्ग से लेकर बच्चे तक दहकते अंगारे पर नंगे पांव चलकर अपनी भक्ति का परिचय दिया, इससे पहले शिवभक्तों ने अंगार स्थल पर महादेव की पूजा व परिक्रमा किया। तत्पश्चात मंडा पूजा के शुभ अवसर पर पूजा समिति द्वारा नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सिमरिया विधानसभा विधायक किशुन कुमार दास विशिष्ट अतिथि बीस सूत्री अध्यक्ष सुभाष यादव इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह मुखिया महेश मुंडा भाजपा नेता मिथलेश गुप्ता सुनील चौरसिया गणेश गुप्ता बबलू गुप्ता विश्वजीत उरांव समेत अन्य शामिल हुवे। सभी अतिथियों को समिति द्वारा अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। ततपश्चात मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काट कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक नागपुरी गानों पर नृत्यांगनो ठुमका लगाया गया एवं हजारों दर्शकों ने भी रात भर झूमें एवं मनोरंजन का आनंद लिया। रविवार सुबह होते ही दर्जनों भक्तों द्वारा अपने शरीर को कष्ट देकर झूला झूलें एवं कड़ी परीक्षा से गुजरें। जानकारों के अनुसार इस कष्टप्रद अनुष्ठान के लिए जो भक्त तैयार होते हैं, उन्हें भोक्ता कहा जाता है। खासकर दो तरह के लोग इस पूजा में शामिल होते हैं, एक तो वे जिन्हें मन्नत मांगनी होती है और दूसरे वे जिनकी मन्नत पूरी हो गई होती है। यह पूजा अच्छी बारिश की कामना के लिए भी की जाती है, ताकि घर-परिवार सुख शांति से रहे। फुलखुंदी सहित झूलन के साथ ही मण्डा पूजा समाप्त हुई। पूजा को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अशोक महतो सचिव कैलाश यादव कोषाध्यक्ष सकेन्द्र मुंडा उपाध्यक्ष संजय महतो मीडिया प्रभारी अमीरका राम, अतिथि प्रभारी छोटेलाल राम, महामंत्री भुनेश्वर महतो एवं कुटु महतो समेत अन्य ने अहम भूमिका निभाया।

मगध में पर्यावरण दिवस चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

टंडवा (चतरा)। सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, इस अवसर पर मगध परियोजना कार्यालय कुंडी, पीआईटी ऑफिस आरा एवं महाप्रबंधक कार्यालय में चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर एस. सत्यनारायण, परियोजना पदाधिकारी, मगध परियोजना के साथ- साथ कामेश्वर राम, उप प्रमुख, बालूमाथ, राकेश कुमार, खान प्रबंधक, मगध परियोजना, दया शंकर ओझा, विक्रय पदाधिकारी, मगध परियोजना ने आरा पीट ऑफिस में पौधारोपण किया। साथ ही साथ आस पास के ग्रामीणों में पौधों का वितरण भी किया गया।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न विषय पर विभिन्न श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिता में महाप्रबंधक कार्यालय एवं मगध परियोजना के कर्मियों सहित आस पास के ग्रामिणों के 140 बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

यज्ञ आयोजन समिति ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

इटखोरी। प्रखंड के परसौनी पंचायत अंतर्गत हरदिया गांव में सात दिवसीय श्री मारूति नंदन यज्ञ सह वार्षिकोत्सव समारोह में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। यज्ञ में शामिल होने जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, भाजपा नेता सुजीत भारती, भाजपा नेता टुन्नी सिंह व इटखोरी थाना प्रभारी निरंजन कुमार मिश्रा भी शनिवार देर शाम यहां पहुंचे। इस दौरान अतिथियों ने पूजा अर्चना की तथा यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर क्षेत्र में अमन चैन सुख शांति समृद्धि व क्षेत्र की विकास के लिए प्रार्थना की। तत्पश्चात यज्ञ आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। जिप उपाध्यक्ष ने कहा कि यज्ञ से समाज में भक्ति का माहौल कायम होता है एवं मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में विकास शांति सद्भाव का माहौल बना रहता है। मौके पर बिरेंद्र सिंह, सुनील सिंह, सतीश सिंह, अनमेश सिंह, रनवीर सिंह, चौपारण थाना क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन, नगेन्द्र दांगी, निर्मल सिंह, कोठारी सिंह, आशीष सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नीतीश के अभियान पर कांग्रेस का ब्रेक !

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना के ज्ञान भवन में 12 जून को विपक्षी दलों की की बड़ी बैठक होने वाली है। सीएम नीतीश कुमार ने इस बैठक में शामिल होने के लिए देश भर के सभी दलों को न्योता दिया है। पिछले महीने कांग्रेस ने भी कहा था कि इस बड़ी बैठक में शामिल होगी। लेकिन, शनिवार को बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए कहा कि इस बैठक में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों में से कोई भी शामिल नहीं होंगे। ऐसे में विपक्षी एकजुटता को लेकर नीतीश कुमार की बड़ी पहल को कांग्रेस ने बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल नीतीश कुमार ने 12 जून को पटना में सभी विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। इस महाबैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी शामिल नहीं होंगे।

विधायक भानु ने दिया 51 हजार रुपये का सहयोग

सहयोग राशि प्रदान करते धनंजय सिंह व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रमना। प्रखंड मुख्यालय के मूर्ति टोला बगौन्धा स्थित श्री हनुमान मंदिर निर्माण कार्य में विधायक भानु प्रताप शाही की ओर से 51 हजार रुपये का सहयोग राशि दिया गया। उक्त राशि रविवार को विधायक की ओर से धनंजय सिंह उर्फ जोखू सिंह, विधायक प्रतिनिधि पंकज कुमार सिंह एवं मंडल अध्यक्ष बलजीत सोनी उर्फ चिन्टू सोनी के द्वारा हनुमान मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष सुदर्शन बियार व कोषाध्यक्ष सुनील प्रजापति को सौंपा गया।

मौके पर मुख्य रूप से मंदिर निर्माण समिति के संरक्षक महेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष नरेश साह, सचिव वीरेन्द्र प्रजापति, दिनेश प्रजापति, रामनाथ बियार, रामलाल बियार, रिंकू प्रजापति, अरविंद प्रजापति, मनोहर बियार, भागीरथी बैठा आदि उपस्थित थे।

सीएम नीतीश का ड्रीम पुल भरभराकर गंगा नदी में गिरा

खबर मन्त्र संवाददाता

भागलपुर। उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ने वाली बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत अगुवानी-सुल्तानगंज के बीच गंगा नदी पर 1710.77 करोड़ की लागत से बन रहा फोरलेन पुल रविवार शाम 6.15 बजे अचानक भरभराकर गंगा नदी में समा गया। इस घटना में एक गार्ड के लापता होने की सूचना है।

अगुवानी की ओर से पिलर संख्या 10, 11, 12 और निमार्णाधीन आधा 13 नंबर पिलर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। तीनों पिलर एक-दूसरे से लिवर से जुड़े थे। इसके 120 से अधिक स्पैन ढहे हैं। मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत से मामले की विस्तृत जानकारी ली है। पुल के सुपर स्ट्रक्चर गिरने की घटना की विस्तृत जांच कराने के बाद दोषियों को चिह्नित कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश

दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि रविवार होने के कारण तीनों पिलरों पर काम नहीं चल रहा था। इस कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

लोग एक गार्ड के लापता होने की बात कह रहे हैं। इस बीच अगुवानी-सुल्तानगंज के बीच नाव सेवा को भी बंद करा दिया गया है। इधर, पुल बना रही एसपी सिंगला कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आलोक कुमार झा ने बताया कि पाया नंबर 10 से 12 तक के सेगमेंट पायों के साथ गिरकर नदी में समा गए हैं। पुल निर्माण कंपनी को काफी क्षति हुई है। इससे पहले पिछले साल, 29 अप्रैल की रात आंधी आने के कारण पिलर संख्या पांच से चार और छह को जोड़ने वाले सुपरस्ट्रक्चर के 36 स्पैन गिर गए थे। एक साल बाद भी वह काम दोबारा शुरू नहीं हो पाया है। इसकी जांच आईआईटी रुड़की की टीम द्वारा की जा रही है।

सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का निर्माण कार्य आठ साल बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। अभी पुल निर्माण शुरू होने के बाद आठ वर्ष से अधिक का समय बीत गया है। पुल 2019 में ही बनकर तैयार होना था। अंतिम डेडलाइन 31 दिसंबर, 2023 की दी गई थी। अब पुल निर्माण में दो-तीन साल का विलंब होने की आशंका है।

पृथ्वी को बचाने के गंभीर प्रयास जरूरी

भारत का 2070 का नेट जीरो का लक्ष्य इसका ही विस्तार है और इसके खिलाफ तर्क नहीं दिया जा सकता है। हालांकि, यह संयुक्त नेट जीरो लक्ष्य दुनिया को 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि से नीचे नहीं रख सकता है। इसका मतलब है कि ओईसीडी देशों को 2030 तक अपने उत्सर्जन में कमी लानी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन, जिसका शेष बजट के 33 प्रतिशत पर कब्जा है, उसे इस दशक में अपने उत्सर्जन में भारी कमी करने के लिए कहा जाना चाहिए। अकेला चीन इस दशक में 126 गीगाटन उत्सर्जन करेगा।

भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परिवर्तन को स्वीकार किया है, जिसे भविष्य के लिए डिजाइन किया जाएगा और यह नए जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों के अनुरूप होगा। लेकिन जो बड़ा मुद्दा हमें चिंतित करने वाला है। वह, यह कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास समान हो और अपने ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए देश में गरीबों को उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए। क्योंकि हमारे यहां बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें अभी भी अपने विकास के लिए ऊर्जा की आवश्यकता है। अंततः विश्व के प्रमुख देशों को इमानदारी से आगे आना ही होगा। अपने निजी लालच को त्यागना ही होगा। चीन रूस अमेरिका यूरोप के सक्षम देशों को निजी हित से ऊपर उठ कर काम करना होगा। विकासशील देशों को कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिये आर्थिक मदद का जो प्रावधान है उसे ठोस रूप देना होगा। रूस अमेरिका कनाडा के अलावा भारत, ब्राजील, चीन जैसे देश बहुत ही महत्वपूर्ण? हैं जो विश्व के एक बड़े भूभाग का घेरते हैं और वनों का सबसे बड़ा क्षेत्र भी इन्हीं देशों के भितर आता है। इन देशों को पृथ्वी को बचाने के लिये आपसी मतभेदों को भुला का सबों को काम करना होगा। आखिर पृथ्वी सुरक्षित होगी तभी देश भी रहेंगे।

मनोज कुमार शर्मा

पृथ्वी को बचाना है? स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉप 26 सम्मेलन में विश्व के सारे देश शामिल थे कहने को सबों का लक्ष्य पृथ्वी को जलवायु परिवर्तन के भयंकर दुष्परिणामों से बचाना है, पर यह भी एक सच है कि सभी देशों का अपना अपना स्वार्थ भी है। कोई भी सक्षम देश पृथ्वी को बचाने के लिये आगे आकर अपने निजी हितों को ताक पर रखकर काम करने के का खुला वादा नहीं करना चाहता। सभी अपने अपने हिसाब और लक्ष्यों का तर्क देते हैं। ऐसे में अक्सर पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित यह कॉप सम्मेलन अपने लक्ष्यों को पूरा करने से दूर होता चला जाता है, प्रमुख देशों के बीच एकराय नहीं बन पाती। लेकिन इससे आशंकित दुष्परिणामों को तो टाला नहीं जा सकता। कॉप में एक मतभेद जो सामने आता है वो यह कि विकसित देश विकासशील देशों परज्यादा कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण का आरोप लगाते हैं वहीं विकासशील देशों का भी कहना होता है कि विकसित देशों की करनी की सजा वो क्यों भुगतें। साथ ही विकसित देशों पर दबंगई का भी आरोप लगता है। अमेरिका रूस चीन जैसे देश जो प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करते हैं वो पृथ्वी संरक्षण के कई वैश्विक करारों से खुद को अलग कर लेते हैं इन सब से इतर देखें तो कार्बन की तीव्रता में कमी के लिये भारत को काफी काम करना होगा कार्बन की तीव्रता (इंटेंसिटी) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के सीओ2 के उत्सर्जन को मापती है और मांग करती है कि अर्थव्यवस्था के बढ़ने पर इन्हें कम किया जाए। सीएसई के अनुसार, भारत ने 2005-2016 के बीच सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 25 प्रतिशत की कमी हासिल की है और 2030 तक 40 प्रतिशत से अधिक हासिल करने की राह पर है। लेकिन इसका मतलब यह है कि भारत को परिवहन क्षेत्र, ऊर्जा आधारित औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से सीमेंट, लोहा और इस्पात, गैर-धातु खनिज, रसायन से उत्सर्जन को कम करने के लिए अधिक उपाय करने होंगे इसके लिए भारत को अपनी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की भी आवश्यकता होगी, ताकि हम वाहनों को नहीं, बल्कि लोगों को एक से दूसरी जगह स्थानांतरित कर सकें। इसके लिए हमारे शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में वृद्धि करनी होगी। इसके अलावा हमारे आवास की ताप क्षमता में भी सुधार करना होगा। वह सब हमारे हित में है।

नेट जीरो का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

नेट जीरो यानि कार्बन का उत्सर्जन खत्म करना। 2070 तक यह लक्ष्य विकसित देशों और चीन को अधिक महत्वाकांक्षी होने की चुनौती देता है। आईपीसीसी के अनुसार 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन आधा होना चाहिए और 2050 तक नेट जीरो (शुद्ध शून्य) तक पहुंच जाना चाहिए । चूंकि दुनिया में उत्सर्जन में भारी असमानता है, इसलिए ओईसीडी देशों को 2030 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करना है, जबकि चीन को 2040 और भारत और बाकी दुनिया को 2050 तक इस लक्ष्य तक पहुंचना होगा। हालांकि, नेट जीरो के लक्ष्य न केवल असमान हैं बल्कि महत्वाकांक्षी भी नहीं हैं। इसके अनुसार ओईसीडी देशों ने नेट जीरो का अपना लक्ष्य 2050 और चीन ने 2060 घोषित किया है।

1972 से मनाया जा रहा है पर्यावरण दिवस

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था।

हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस बार की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है। इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम इसी थीम पर आधारित होंगे। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सद्भाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लॉकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पेड़ों को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हें कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ों को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं पर्यावरण का अर्थ होता है परि हमारे चारों ओर जो आवरण हैं। जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समष्टिगत एक इकाई है।

पर्यावरण से हमें वह हर संसाधन उपलब्ध हो जाते हैं जो किसी सजीव प्राणी को जीने के लिए आवश्यक है। पर्यावरण ने हमें वायु, जल, खाद्य पदार्थ, अनुकूल वातावरण आदि उपहार स्वरूप भेंट दिया है। पर्यावरण स्वस्थ जीवन और ग्रह पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पृथ्वी विभिन्न जीवित प्रजातियों के लिए एक घर है और हम सभी भोजन, हवा, पानी और अन्य जरूरतों के लिए पर्यावरण पर निर्भर हैं। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने पर्यावरण को बचाना और उसकी रक्षा करना महत्वपूर्ण है।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रूप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ों के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हें इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमें व हमारी आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है।

पर्यावरण ही जीवन का स्रोत है

गिरीश्वर मिश्र

हमारा पर्यावरण पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पंच महाभूतों या तत्वों से निर्मित है। आरंभ में मनुष्य इनके प्रचंड प्रभाव को देख चकित थे। वृक्ष वायु-संचार के मुख्य आधार हैं। शीशम और सागौन के वृक्ष सिर्फ फर्नीचर के लिए लकड़ी ही नहीं देते बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। बरगद, पीपल और नीम आदि वातावरण को स्वस्थ बनाते हैं। कई वृक्ष देवताओं के आवास माने जाते हैं तो कई देवस्वरूप मान लिए गए हैं। आयुर्वेद में नाना प्रकार की जीवनदायी औषधियाँ विभिन्न वृक्षों के पत्तों, फलों, फूलों, जड़ों और छालों से मिलती हैं। इसी तरह विविध प्रकार के अन्न और शाक सब्जी के साथ आम, अमरूद, लीची, केला, संतरा और सेव आदि वृक्षों से मिलने वाले मधुर और सुस्वादु फल बलबर्धक और प्रिय भोज्य हैं। जल, थल, अंतरिक्ष, वन, पर्वत, वनस्पति और खनिज सम्पदा के दोहन और शोषण में जुट गए। अब दूसरे ग्रहों के शोषण के लिए तजबीज हो रही है। सृष्टि में हस्तक्षेप और उस पर अधिकार जमाने की प्रवृत्ति की कोई सीमा नहीं दिख रही है।

यह जरूर है कि पांच तत्वों में विसंगति आने पर हमारे सामने मुश्किल चुनौती खड़ी हो जाती है। विगत इतिहास साक्षी है कि इन तत्वों की अति या ह्रास के चलते तरह-तरह के कष्ट सहने पड़ते हैं। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओला पड़ना, धरती की उर्वरा शक्ति का ह्रास, वन में आग, बड़वाग्नि (सुनामी!), बिजली गिरना आदि लगातार हो रहे हैं । सब मिल कर व्यापक जलवायु परिवर्तन को जन्म दे रहे हैं और सारा विश्व आज चिंतित हो रहा है । पृथ्वी का तापक्रम लगातार बढ़ रहा है, ओजोन की परत में छेद हो रहा है, विभिन्न गैसों का उत्सर्जन ग्राह्य सीमा से अधिक हो रहा है, वनस्पतियों की प्रजातियाँ लुप्त हो रही हैं, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही, कूड़े-कचरे से धरती और उसके नीचे ही नहीं अंतरिक्ष में भी प्रदूषण बढ रहा है, गंगा जैसी पवित्र नदियाँ औद्योगिक कचरों और शहरी मल के चलते भयंकर प्रदूषण का शिकार हो रही हैं, एवेरेस्ट पर्वत शिखर भी प्रदूषण की गिरफ्त में है, शहर कंक्रीट के जंगल हो रहे हैं, बड़े पैमाने पर शुद्ध पेय जल की कमी हो रही है तथा आणविक ऊर्जा के उपयोग से जहां बिजली मिल रही है वहीं पर उसके अवशिष्ट कचरे के निस्तारण की स्थायी समस्या खड़ी हो रही है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

पर्वत पर खनन से बड़ी हानि

सबसे अधिक खनन लीज साहिबगंज जिले में ही है। राजमहल की पहाड़ी पर उत्खनन के कारण पर्यावरीण असंतुलन बढ़ने, जैव विविधता खत्म होने, महत्वपूर्ण पौधों के नष्ट होने के साथ गंगा में गाद भी बढ़ रहा है। साहिबगंज जिला गंगा के किनारे स्थित है। अब पत्थर के लिये पहाड़ों को काट काट कर इन एतिहासिक पहाड़ियों का अस्तित्व खत्म होने के कगार पर है। न जाने यहां के गांव का अस्तित्व कितने सालों तक बचा रहेगा। गायब होते गांवों में एक है मारीकुटी, जहां 2011 की जनगणना के अनुसार, 127 लोगों की आबादी है। इस गांव के चारों ओर खनन कार्य होता है। इसके अलावा भी दर्जनों संकटग्रस्त गांव हैं। पिछले दो दशकों में उत्खनन में अधिक तीव्रता आयी है। यह क्षेत्र अवैध उत्खनन को लेकर राज्य की राजनीतिक सुर्खियों में भी छाया रहता है।

राजमहल की पहाड़ियां 2600 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली है और अरावली के बाद इसे भारत की सबसे पुरानी पहाड़ी श्रृंखलाओं में एक बताया जाता है। ये पहाड़ियां 6.8 से 11.8 करोड़ वर्ष पुरानी हैं। साहिबगंज कॉलेज के भू विज्ञान के सहायक प्राध्यापक, डॉ रंजीत कुमार सिंह का अध्ययन राजमहल की पहाड़ियों पर ही है। इनके अनुसार, ज्वालामुखी विस्फोट से इसका निर्माण हुआ है। राजमहल की पहाड़ियों पर दुर्लभ जीवाश्म मिलते हैं, जिसे दुनिया का सबसे पुराना जैव जीवाश्म बताया जाता है। यह जुरासिक काल का है। राजमहल की पहाड़ियों के बारे में डॉ. रंजीत कुमार सिंह बताते हैं कि, ये जीवाश्म इस अध्ययन के लिए बेहद अहम हैं कि पृथ्वी की उत्पति कैसे हुई। जीव कैसे उत्पन्न हुए। ये जीवाश्म भी उत्खनन व अज्ञान की वजह से संकट में हैं।

2020 में तैयार साहिबगंज डिस्ट्रिक्ट इनवायरमेंटल प्लान के अनुसार, जिले में 180 माइंस हैं और 451 क्रशर हैं। वहीं, झारखंड सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग की वेबसाइट पर सितंबर 2021 तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, साहिबगंज में 424 माइनिंग लीज हैं, जिसमें 115 वर्तमान में कार्यशील हैं और 309 अस्थायी रूप से कार्यशील नहीं हैं। कुल लीज व कार्यशील दोनों स्तर पर राज्य में साहिबगंज अव्वल है। इसके बाद दूसरा नंबर साहिबगंज से सटा जिला पाकुड़ का आता है।

कराहती नदियों का संकेत समझें

शशि भूषण कुमार

दुनिया की कई नदियां खराब स्थिति में हैं और प्रदूषण, औद्योगिक विकास और जलवायु परिवर्तन से जुड़े बढ़ते दबावों का सामना कर रही है। इस वर्ष की गतिविधियों में करीब 100 देश भाग लेंगे। इसका उदेश्य नदियों में बढ़ रहा जल प्रदूषण को कम करना है क्योंकि नदिया हमारे जीवन का एक अभिन्न अगं है जिस पर मनुष्य, जीव-जन्तु,पेड़-पौधे निर्भर हैं। झारखंड अपनी सुंदर और विशिष्ट नदियों और उन पर स्थित झरनों, जलप्रपातों के लिये ही जाना जाता है, पर आज राज्य की तकरीबन प्रत्येक नदी प्रदूषित है, अवैध बालू खनन, अतिक्रमण, प्रवाह रोके जाने से बबार्दी के कगार पर है।

झारखंड अपने कांची, शंख, स्वर्णरेखा, मयूराक्षी, भैरवी, दामोदर, कोयल, फल्गु (निरंजना) खरकई, बराकर, सकरी, अमानत, तजना, हिरणी जैसी तीन दर्जन से ज्यादा नदियों से समृद्ध राज्य है। इसे राज्य को प्रकृति का उपहार ही कहेंगे कि पठारी राज्य होने के कारण जहां भूजल स्तर नीचे है वहीं इतनी सारी नदियों के होने से राज्य में जलस्त्रोतों की कमी नहीं रही। झारखंड की सारी नदियों पर आज संकट है। अतिक्रमण, प्रदूषण, बालू खनन ने उसके सदानीरा और अविरल होने पर संकट ला दिया है। कई नदियां तो अब मृतप्राय हो चुकी हैं। लेकिन कहीं कोई बेचैनी या चिंता नहीं दिखती।

देवनद कही जाने वाली दामोदर नदी दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। इसके संरक्षण के लिये राज्य के एक कद्दावर और चर्चित नेता ने आंदोलन भी खड़ा किया, पर उसका नतीजा कुछ नहीं निकला। दामोदर आज भी प्रदूषण और अवैध बालू खनन से हलकान है। राज्य की कई नदियां तो अब कहने को नदी हैं, पर हकीकत में वह नाले में बदल चुकी हैं। कई ?नदियों पर स्थित जलप्रपात जो राज्य की पहचान हैं, वह अब गर्मियों की शुरूआत में ही सूख जाते हैं। जो बहुत मायूस करता है

क्यों हैं झारखंड की नदियों पर यह संकट?

राज्य में कांची, स्वर्णरेखा, दामोदर हो या रांची की चर्चित हरमु नदी। सभी संकट में हैं। जहां दामोदर अवैध बालू खनन और अपने किनारे के फैक्ट्रियों से निकले अपशिष्टों के प्रदूषण से तबाह है वहीं कांची बालू माफियाओं के चलते बर्बाद हो रही है।

झारखंड की ज्यादतर नदियों को वर्षा के जल से अविरलता मिलती है ये हिमालय से जुड़ी हुयी नहीं हैं। इसलिये इन्हें अतिक्रमण, प्रवाह रूकने और प्रदूषण से बचाने की ज्यादा आवश्यकता होती है। इनमें भी जो नदियां दक्षिण और पूर्व?की ओर बहती हैं जैसे दामोदर, कांची, स्वर्णरेखा ये ज्यादा संकट में हैं और इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ये बालू खनन और औद्योगिक क्षेत्रों से गुजरने के कारण अस्तित्व के लिये संघर्षरत हैं।

बहुत ही विशिष्ट हैं झारखंड की नदियां, बुद्ध ने फल्गु के किनारे तपस्या की थी

झारखंड के प्रत्येक नदी की अपनी एक कहानी है, जो रोचक होने के साथ ही तथ्यात्मक भी है। छोटे से राज्य झारखंड के नदियों की विशिष्टता और समृद्धि को देखें तो आंखें चौंधिया जायेंगी। उत्तरी छोटानागपुर से निकलने वाली फल्गु जिसे निरंजना नदी भी कहते हैं यह उत्तरवाहिनी है और बिहार में प्रवेश कर अंततः गंगा में मिल जाती है। इसी नदी के किनारे ही गौतम बुद्ध ने तपस्या की थी। आज गया में इसी नदी के किनारे ही लोग पिंडदान करते हैं। यह नदी भी अब भयंकर संकट में है।

स्वर्णरेखा नदी को अपने जल में सोने के मिलने वाले कणों के कारण यह नाम मिला है, इसके बालू को छान कर कई जगहों पर लोग उसमें से सोने के कण निकालते हैं। कहते हैं कि इस नदी के प्रवाह में कहीं सोने की कोई खदान है जिसके स्वर्ण कण इस नदी के प्रवाह में बहते हैं। स्वर्ण रेखा एक मात्र ऐसी स्वतंत्र नदी है जो उड़ीसा होकर बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है लेकिन किसी बड़ी नदी में खुद को समाहित नहीं करती।

मयूराक्षी नदी को यह नाम उसके घुमावदार पथ के कारण मिला है। कहते हैं यह नदी कुछ इस तरह से घुमावदार पथ में प्रवाहित होती है कि उससे मोर के आंख की तरह आकृति बन जाती है। शंख नदी बहुत ही विशिष्ट है। इसके तल में पत्थरों के अंदर खोह में हीरे मिलने की बात कही जाती है। कहते हैं कि इसके तल में चट्टानों के खोहों में जब पत्थर फंस जाते हैं तो वहां दबाव और रासायनिक प्रतिक्रियाओं से ये पत्थर हीरे में तब्दिल होते हैं। इस तथ्य को आज तक वैज्ञानिक नहीं सुलझा पाये हैं।

हकीकत में झारखंड की नदियां अगर स्वच्छ रहें तो इनका जल स्वास्थ्य के लिहाज से भी एक दवा की तरह है, क्योंकि ये जंगलों, पहाड़ों से होकर जड़ी बूटी, खनिज, लवणयुक्त जल लेकर प्रवाहित होती हैं।

विश्व की प्रमुख सभ्यतायें नदियों के किनारे ही पनपी

विश्व की सारी सभ्यतायें किसी नदी के किनारे ही विकसित हुयीं। मिस्त्र की सभ्यता नील नदी के किनारे, दजला फरात की सभ्यता, सिंधु नदी घाटी सभ्यता सभी नदियों के कारण ही पनपीं और विकसित हुयीं। नदियां सदैव जीवनदायिनी थीं । इन्होंने हमें यातायात, भोजन, जल, कृषि सिंचाई सब कुछ प्रदान किया है और आज भी प्रदान करती हैं, पर आज मनुष्यों ने इनका लालचवश सिर्फ दोहन किया है, संरक्षण कभी नहीं।

खबर मन्त्र
स्पोर्ट्स

epaper.khabarmantra.net
रांची, सोमवार
05.06.2023

ऋतुराज ने गर्लफ्रेंड उत्कर्षा से की शादी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने शनिवार को अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड उत्कर्षा पवार से शादी कर ली है। ये कपल महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में शादी के बंधन में बंधा। 30 वर्षीय क्रिकेटर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं और इसे कैप्शन दिया, 'पिच से वेदी तक, हमारी यात्रा शुरू!' गायकवाड़ के सीएसके टीम के कुछ साथी- शिवम दूबे और प्रशांत सोलंकी शादी समारोह में उपस्थित थे। देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार जैसे अन्य खिलाड़ियों ने इंस्टाग्राम पर युगल को बधाई दी है।

कौन हैं उत्कर्षा पवार

उत्कर्षा (24 वर्षीय) भी क्रिकेटर हैं जो घरेलू क्रिकेट में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। उत्कर्षा पुणे से हैं और हाल ही में सीएसके के जश्न का हिस्सा थी जब उन्होंने इस सप्ताह के शुरू में अपना पांचवां आईपीएल खिताब जीता था। उन्हें एमएस धोनी के साथ देखा गया था जिसे गायकवाड़ के इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया गया था।

दहिया चोट के कारण बिश्केक रैंकिंग सीरीज से बाहर

बिश्केक। टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट पहलवान रवि दहिया ने घुटने की चोट के कारण रविवार को बिश्केक रैंकिंग सीरीज से नाम वापस ले लिया। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने एक बयान में कहा, ₹भारतीय कोचिंग स्टाफ के अनुसार, रवि को बिश्केक में अभ्यास करते हुए घुटने में चोट लग गयी।

फ्रेंच ओपन : खचानोव ने रखा अंतिम-आठ में कदम

पेरिस। रूस के कारेन खचानोव ने रविवार को फ्रेंच ओपन में अपना विजय रथ आगे बढ़ाते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में इटली के लोरेंजो सोनेगो को मात दी। कोर्ट सूजन-लेंगलेन पर खेले गये मुकाबले में 11वीं सीड खचानोव ने सोनेगो को 1-6, 6-4, 7-6 (9-7), 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में कदम रखा।

श्रीलंका ने सीरीज बराबर की

हंबनटोटा। श्रीलंका ने रविवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अफगानिस्तान को 132 रन से हराकर तीन मैचों की शृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डिमुथ करुणारत्ने (52) और कुसल मेंडिस (78) के अर्द्धशतकों की मदद से अफगानिस्तान के सामने 324 रन का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में अफगानिस्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (57) और इब्राहीम जादरान (54) के अर्द्धशतकों के बाद भी 191 रन पर ऑलआउट हो गयी।

विटिदसर्न ने जीता साल का दूसरा खिताब

बैंकॉक। थाईलैंड के कुनलावुत विटिदसर्न ने रविवार को अपने घरेलू टूनार्मेंट थाईलैंड ओपन 2023 के फाइनल में हॉन्ग कॉन्ग के ली चियुक यू को हराकर साल का दूसरा खिताब जीत लिया। इस साल भारत आकर इंडिया ओपन 2023 जीतने वाले विटिदसर्न ने खिताबी मुकाबले में ली चियुक को मात्र 38 मिनट में 21-12, 21-10 से मात दी। विटिदसर्न इस साल दो बीडब्ल्यूएफ टूनार्मेंट जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गये हैं।

नडाल पांच और महीने नहीं खेल पाएंगे

पेरिस। राफेल नडाल को बाएं कूल्हे की सर्जरी से उबरने के लिए करीब पांच और महीने का समय लगने की उम्मीद है जिससे उनके इस सत्र के बाकी टूनार्मेंट से बाहर रहने की संभावना है। नडाल के प्रवक्ता बेनिटो पेरेज बारबाडिलो ने शनिवार को कहा कि 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन की शुक्रवार की रात दो सर्जरी की गई नडाल ने पिछले महीने घोषणा की कि वह कूल्हे की समस्या के कारण फ्रेंच ओपन में नहीं खेल पायेंगे। वह जनवरी से ही इसके कारण खेल से बाहर हैं।

नहीं गरजा रहाणे का बल्ला तो हो जायेगी छुट्टी!

नयी दिल्ली। भारत के अनुभवी मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने के लंबे इंतजार के बाद भारत की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। टी20 प्रारूप से पांच दिवसीय प्रारूप में ढल रहे रहाणे चीजों को सरल बनाए रखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद होगी कि जिस शानदार टाइमिंग से उन्होंने आइपीएल में रन बनाए, वह लंदन में भी उनके साथ बनी रहेगी। रहाणे का भारत के अंतिम 11 में जगह बनाना लगभग तय है।

टीम इंडिया ने ओवल पर शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले भारतीय टेस्ट टीम ने रविवार को द ओवल में अपना अभ्यास सत्र शुरू किया। भारत 7 से 11 जून तक बहुप्रतीक्षित डब्ल्यूटीसी फाइनल में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। बीसीसीआई ने प्रतिष्ठित स्थल पर मैदान पर दौड़ते हुए खिलाड़ियों की तस्वीर साझा की। बीसीसीआइ ने एक ट्वीट में कहा, 'हैलो फ्रॉम द ओवल।' बीसीसीआइ ने 25 मई को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कहा था कि भारतीय टीम के सदस्य जैसे अक्षर पटेल, उमेश यादव, शार्दुल ठाकुर के साथ मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों ने अरुंडेल शहर के सुरम्य अरुंडेल कैसल क्रिकेट क्लब में अभ्यास शुरू कर दिया है। 29 मई को, बीसीसीआइ ने करिश्माइ बल्लेबाज विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज और रविचंद्रन अश्विन की तस्वीरें साझा कीं, जो अरुंडेल में सहायक स्टाफ के सदस्यों के साथ अभ्यास और बातचीत में लगे हुए थे। कप्तान रोहित शर्मा, इशान किशन और रिजर्व खिलाड़ी मुंबई के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 30 मई से अभ्यास सत्र में शामिल हुए। वहीं रवींद्र जडेजा, शुभमन गिल, मोहम्मद शमी, केएस भरत और अजिंक्य रहाणे अहमदाबाद में आईपीएल के फाइनल में खेलने के बाद 1 जून को टीम से जुड़े जबकि मोहम्मद शमी 2 जून को अभ्यास में शामिल हुए। भारत दूसरी बार फाइनल मुकाबले खेलेगा। 2021 में साउथंप्टन में रोज बाउल में केन विलियमसन की न्यूजीलैंड से भारत को हार मिली थी। रोहित पहली बार विदेशी धरती पर टेस्ट टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया को झटका, हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर

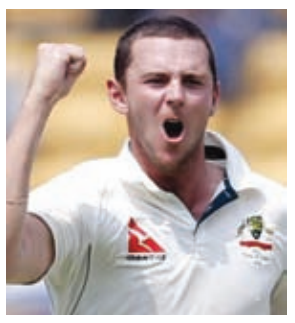

दुबई (हि.स.)। आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के चलते टीम से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर माइकल नेसर को 15 सदस्यीय स्क्वाड में शामिल किया गया है। आइसीसी ने रविवार को बताया कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की इवेंट टेक्निकल कमेटी ने नेसर को टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून को आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेला जाएगा। मुकाबला लंदन के ओवल मैदान पर खेला जायेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दोनों टीमें

भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।
स्टैंडबाय खिलाड़ी : यशस्वी जायसवाल, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव।
ऑस्ट्रेलियाई टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मार्कस हैरिस, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), मिशेल स्टार्क और डेविड वॉर्नर।
स्टैंडबाय खिलाड़ी : मिचेल मार्श, मैथ्यू रेनशॉ।

रोहित के 'धीरज' के कायल हुए ग्रीन

बेकनहम। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी कैमरन ग्रीन को उम्मीद है कि वह आइपीएल में मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा के साथ खेलने के बाद भारतीय कप्तान जैसा 'धीरज' अपने खेल में ला सकेंगे। आइपीएल के इतिहास के सबसे महंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ग्रीन ने हाल ही में समाप्त हुए टूनार्मेंट में 452 रन बनाये और छह विकेट लिये। पांच बार की चैंपियन मुंबई भले ही दूसरे क्वालीफायर में हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो गयी, लेकिन ग्रीन ने रोहित की कप्तानी में अपने डेब्यू आइपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन किया।

गिल एक उत्कृष्ट क्रिकेटर

नयी दिल्ली। गुजरात टाइटन्स के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने 2023 आइपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुये 890 रन बनाये। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुप्रतीक्षित आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने गिल की प्रशंसा की है। वेंगसरकर ने क्रिकेटर की क्षमता पर भरोसा जताया। पूर्व क्रिकेटर ने उनके असाधारण गुणों पर प्रकाश डालते हुए गिल की तकनीकी महारत, स्वभाव और मैच जीतने की क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, गिल एक उत्कृष्ट क्रिकेटर हैं। हम उनसे बहुत उम्मीद करते हैं। उनका भारत के लिए बहुत उज्ज्वल भविष्य है। वह एक कुशल खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा स्वभाव और लंबे समय तक भारत के लिए खेलने के लिए अन्य सभी आवश्यक गुण हैं।'

भारत ने एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप में जीता दो स्वर्ण

एजेंसी

येचिओन (कोरिया)। भारत की हिना मलिक ने रविवार को यहां एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा में देश का पहला स्वर्ण पदक जीता। मलिक ने 53.31 सेकंड में दौड़ पूरी करके यह उपलब्धि हासिल की। दूसरी ओर, भरतप्रीत सिंह ने पुरुषों की चक्का फेंक स्पर्धा में 55.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ टूनार्मेंट में भारत के लिये दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने तीसरे प्रयास में सोना हासिल किया। इससे पूर्व, अंतिमा पाल ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में भारत को इस आयोजन का पहला पदक दिलाया था। उन्होंने 17 मिनट 17.11 सेकंड में दौड़ पूरी करते हुए कांस्य पदक जीता। अंतिमा की हमवतन बुशरा खान गौरी ने 18 मिनट 15.98 सेकंड में दौड़ पूरी करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया। श्याम मिलन बिंद और शकील क्यू सोमवार को होने वाले पुरुषों के 800 मीटर फाइनल में भाग लेंगे। बिंद अपनी हीट में एक मिनट 52.6 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि शकील एक मिनट 51.58 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहे। अबिनया राजराजन ने फाइनल के लिये क्वालीफाई करने के लिये अपनी 100 मीटर हीट में 11.91 सेकंड का समय लिया।

कोहली से कई गुना ज्यादा है टेनिस खिलाड़ी पेगुला की संपत्ति, फेडरर और नडाल भी पीछे

एजेंसी

नयी दिल्ली। 28 साल की जेसिका पेगुला न्यू यॉर्क से आती हैं। गौरतलब है कि उनकी नेट वर्थ इस वक्त सबसे ज्यादा है। उन्होंने नेट वर्थ के मामले में स्टार टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर और राफेल नेडाल को भी पीछे छोड़ दिया। जेसिका इस वक्त टेनिस की सबसे अमीर खिलाड़ी हैं। अमेरिका की जेसिका पेगुला मौजूदा समय में टेनिस की सबसे अमीर खिलाड़ी हैं। उनसे ज्यादा नेट वर्थ इस वक्त किसी और की नहीं है। जेसिका पेगुला की नेट वर्थ 6.7 बिलियन डॉलर है। भारतीय रुपये में देखें तो जेसिका 5,52,10,34,50,000 करोड़ रुपये की मालिक हैं। जेसिका की संपत्ति रोजर फेडरर और राफेल नडाल से भी कई ज्यादा है। जहां नडाल की 220 मिलियन डॉलर नेट वर्थ है। वहीं फेडरर की 550 मिलियन है। जेसिका पेगुला के पिता टेरी पेगुला अमेरिका के एक बहुत बड़े बिजनेसमैन हैं। वह दुनिया के 377वे सबसे अमीर आदमी हैं।

मलेशिया से भिड़ेंगी भारतीय लड़कियां

एजेंसी

जूनियर एशिया कप

काकामीगहारा (जापान)। अपने अभियान के पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 22-0 से रौंदने के बाद भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम सोमवार को महिला जूनियर एशिया कप 2023 के अपने दूसरे पूल-ए मैच में मलेशिया का सामना करेगी। भारतीय टीम ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत में खेल के हर मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया। वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, मुमताज खान, अन्नू, सुनेलिता टोप्पो, मंजू चौरसिया, दीपिका सोरेंग, दीपिका और नीलम सहित आठ खिलाड़ियों ने उज्बेकिस्तान के विरुद्ध गोल किये। भारतीय लड़कियां मलेशिया के विरुद्ध भी यह प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगी। भारतीय टीम की कप्तान प्रीति ने मुकाबले की पूर्व संध्या पर कहा, हमने टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की है। हमारा उद्देश्य मलेशिया के सामने भी खेल के उसी स्तर को बनाये रखना है। उन्होंने कहा, हमारे शुरूआती मैच में जीत ने हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाया है। यह जानते हैं कि मलेशिया एक मजबूत टीम होने का दावा करती है, इसलिये हम एक करीबी मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं। दूसरी ओर, मलेशिया ने भी चीनी ताइपे के खिलाफ अपना पहला मुकाबला 7-0 से जीतकर टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की है। वे अब प्रतिभाशाली भारतीय टीम के सामने अपने कौशल का परीक्षण करने के लिए उत्सुक होंगे। उल्लेखनीय है कि दोनों टीम आखिरी बार 2015 महिला जूनियर एशिया कप के दौरान भिड़ी थीं जहां भारत ने 9-1 से बाजी मारी थी। भारतीय लड़कियां सोमवार को इतिहास दोहराते हुए अपना विजय रथ आगे बढ़ाना चाहेंगी।

देश से ज्यादा आइपीएल में खेलना पसंद करते हैं खिलाड़ी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एकाधिकार को खत्म कर दिया है और उन्होंने कहा कि भविष्य में खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर राष्ट्रीय टीम को महत्व देने के लिए मनाना चुनौती होगा। कमिंस ने कहा कि आइपीएल ने एक दशक पहले क्रिकेट का परिदृश्य बदल दिया था और ऐसे में वह ट्रेंट बोल्ट के न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुबंध को ठुकरा कर विश्व भर की टी20 लीग में खेलने के फैसले से सहमत दिखे। कमिंस ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, पिछले कुछ समय से लग रहा था कि ऐसा होने जा रहा है और अब ऐसा हो रहा है।

मेसी ने दर्शकों की 'हूटिंग' के बीच पीएसजी को कहा अलविदा

टूटेगा 14 साल का साथ, रीयाल मैड्रिड से अलग होंगे दिग्गज फुटबॉलर बेंजेमा

मैड्रिड। फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर करीम बेंजेमा स्पेन के शीर्ष क्लब में शामिल रीयाल मैड्रिड का अगले सत्र से प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। रीयाल मैड्रिड ने रविवार को बताया कि इस स्टार स्ट्राइकर ने क्लब के साथ उनके शानदार और अविस्मरणीय करियर को खत्म करने कासमझौता किया। यह घोषणा बेंजेमा के सऊदी अरब में खेलने की संभावना से जुड़ी खबरों के बीच आयी है। बेंजेमा 2009 से रीयाल मैड्रिड के साथ हैं। उनके 14 साल के करियर के दौरान इस क्लब ने 25 खिताब जीते, जो स्पेन की इस बड़ी टीम के साथ किसी भी

काइलियन एंबाप्पे ने पांचवीं बार जीता गोल्डन बूट

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलियन एंबाप्पे ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकॉर्ड पांचवी बार गोल्डन बूट (प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। पीएसजी की टीम इस मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार गई लेकिन एंबाप्पे ने इसमें गोल दागा। इससे एंबाप्पे ने 29 गोल के साथ फ्रांसीसी लीग में अपने अभियान का अंत किया। यह पांचवा अवसर है जबकि उन्होंने लीग में सर्वाधिक गोल किये। एम्बाप्पे ने इससे फ्रांस के जीन पियरे पापिन और अर्जेंटीना के स्ट्राइकर कार्लोस बियांची और डेलियो ओनिस के रिकॉर्ड की बराबरी की। पीएसजी पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका था। उसने और दूसरे स्थान की टीम लेंस ने चैंपियंस लीग के अगले सत्र के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया।

एजेंसी

पेरिस। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने दर्शकों की 'हूटिंग' के बीच पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की तरफ से अपना आखिरी मैच खेला। फ्रांसीसी लीग का खिताब पहले ही अपने नाम पर सुनिश्चित कर चुके पीएसजी को अपने आखिरी मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। पीएसजी के समर्थकों ने मेसी के प्रति किसी तरह का सम्मान नहीं दिखाया तथा जब उद्घोषक ने जब इस स्टार खिलाड़ी के नाम की घोषणा की तो दर्शकों ने उनकी 'हूटिंग' की। इसके कुछ मिनट बाद मेसी ने मुस्कुराते हुए अपने तीन बच्चों के साथ मैदान पर प्रवेश किया। उन्होंने बाद में कहा, मैं इन दो साल के लिए क्लब, पेरिस शहर और उसके लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' मेसी के रहते हुये पीएसजी ने इन दो सत्रों में दो बार फ्रांसीसी लीग और फ्रांसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब जीते। मेसी ने इस बीच क्लब की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 32 गोल किये और 35 गोल करने में मदद की। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान ने पीएसजी के साथ अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाया। उनके अब सऊदी अरब में खेलने की संभावना है।

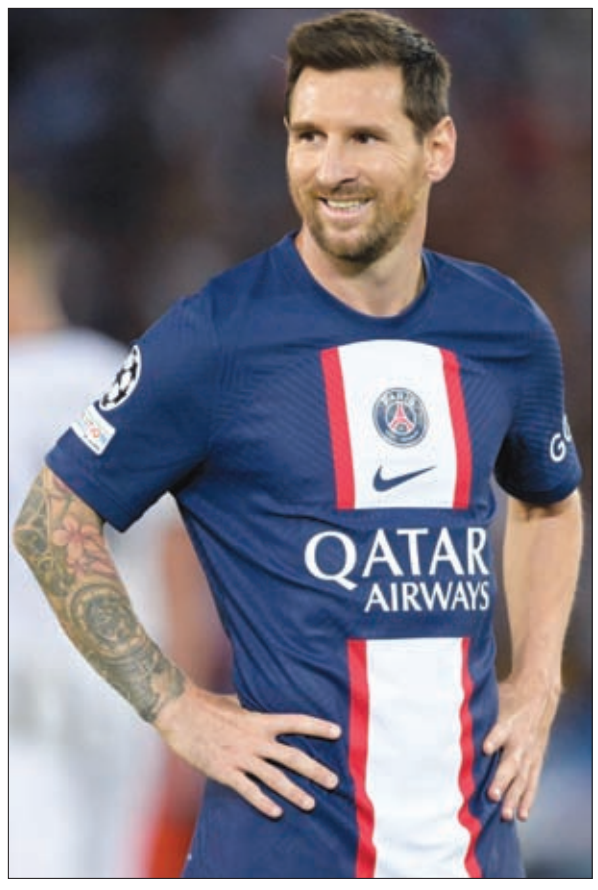

पेज 1 का शेष

बालासोर रेल हादसे में...

जिन दो मृतकों की पहचान हुई है, उनमें 28 वर्षीय मो शमशाद और 56 वर्षीय बच्चू मिस्त्री शामिल हैं। दोनों मूल रूप से गोड्डा जिले के रहने वाले थे। शमशाद मेहरमा के गौरीपुर गांव केरहने वाले थे। वहीं, बच्चू मिस्त्री महागामा प्रखंड के परसा गांव के निवासी थे। रेल हादसे में ठाकुरगंगटी प्रखंड के मोरडीहा गांव के चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में मिथुन पंडित, मुकेश पंडित और राजीव पंडित शामिल हैं। सभी घायलों से निरंतर संपर्क बनाकर झारखंड सरकार हर जरूरी मदद पहुंचाने का काम रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर श्रम सचिव के नेतृत्व में आला अधिकारियों और डॉक्टर की टीम ने रविवार को बालासोर में झारखंड के पीड़ितों से मुलाकात कर पूरी जानकारी ली। ज्ञात हो कि इस दुर्घटना में अब तक 275 यात्रियों की मौत हो चुकी है, जबकि 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। **अस्पताल जाकर घायलों से की मुलाकात :** झारखंड के अधिकारियों की टीम बालासोर जिला अस्पताल पहुंची। वहां ट्रेन हादसे में घायल यात्रियों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा टीम ने एनओसीसीआई बिजनेस पार्क पहुंचकर, जहां मृतकों के शवों को रखा गया है, जानकारी ली। झारखंड टीम ने त्वरित पहल करते हुए अस्पताल से इलाजरत गोड्डा जिले के चार घायलों को डिस्चार्ज करा कर उन्हें उनके गोड्डा स्थित आवास भेजने की व्यवस्था की। वहीं, ट्रेन हादसे में गोड्डा जिले के जिन दो यात्रियों की मौत हुई, उनके पार्थिव शरीर को भी उनके घर भेजने की व्यवस्था की गयी।

रेलवे बोर्ड ने की...

रेलवे बोर्ड की सदस्य जया वर्मा ने कहा कि हादसा केवल कोरोमंडल ट्रेन से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा कहना कि तीन ट्रेनें आपस में टकरा गयीं, गलत है। उन्होंने बताया कि कोरोमंडल एक्सप्रेस लौह अयस्क ले जाने वाली एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गयी। मालगाड़ी के कारण सारा का सारा टकराव का प्रभाव यात्री ट्रेन पर आया, जिसके चलते उसके कई डब्बे बेपटरी हो गये। वहीं, दूसरी तरफ से आ रही ट्रेन के पिछले दो डब्बे इस ट्रेन के डिब्बों के पलटने के चलते क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने कहा कि दोनों गाड़ियां अपनी अधिकतम सीमा के भीतर थीं।

आये थे एम्स बनाने...

इसके अतिरिक्त, मरीज हित में किसी तरह की सुविधा नहीं बढ़ायी। रिम्स का हाल यहां तक पहुंच गया है कि मरीजों को सीरिंज, कॉटन और आइवी सेट जैसी छोटी-मोटी चीजें भी बाहर से खरीद कर लानी पड़ रही है। रिम्स के कुछ चिकित्सकों ने कहा कि निदेशक अपने आप को इस संसथान की व्यवस्था में ढाल नहीं पाये। एकेडमिक में उन्होंने संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए रिसर्च पर काफी काम किया। बताते चलें कि डॉ कामेश्वर प्रसाद रिम्स के छात्र रहे हैं। अपने आप को खांटी झारखंडी और रिम्स को अपनी मां कहते थे। झारखंड राज्य स्थापना दिवस (15 नवंबर 2020) को बतौर निदेशक कुर्सी पर काबिज हुए थे। अपने विदाई समारोह के दौरान बीते शुक्रवार को डॉ प्रसाद ने कहा था कि यहां से जाते हुए बस इस बात का अफसोस है कि मैं अपने अस्पताल के चिकित्सकों के प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक नहीं लगा सका। कहा कि रिम्स आने का मकसद यह था कि मैंने अपनी पढ़ाई यहीं से की। यही कारण है कि अपने राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में अपनी सेवा देने के लिए आया। विश्व को दिग्गज डॉक्टर रिम्स ने दिया है और इसके दर्जनों उदाहरण हैं।

स्पीड न्यूज

अभिनेता आमिर रजा हुसैन का निधन

नयी दिल्ली। सिनेमा जगत के जाने-माने निर्देशक-अभिनेता आमिर रजा हुसैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके बेटे ने बताया कि हुसैन हृदय संबंधित बीमारी से पीड़ित थे और शनिवार को उनका निधन हो गया।दिवंगत अभिनेता के बेटे गुलाम अली अब्बास ने बताया कि वह दो दिन अस्पताल में भर्ती थे और उनकी हृदय संबंधी सर्जरी की गई थी, लेकिन वह सफल नहीं हुई। उनका शनिवार को निधन हो गया।

चीन में पहाड़ ढहने से 14 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के सिचुआन प्रांत में रविवार को एक पहाड़ ढह जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गयी जबकि पांच अन्य लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सिचुआन प्रांत के लेशान शहर में सुबह करीब छह बजे हुई। अधिकारियों को भूस्खलन की सूचना प्राप्त होते ही बचावकर्मियों की एक बड़ी टीम को वहां भेज दिया गया।

पाक : मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम दो आतंकवादी मारे गये। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि मुठभेड़ जिले के जनीखेल इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हुई। सुरक्षा बलों के जवानों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया और घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया। मुठभेड़ में सेना के दो जवानों की भी मौत हो गयी।

मुर्दाघरों में लगा लावारिस शवों का ढेर

एजेंसी

रेल हादसा : सरकार ने बालासोर से 187 शवों को भुवनेश्वर भेजा

भुवनेश्वर। बालासोर ट्रेन हादसे के बाद ओडिशा सरकार के सामने एक नया संकट खड़ा हो गया है। मुर्दाघरों में ऐसे शवों का ढेर लगा है जिनकी अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है या जिन्हें लेने के लिए कोई दावेदार सामने नहीं आए हैं। ऐसे लावारिस शवों की संख्या इतनी अधिक है कि मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है। बड़ी संख्या में ऐसे शवों से निपटने में असमर्थ ओडिशा सरकार ने बालासोर से 187 शवों को भुवनेश्वर भिजवाया, लेकिन यहां भी जगह की कमी शवगृह प्रशासकों के लिए परेशानी खड़ी कर रही है।

भुवनेश्वर एम्स में 100 शव रखे गए हैं जबकि बाकी शव कैपिटल अस्पताल, अमरी अस्पताल, सम अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में भेजे गए हैं।भुवनेश्वर एम्स के अधिकारी ने कहा कि यहां भी शवों को संभालकर रखना हमारे लिए एक असल चुनौती है क्योंकि हमारे यहां अधिकतम 40 शवों को रखने की सुविधा है। उन्होंने कहा कि शरीर रचना विभाग में अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। भुवनेश्वर एम्स के प्रशासन ने शवों की पहचान होने तक उन्हें संभालकर रखने के लिए बड़ी संख्या में ताबूत, बर्फ और फार्मलिन रसायन खरीदा है। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने शनिवार को दुर्घटनास्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान उनके सामने शवों को संभालकर रखने के सिलसिले में उत्पन्न स्थिति की ओर ध्यान दिलाया।

शिनाख्त बड़ी चुनौती : ओडिशा की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव शालिनी पंडित ने कहा कि सभी शव (मुर्दाघरों की कमी के कारण) प्रशीतन भंडारण गृह में रखे गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासन के लिए इन शवों की शिनाख्त बड़ी चुनौती है क्योंकि दुर्घटना में मारे गए लोग विभिन्न राज्यों के हैं। उन्होंने कहा कि इन यात्रियों का ब्योरा तीन वेबसाइटों- विशेष राहत आयुक्त, भुवनेश्वर नगर निगम और ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों पर डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन मृत यात्रियों की फोटो युक्त सूची भी वेबसाइटों पर अपलोड कर दी गई है ताकि उनकी पहचान करने में सहूलियत हो।

शवों को संभालकर रखना मुश्किल

अधिकारी ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में शवों को संभालकर रखना वाकई मुश्किल है। सूत्रों ने बताया कि दुर्घटनास्थल से ही प्रधानमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से बात की और इन शवों को भुवनेश्वर एम्स में रखवाने का इंतजाम करवाने को कहा। मांडविया तत्काल रात में ही भुवनेश्वर आए और उन्होंने यहां कई बैठकें की। ओडिशा के मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि शनिवार को 85 एम्बुलेंस से शव भुवनेश्वर लाए गए और अन्य 17 शव रविवार को लाए गए।

पहचान के लिए अपलोड हुईं तस्वीरें

मुख्य सचिव ने कहा कि बालासोर रेल हादसे के मृतकों की तस्वीरें केवल उनकी पहचान के लिए डाली गई हैं क्योंकि ये तस्वीरें मन विचलित कर देने वाली हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी विशेष राहत आयुक्त (ओडिशा) की अनुमति के बगैर इन तस्वीरों को किसी भी रूप में प्रकाशित या प्रसारित नहीं करना चाहिए। एक डाक्टर ने बताया कि शव क्षत विक्षत हालत में हैं। मैंने एक व्यक्ति का केवल सिर देखा, उसके शरीर के बाकी अंगों के नाम पर कुछ नहीं था। इस बीच भुवनेश्वर नगर निगम के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। लोग इस कार्यालय से संपर्क कर शवों के बारे में सूचनाएं हासिल कर सकते हैं और उनकी शिनाख्त में मदद कर सकते हैं। इस हादसे में 278 लोग मारे गए हैं और 1100 से अधिक घायल हैं।

मोदी ने फोन पर पटनायक से ताजा हालात की ली जानकारी

जरूरत पड़ने पर केंद्र किसी भी तरह की सहायता देने को तैयार

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल दुर्घटना संकट के दौरान त्वरित और कुशल कार्रवाई के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि श्री मोदी ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर केंद्र किसी भी तरह की सहायता देने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने संकट की इस घड़ी में जिस तरह के सहयोग और समय पर मदद के लिए ओडिशा के लोगों की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में घायल यात्रियों की जान बचाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। डॉक्टर, मेडिकल छात्र जान बचाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। घायल व्यक्तियों के लिए रक्तदान करने के लिए डॉक्टर, छात्र और आम लोग आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसी नीति का पालन करते हैं जो हर जीवन कीमती है को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से लेकर घायलों को अस्पताल ले जाने, इलाज की व्यवस्था करने तक, हम जान बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ताजा स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि विभिन्न अस्पतालों में 1175 मरीज भर्ती हैं, जिनमें से 793 को छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर घायल मरीजों की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 382 यात्रियों का विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री पटनायक ने बहनागा ट्रेन हादसे के पीड़ितों के लिए रविवार को अनुग्रह राशि की घोषणा की।मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को एक लाख रुपये की सहायता मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अनुग्रह सहायता केवल ओडिशा के पीड़ितों के लिए लागू है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

समयबद्ध जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका

नयी दिल्ली। ओडिशा रेल हादसे की समयबद्ध जांच उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले एक विशेषज्ञ आयोग से कराने का निर्देश देने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया है कि यह दुर्घटना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार और नागरिकों की स्वतंत्रता के उल्लंघन के मद्देनजर उच्च अधिकारियों द्वारा की गई घोर लापरवाही को दर्शाती है। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर इस याचिका में भारतीय रेलवे प्रणाली की मौजूदा जोखिम और सुरक्षा मानकों का विश्लेषण और समीक्षा करके इसे मजबूत करने के लिए व्यवस्थित संशोधनों का सुझाव देने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई है। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा व्यवस्था (एटीपी) कवच लागू करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने का निर्देश भी मांग की है।

हादसे में माता-पिता को खोने वाले बच्चों को फ्री शिक्षा देंगे गौतम अडाणी

नयी दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी ने रविवार को ओडिशा में हुए रेल हादसे को बेहद विचलित करने वाला बताया और इस घातक दुर्घटना में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को मुफ्त स्कूली शिक्षा देने की पेशकश की। अडाणी ने एक ट्वीट मे कहा कि पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद करना तथा बच्चों को बेहतर कल देना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ट्वीट किया कि ओड़िशा की रेल दुर्घटना से हम सभी बेहद व्यथित हैं। हमने फैसला लिया है कि जिन मासूमों ने इस हादसे में अपने अभिभावकों को खोया है, उनकी स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी अडाणी समूह उठाएगा। उन्होंने लिखा कि उनके बच्चों को बेहतर कल मिले यह हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है।

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग गठित

नयी दिल्ली। केंद्र ने मणिपुर में हाल में हुई हिंसा की जांच के लिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा की अध्यक्षता में रविवार को एक जांच आयोग का गठन किया। राज्य में हिंसा में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, आयोग तीन मई को और उसके बाद मणिपुर में विभिन्न समुदायों के सदस्यों की लक्षित हिंसा और दंगों के कारणों तथा प्रसार के संबंध में जांच करेगा। यह आयोग उन घटनाओं की कड़ी और ऐसी हिंसा से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगा। यह भी देखा जाएगा कि क्या किसी भी जिम्मेदार अधिकारियों/लोगों की ओर से इस संबंध में कोई चूक या कर्तव्य में लापरवाही हुई। जांच में हिंसा और दंगों को रोकने तथा इससे निपटने के लिए किए गए प्रशासनिक उपायों पर भी गौर किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार आयोग द्वारा उसके समक्ष किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा दी जाने वाली शिकायतों पर भी गौर किया जाएगा। आयोग जितनी जल्दी हो सके केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, लेकिन अपनी पहली बैठक की तारीख से छह महीने के भीतर यह हो जाना चाहिए।

केरल में तीन-चार दिन में मानसून पहुचने के आसार

नयी दिल्ली। मानसून रविवार को केरल में दस्तक देने वाला था लेकिन इसकी शुरूआत नहीं हुई और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इसमें तीन से चार दिन की और देरी होने की आशंका जतायी है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आम तौर पर एक जून को केरल में दस्तक देता है और इसकी शुरूआत सात दिन पहले या सात दिन बाद हो सकती है। मई के मध्य में आईएमडी ने कहा था कि मानसून 4 जून तक केरल में दस्तक दे सकता है।

बिना टिकट के सफर करने वाले यात्रियों को भी मिलेगा मुआवजा

नयी दिल्ली। रेलवे ने रविवार को कहा कि ओडिशा में दुर्घटना का शिकार हुईं यात्री ट्रेनों में बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों को भी मुआवजा दिया जाएगा।

रेलवे के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने कहा कि यात्रियों के पास टिकट था या नहीं इसे देखे बगैर, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

रेलवे बोर्ड की संचालन सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने कहा कि अस्पतालों में भर्ती प्रत्येक रोगी के साथ एक स्काउट या एक गाइड है, जो उसके परिजन का पता लगाने में मदद कर रहा है। वर्मा ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर 139 पर वरिष्ठ रेल अधिकारी सवालों का जवाब दे रहे हैं और अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घायलों या मृतकों के परिवार के सदस्य हमें फोन कर सकते हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि वे उनसे मिल सकें।

एनटीपीसी NTPC

LiFE Lifestyle for Environment

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

पकरी बरवाडीह
कोयला खनन परियोजना

विश्व पर्यावरण दिवस

"प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान"

प्रकृति के संग
5 जून, 2023

एनटीपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
कोयला खनन परियोजना, बड़कागाँव, हजारीबाग

साँसें हो रही हैं कम
आओ पेड़ लगाएं हम